RNI No:-MPHIN/2008/24599 डाक पंजीयन:-एमपी/SDL-0019/2026-2028 Epaper:- www.fatwasamachar.com

फतवा

प्रत्येक गुरुवार को प्रकाशित भोपाल और छत्तीसगढ़ का लोकप्रिय समाचार आपका विश्वास

वर्ष-17 अंक-26 अनूपपुर- 26 जून से 02 जुलाई 2025 पृष्ठ-08 मूल्य-02 रुपये

पेज 07 रतन टाटा ने जिन

इमरजेंसी के 50 साल-पीएम सहित पूरी कैबिनेट ने मौन रखा-मोदी ने लिखा- कांग्रेस ने लोकतंत्र को कैद किया; खड़गे का जवाब- ये झूठ छिपाने का नाटक

नई दिल्ली

पीएम मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को कैबिनेट बैठक में आपातकाल के 50 साल पूरे होने पर एक प्रस्ताव पास किया गया। इसके बाद आपातकाल के पीड़ितों को श्रद्धांजलि के रूप में दो मिनट का मौन रखा गया। कैबिनेट बैठक में तीन बड़े फैसले लिए गए। पहला- पुणे मेट्रो विस्तार के लिए 3626 करोड़ रुपये पारित। दूसरा- झरिया (झारखंड) अंडरग्राउंड फायर के लिए 5940 करोड़ रुपये का संशोधित मास्टर प्लान मंजूर। तीसरा- आगरा में 111 करोड़ रुपये की लागत से अंतरराष्ट्रीय आलू केंद्र स्थापित किया जाएगा। इससे पहले बुधवार सुबह पीएम मोदी ने आपातकाल को लेकर सोशल मीडिया ङ्क पर लिखा कि इस दिन कांग्रेस ने लोकतंत्र को कैद कर लिया था। प्रेस की स्वतंत्रता को

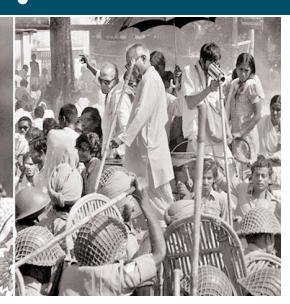

खत्म कर दी थी। इस पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने जवाब दिया कि, ये लोग अपनी गलती छिपाने के लिए यह सब नाटक करते हैं। दरअसल 25 जून 1975 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश में आपातकाल की घोषणा की थी। यह 21 मार्च 1977 तक (21 महीने) तक लागू रहा था। भाजपा इस दिन को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाती है। इमरजेंसी को लेकर मोदी ने लिखा, यह भारत के लोकतांत्रिक इतिहास के सबसे काले अध्यायों में से एक है। भारत के लोग इस दिन को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाते हैं। भारत के लोकतांत्रिक ढांचे की रक्षा करना और उन आदर्शों को बनाए रखना, जिनके लिए हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने अपना जीवन समर्पित कर दिया।

न्यूज ब्रीफ

नेपाल के रास्ते भारतीयों की अवैध विदेश यात्रा

काठमांडू। काठमांडू के इमिग्रेशन विभाग ने नेपाल से विदेश जाने वाले भारतीयों के ऊपर कड़ी निगरानी शुरू कर दी है। पिछले 4 साल में 80000 से ज्यादा भारतीय नागरिक नेपाल के त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से संयुक्त अरब अमीरात, चीन,हॉन्गकोंग और सऊदी अरब जैसे देशों में गए हैं। नेपाल से जो भारतीय नागरिक विदेश गए हैं। उनमें से कई वांछित अपराधी थे। नेपाल के भ्रष्टाचार निरोधक एजेंसी ने मामले की जांच शुरू कर दी है। हवाई अड्डों पर निगरानी और सख्ती बढ़ा दी गई है। जांच एजेंसी को यह भी शक है। एयरपोर्ट के अधिकारियों की मिली भगत से नेपाल के रास्ते बड़ी मात्रा में भारतीय विदेश जा रहे हैं।

फ्लाईओवर का स्लैब अपनी जगह से खिसका

चेन्नई। तमिलनाडु के होसुर में एक फ्लाईओवर का स्लैब अपनी जगह से खिसक गया। इससे सड़क पर करीब तीन किमी लंबा जाम लग गया। वाहनों को सर्विस रोड का इस्तेमाल करने के लिए कहा गया है। यह फ्लाईओवर बेंगलुरु-चेन्नई नेशनल हाईवे पर बना है और कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु से सिर्फ 40 किमी दूर है। सुरक्षा कारणों से फ्लाईओवर पर बेंगलुरु जाने वाले वाहनों को रोक दिया गया। पुलिस ने बताया कि एक्सपर्ट्स का एक पैनल होसुर फ्लाईओवर की जांच करेगा।

कैब में महिला पायलट का यौन शोषण, 3 पर मामला दर्ज

मुंबई। मुंबई पुलिस ने कैब ड्राइवर समेत तीन पर एक महिला पायलट के यौन शोषण के आरोप में मामला दर्ज किया है। घटना शुक्रवार रात करीब 11:15 बजे की है, जब महिला पायलट साउथ मुंबई से अपने घर घाटकोपर जा रही थी। पुलिस ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। महिला ने बताया कि उसका पति नौसेना में अधिकारी है, लेकिन उन्हें अब तक सरकारी आवास नहीं मिला है। इस वजह से पति नौसेना के आवासीय परिसर में रहता है, जबकि वह घाटकोपर में रहती है। पुलिस ने बीएनएस की धारा 75(1), 351(2) और 3(5) के तहत मामला दर्ज किया है।

बीजापुर जिले में नक्सलियों ने 2 ग्रामीणों को मार डाला

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में नक्सलियों ने शनिवार देर रात 2 ग्रामीणों की हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि इनमें एक सरेंडर नक्सली भी शामिल है। नक्सलियों ने पुलिस मुखबिरी के शक पर इनकी जान ली है। मामला पामेड़ थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के मुताबिक मृतकों का नाम समैय्या और वेको देवा है। समैय्या पहले नक्सली था। उसने 2025 में आत्मसमर्पण किया है। वहीं वेको देवा ग्रामीण है। दोनों नक्सल प्रभावित गांव सेंड्राबोर और एमपुर के रहने वाले थे। इन्हें मिलाकर बीजापुर में 7 दिन में ये 5वीं हत्या है।

छत्रपति शिवाजी महाराज एयरपोर्ट पर 16 करोड़ का सोना बरामद

मुंबई। मुंबई कस्टम डिपार्टमेंट ने छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 16 करोड़ की कीमत का हाइड्रोपोनिक वीड और गोल्ड डस्ट (चूरा) जब्त किया। 4 लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है, इनमें दो लोग एयरपोर्ट के कर्मचारी हैं। अधिकारियों ने बताया कि एयरपोर्ट कर्मचारियों के तस्करी में शामिल होने गुप्त सूचना मिली थी। दोनों की जांच की गई। इस दौरान उनकी जेब और मोजे में छिपाई मोमबत्ती मिली। जिसके अंदर 24 कैरेट सोने का चूरा छिपाया गया था।

सुखबीर-मजीठिया के बीच प्रापर्टी विवाद, दोनों में नहीं बनती: सीएम मान

चंडीगढ़। शिअद नेता मेरी सेहत के बजाय अपने जीजा सुखबीर बादल की चिंता करें जो बार-बार गिर पड़ते हैं। चंडीगढ़ में युवाओं को नियुक्ति पत्र देने के कार्यक्रम के दौरान पंजाब के सीएम भगवंत मान ने यह बात कही। सीएम मान ने कहा कि सुखबीर बादल और बिक्रम मजीठिया के बीच नहीं बनती क्योंकि दोनों का प्रापर्टी को लेकर विवाद है। मान ने दावा किया कि हरसिमरत कौर बादल और मजीठिया भी एक दूसरे से दूरी बना चुके हैं। सीएम ने कहा कि पैसा बहुत बुरी चीज है। मैंने कभी यह बातें नहीं बताई, लेकिन अब बता रहा हूं। उन्होंने कहा कि मेरे साथ पंगे लेते हैं क्या कलाकार होना बुरी बात है। कलाकार को सुनने के लिए लोग पैसे खर्च करते हैं।

केदारनाथ में हेलीकॉप्टर सेवाएं बंद, सभी हेली कंपनियां वापस लौटीं

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ धाम के लिए उड़ान भरने वाली सभी आठ हेली कंपनियां तय समय से दो दिन पहले ही वापस लौट गई हैं। शनिवार को हेली कंपनियों ने दिल्ली के लिए उड़ान भरी। दूसरे चरण की हेली सेवा अब आगामी सितंबर माह से शुरू होगी। केदारनाथ

अमेरिका के ईरान पर हमले के बाद बदले हालात... परमाणु केंद्रों पर हमले से भड़के ईरान ने दागी अपनी खैबर शेकन मिसाइल...खंडहर हुई इमारतें, हर तरफ धुआं-धुआं...रूसी नेता का सनसनीखेज दावा-ईरान को न्यूक्लियर हथियार देने को कई देश तैयार

मिडिल ईस्ट में तीसरे विश्व युद्ध की गूंज!

वाशिंगटन/तेहरान/तेलअवीव/मास्को

ईरान और इजरायल के बीच जारी जंग में अब अमेरिका भी खुलकर शामिल हो गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ने ईरान की तीन बड़ी परमाणु साइट्स - फोर्डो, नतांज और इस्फहान पर सफलतापूर्वक हवाई हमला किया है। ट्रंप के मुताबिक, लड़ाकू विमानों ने फोर्डो को प्रमुख रूप से निशाना बनाते हुए बमबारी की और अब सभी विमान सुरक्षित लौट चुके हैं। उन्होंने इसे अमेरिका की सैन्य ताकत की मिसाल बताया और कहा कि अब शांति का समय है। अमेरिका के हमले के जवाब में ईरान ने इजराइल पर मिसाइलें दागीं हैं। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स ने कहा कि उन्होंने इजराइल पर सबसे बड़ा अटैक किया है और 14 अहम ठिकानों को निशाना बनाया है। इससे मिडिल ईस्ट में तीसरे विश्वयुद्ध की गूंज सुनाई देने लगी है।

अमेरिका ने रविवार को तड़के सुबह ईरान के खिलाफ एक बेहद गुप्त और बड़ी सैन्य कार्रवाई की। इस ऑपरेशन का नाम ऑपरेशन मिडनाइट हैमर रखा गया था। पेंटागन के मुताबिक,

- **अमेरिका ने ईरानी न्यूक्लियर साइट पर सिर्फ बम नहीं गिराए... पनडुब्बी से 30 टोमाहॉक मिसाइलें भी मारी**
- **ईरान पर हमले के बाद अलर्ट मोड में अमेरिका, इराकी दूतावास से घटाया जा रहा स्टाफ**

इस ऑपरेशन में अमेरिका के 125 से ज्यादा लड़ाकू विमान और मिसाइलें शामिल थीं। संयुक्त चीफ ऑफ स्टाफ के प्रमुख जनरल डैन केन ने रविवार को बताया कि यह हमला ईरान के दो प्रमुख परमाणु केंद्रों- फोर्दो और नतांज- पर किया गया। इसके साथ ही इस्फहान शहर में भी मिसाइलें दागी गईं। जनरल डैन केन ने कहा कि हमने ईरान के उन ठिकानों को निशाना बनाया जो सीधे उनके परमाणु कार्यक्रम से जुड़े थे। ऑपरेशन को इस तरह अंजाम दिया गया कि आम नागरिकों को नुकसान न पहुंचे।

अमेरिकी हमले के बाद हाइफा और तेल अवीव के मिलिट्री और रिहायशी ठिकानों पर ईरानी मिसाइलें गिरी हैं। इजराइल में अब तक 86 लोगों के घायल होने की जानकारी सामने आई है। इस बीच पीएम मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान से फोन पर बात की। इसकी जानकारी देते हुए उन्होंने एक्स पर लिखा- हमने मौजूदा हालात पर विस्तार से चर्चा की। हाल की घटनाओं में बढ़ते तनाव पर गहरी चिंता जताई। हालात को तुरंत शांत करने, बातचीत और कूटनीति को आगे बढ़ाने की जरूरत है। अमेरिका ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को निशाना बनाकर एक बड़ा सैन्य ऑपरेशन शुरू किया। 21 जून को अमेरिकी नौसेना की गाइडेड-मिसाइल पनडुब्बी एसएस जॉर्जिया ने 30 टोमाहॉक लैंड अटैक मिसाइलें ईरान के दो प्रमुख परमाणु ठिकानों नतांज और इस्फहान पर दागीं। इसके साथ ही, बी-2 स्पिरिट स्टील्थ बॉम्बर ने नतांज पर दो जीबीयू-57 मैसिव ऑर्डनेंस पेनेट्रेटर बम गिराए। यह हमला ईरान के परमाणु महत्वाकांक्षाओं को रोकने और इजरायल की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए किया गया।

रूस ने दी हिदायत

रूस के पूर्व राष्ट्रपति और सुरक्षा परिषद के उपाध्यक्ष दिमित्री मेदवेदेव ने एक चौंकाने वाला बयान दिया, जिसमें उन्होंने दावा किया कि कई देश ईरान को अपने परमाणु हथियार सीधे देने के लिए तैयार हैं। यह बयान अमेरिका द्वारा 21 जून 2025 को ईरान के तीन परमाणु ठिकानों फोर्डो, नतांज और इस्फहान पर रात में किए गए हमलों के जवाब में आया। मेदवेदेव ने कहा कि ये हमले ईरान के परमाणु कार्यक्रम को रोकने में नाकाम रहे और मध्य पूर्व में तनाव को और बढ़ा दिया। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को शांति का राष्ट्रपति से युद्ध शुरू करने वाला बताकर तीखी आलोचना

लगातार गरज रही मिसाइलें

अमेरिका द्वारा ईरान के परमाणु ठिकानों पर बमबारी के कुछ घंटों बाद ही, ईरान ने रविवार सुबह इजरायल पर मिसाइलों की नई बारिश कर दी। इस हमले में कम से कम 11 लोगों के घायल होने की खबर है। इजरायली मीडिया के मुताबिक, देश के कई हिस्सों में ईरानी हमलों के कारण धमाकों की आवाजें सुनी गईं।

पीएम मोदी ने ईरानी राष्ट्रपति मसूद से की बात

नई दिल्ली ■ एजेंसी

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशिकयान से फोन पर बातचीत की। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने मौजूदा हालात पर चिंता जताते हुए कहा कि किसी भी मुद्दे का हल कूटनीति और संवाद से ही निकाला जाना चाहिए।

प्रधानमंत्री मोदी ने इस बातचीत की जानकारी अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर साझा की। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा, कि मैंने ईरान के राष्ट्रपति पजशिकयान के साथ क्षेत्र की मौजूदा स्थिति पर विस्तार से चर्चा की। हमने पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की। मैंने तनाव कम करने के लिए संवाद और कूटनीति को प्राथमिकता देने की अपील की है। साथ ही, क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और स्थिरता की आवश्यकता पर भी बल दिया। पश्चिम एशिया में ईरान और इज़राइल के बीच लंबे समय से तनावपूर्ण हालात चल रहे हैं, ऐसे में अमेरिका का ईरान के परमाणु क्षेत्रों में हमला मामले को और गंभीर बनाता प्रतीत हुआ है।

भारत के साथ चलने से पड़ोसी देशों को फायदा: नहीं तो नुकसान; जयशंकर

नई दिल्ली ■ एजेंसी

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा है कि हर पड़ोसी को समझना चाहिए कि भारत के साथ मिलकर चलने से फायदा और दूरी बनाने से नुकसान है। हालांकि, पाकिस्तान एक अपवाद है, वहां की सेना की सोच भारत विरोधी है और वो ही वहां देश चलाती है। डीडी इंडिया को दिए इंटरव्यू में जयशंकर ने कहा कि भारत को अपने पड़ोसी देशों के साथ रिश्तों में हर बार सब कुछ आसान नहीं मिलेगा। हालांकि, भारत ने ऐसा माहौल बनाया है जिसमें सामूहिक हित को प्राथमिकता दी जाती है ताकि सरकारें बदलें, फिर भी रिश्ते मजबूत रहें। चीन के बारे में उन्होंने कहा कि गलवान झड़प के बाद भारत ने बॉर्डर पर खड़े रहने की नीति अपनाई है। पहले बड़ी गलती थी कि हम सीमा पर ढांचा ही नहीं बना रहे थे। लेकिन अब भारत एलएसी पर अपने हितों की रक्षा कर सकता है। जयशंकर ने ऑपरेशन सिंधु और यूक्रेन संकट के दौरान ऑपरेशन गंगा का जिक्र करते हुए भारत की बढ़ती वैश्विक भूमिका पर भी जोर दिया। अमेरिका पर- जयशंकर ने कहा कि अमेरिका के रूख का कभी भी अंदाजा नहीं लगाया जा सकता है। हालांकि, हम अमेरिका के साथ अच्छे रिश्ते बना रहे हैं। प

आतंकियों को पनाह देने वाले 2 लोग गिरफ्तार

श्रीनगर ■ एजेंसी

पहलगाम आतंकी हमले के दो महीने बाद नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी ने पहलगाम के दो लोगों को गिरफ्तार किया है। एनआईए की जांच में खुलासा हुआ है कि इन दोनों ने हमले को अंजाम देने वाले तीन आतंकियों को पनाह दी थी। गिरफ्तार किए गए आरोपियों के नाम परवेज अहमद जोठार और बशीर अहमद जोठार हैं। पूछताछ में दोनों ने आतंकियों की पहचान बताई और यह भी पुष्टि की कि वे पाकिस्तानी नागरिक थे और प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े हुए थे। एनआईए के मुताबिक, परवेज और बशीर ने हमले से पहले इन तीनों आतंकियों को हिल पार्क स्थित एक अस्थायी ढोक (झोपड़ी) में जानबूझकर ठहराया था। उन्होंने उन्हें खाना और अन्य सुविधाएं मुहैया कराई थी। हमले के बाद हुई जांच में तीन आतंकियों के नाम सामने आए थे। 24 अप्रैल को अनंतनाग पुलिस ने 3 स्केच जारी किए। इसमें तीन आतंकियों के नाम थे, अनंतनाग का आदिल हुसैन ठोकर, हाशिम मूसा उर्फ सुलेमान और अली उर्फ तल्हा भाई। मूसा और अली पाकिस्तानी हैं। मूसा पाकिस्तान के स्पेशल सर्विस ग्रुप में कमांडो रह चुका है।

एनआईए ने पहलगाम से अरेस्ट किया

स्टेट-हाइवे को नेशनल हाईवे में बदलने की रफ्तार कम करेगी सरकार

राज्य खुद सुधारेंगे सड़कें, केंद्र देगा फंड

नई दिल्ली ■ एजेंसी

केंद्र सरकार अब स्टेट हाईवे को नेशनल हाइवे में बदलने की रफ्तार कम करने जा रही है। अब हर सड़क को नेशनल हाईवे का दर्जा नहीं मिलेगा, बल्कि राज्य सरकारों को खुद अपने हाईवे सुधारने के लिए पैसे दिए जाएंगे। नए मॉडल के तहत, अपग्रेड के बाद इन सड़कों की देख-रेख राज्य सरकारें करेंगी। केंद्र सरकार अब ग्रीनफील्ड हाईवे और एक्सप्रेसवे बनाने पर फोकस करेगी। पीएम मोदी ने हाल ही में ट्रांसपोर्ट मंत्रालय को जुलाई के अंत तक ऐसा मॉडल बनाने कहा है जिससे स्टेट हाईवे को नेशनल हाईवे डिक्लेयर करने की जरूरत ही कम हो। मंत्रालय को स्टेट हाईवे और छोटे पोर्ट्स को जोड़ने के लिए कहा गया है।

ग्रीनफील्ड हाईवे और एक्सप्रेसवे बनाने पर फोकस

पिछले 11 साल में सरकार ने 55,000 किमी राज्य हाईवे को ह्म में बदला, जिससे अब नेशनल हाइवे की कुल लंबाई 1.46 लाख किमी हो गई है। सरकार का मानना है कि नेटवर्क फैलाने के बजाय, मौजूदा हाईवे को चौड़ा और बेहतर बनाना ज्यादा जरूरी है। मार्च 2025 तक भारत में कुल सडक़ नेटवर्क की लम्बाई 63 लाख किमी से ज्यादा हो चुका है।

राज्यों को मिल सकता है ज्यादा फंड

नए प्लान में राज्यों को अपने हाईवे सुधारने के लिए केंद्र से एकमुश्त फंड मिल सकता है। इससे वे अपनी जरूरत के हिसाब से सडकों को सुधार हैं। अपग्रेड के बाद इन सड़कों की देखरेख और मेंटेनेंस भी राज्य सरकारें ही करेंगी, जिससे केंद्र सरकार लंबी दूरी की यात्रा के लिए सड़कें बनाने पर फोकस कर सकेगी। पहले राज्य सरकारें अपनी अहम सडक़ों को नेशनल हाईवे में बदलवाने के लिए केंद्र को प्रस्ताव भेजती थीं। केंद्र सरकार इन सड़कों की राष्ट्रीय महत्व, ट्रैफिक और कनेक्टिविटी के आधार पर जांच कर उन्हें नेशनल हाईवे घोषित करती थी। इसके बाद इन सड़कों की देखरेख और फंडिंग केंद्र सरकार के जिम्मे आ जाती थी।

खास केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह बोले- बारिश में भी नक्सलियों को सोने नहीं देंगे

चर्चा की जरूरत नहीं, चलता रहेगा ऑपरेशन

रायपुर ■ एजेंसी

देश-प्रदेश से मार्च 2026 तक लाल आतंक को खत्म करने का लक्ष्य लेकर चल रही केंद्र सरकार के कड़े रुख को एक बार फिर से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने स्पष्ट कर दिया है। उन्होंने कहा कि पहले बारिश में नक्सलियों को आराम मिल जाता था, लेकिन इस बार बारिश में नक्सलियों को सोने नहीं देंगे। बारिश में भी पूरी ताकत से छत्तीसगढ़ में एंटी-नक्सल ऑपरेशन चलेगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अपने संबोधन में कहा कि पिछले डेढ़ सालों में विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ ने दिन दूनी रात चौगुनी प्रगति की है। मगर छत्तीसगढ़ में विष्णु देव की सरकार और गृह मंत्री विजय शर्मा की सबसे बड़ी उपलब्धि है, जो

एक रुके हुए नक्सल विरोधी अभियान को द्रुत गति से चलाया और छत्तीसगढ़ को नक्सल मुक्त करने की दिशा में आगे बढ़े। इन दोनों नक्सल विरोधी अभियान को धार दी, बल्कि समय-समय पर मार्गदर्शन दिया, पुलिस का हौसला बढ़ाया, मैं भारत सरकार की ओर से मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और गृह मंत्री विजय शर्मा को बहुत-बुहत साधुवाद देना चाहता हूं।

31 मार्च 26 तक नक्सल मुक्त होगा देश

शाह ने कहा कि मैने छत्तीसगढ़ में, इसी नवा रायपुर में, अटल नगर में कहा था कि 31-3-26 तक यह देश नक्सलवाद मुक्त हो जाएगा। आज मैं फिर यह बात विश्वास के साथ दोहराना चाहता हूं कि जिस तरह से सुरक्षाबलों ने पराक्रम किया है, सूचना एजेंसियों ने सटिक रणनीति बनाई है, हम इस लक्ष्य को सिद्ध करके रहेंगे। आज छत्तीसगढ़ वासियों को कहकर जाता हूं, कि हर बार बारिश में नक्सली थोड़ा आराम कर लेते थे, लेकिन इस बार बारिश में भी हम उनको सोने नहीं देंगे। और 31 मार्च के लक्ष्य को हम आगे बढ़ाएंगे।

सरेंडर के लिए नहीं मिलेगा इससे अच्छा मौक

इसके साथ गृह मंत्री ने नक्सलवाद के रास्ते पर भटककर चले गए युवाओं से अपील की कि विष्णु देव सरकार ने बहुत लुभावनी आत्मसमर्पण नीति बनाई है। आइए हथियार डाल दिजिए, और नए छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा में जुड़ जाइए। इससे अच्छा सरेंडर करने का मौका कभी नहीं मिलेगा। कोई चर्चा की आवश्यकता नहीं है। सरकार पर भरोसा करिए, हथियार डालिए, और मेनस्ट्रीम में जुड़ जाइए। और छत्तीसगढ़ की विकासयात्रा में आप अपने आप जुड़ जाएंगे। ढेर सारे लोगों ने हथियार डाले हैं, उनका सामाजिक जीवन में मन से स्वागत करता हूं।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद अरावली क्षेत्र में अवैध निर्माणों पर शिकंजा

नई दिल्ली ■ एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर वन विभाग ने अरावली क्षेत्र में अवैध निर्माणों पर शिकंजा कस दिया है। इसके तहत लगभग 10 दिन में 60 से ज्यादा फॉर्म हाउस, बैंक्वेट हॉल तोड़े जा चुके हैं। इसमें एक भाजपा नेता का फॉर्म हाउस भी शामिल है। इसके अलावा जो भी फॉर्म हाउस और बैंक्वेट हॉलों को तोडने का नोटिस दिया गया है। वह ज्यादातर अधिकारियों और नेताओं के कब्जे वाले हैं। यह कार्रवाई वन विभाग सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर कर रहा है। वन विभाग के सूत्रों की मानें तो 17 जुलाई तक अरावली क्षेत्र में करीब 6500 अवैध निर्माण तोड़े जाने हैं। इनमें ज्यादातर फॉर्म हाउस और बैंक्वेट

एनसीआर में 6500 फॉर्म हाउस-बैंक्वेट हॉल होंगे ध्वस्त

हॉल, शिक्षण संस्थान और धार्मिक स्थल हैं। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर अवैध फार्म हाउस और बैंक्वेट हॉल के खिलाफ चल रही बुलडोजर कार्रवाई रविवार को भी अरावली क्षेत्र में जारी रही। इस दौरान वन विभाग की टीम ने एक बड़े फॉर्म हाउस को जेसीबी से ढहाने की कोशिश की, लेकिन फार्म के संचालक ने लोगों के साथ मिलकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। इसके बाद पुलिस ने हस्तक्षेप करते हुए उन्हें समझाया और शांत कराया।

घोषित आपातकाल और अघोषित आपातकाल पर सियासत

भारतीय जनता पार्टी 25 जून को आपातकाल की 50वीं बरसी को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाने जा रही है। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी देशभर में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर किए गए हमले को लेकर संविधान हत्या दिवस के रूप में कार्यक्रम करने जा रही है। वहीं कांग्रेस भी 25 जून को अघोषित आपातकाल को संविधान बचाओ दिवस के रूप में मनाने जा रही है। मध्य प्रदेश के ग्वालियर हाईकोर्ट में संविधान निर्माता बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर की मूर्ति नहीं लगने देने पर 25 जून को कांग्रेस उपवास कर रही है। देशभर में बाबा साहेब आंबेडकर की प्रतिमा के समक्ष संविधान बचाओ के कार्यक्रम कांग्रेस द्वारा आयोजित किए जा रहे हैं, जिसके कारण देश में संविधान को लेकर एक नई सियासत देखने को मिल रही है।

भारत के संविधान में आपातकाल लगाने की शक्तियां सरकार को मिली हैं। संविधान के अंतर्गत अनुच्छेद 352, 356 और 360 के तहत संवैधानिक आपातकाल लागू किया जा सकता है। युद्ध, बाहरी आक्रमण, सशस्त्र विद्रोह, राज्य में संवैधानिक संकट होने पर संवैधानिक रूप से आपातकाल लागू किया जा सकता है। 1975 में इंदिरा गांधी ने अनुच्छेद 352 के तहत राष्ट्रीय आपातकाल घोषित किया था। संवैधानिक रूप से जब आपातकाल लागू होता है तो हर 6 माह में उसका नवीनीकरण होता है। यह एक नियमानुसार पारदर्शी प्रक्रिया है। घोषित आपातकाल में अनुच्छेद 19 के मूल अधिकार निलंबित हो जाते हैं। प्रेस, सेंसरशिप, बिना मुकदमा के किसी को गिरफ्तार करना तथा विरोध प्रदर्शनों पर रोक लगाई जाती है। 1975 में जो आपातकाल घोषित हुआ था उसमें मीडिया के ऊपर सेंसरशिप लगाई गई थी। विपक्षी नेताओं छात्र-नेताओं और कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारियों को गिरफ्तार किया गया था। घोषित आपातकाल लगभग 21 माह का था।

अब भारत में अघोषित आपातकाल की चर्चा जोरों पर हो रही है। सबसे पहले अघोषित आपातकाल का उल्लेख पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी ने किया था। जब नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री पद की शपथ लेकर सत्ता में आए थे। पिछले कुछ वर्षों में अघोषित आपातकाल को लेकर लगातार आरोप-प्रत्यारोप का दौर चल रहा है। अघोषित आपातकाल में संविधान के प्रति कोई जवाब देही नहीं होती है। सरकार सामान्य कानूनों तथा अपनी विशेष शक्तियों का उपयोग कर नियम बना देती हैं, अथवा मुकदमें बना देती हैं। पिछले कुछ वर्षों में यूएपीए, एएफएसपीए जैसे कानूनों के बेजा इस्तेमाल को इस अघोषित आपातकाल के रूप में देखा जाता है। अघोषित आपातकाल के दौरान ऐसी कोई प्रक्रिया नहीं होती है, जिससे मौलिक अधिकारों और नागरिकों के स्वतंत्र अधिकारों के बारे में संसद में समीक्षा हो सके। इसके लिए आम नागरिकों को न्यायालय का ही सहारा लेना पड़ता है। यह सारी प्रक्रिया कानूनी जामा पहनाकर की जाती है, जिसके कारण जनता को इसका आभास लंबे समय बाद होता है। अघोषित आपातकाल के दौरान इंटरनेट पर बार-बार प्रतिबंध लगाया गया है। नागरिक अधिकारों और मौलिक अधिकारों का हनन गैर संवैधानिक तरीकों से किया गया है। मीडिया पर शिकंजा कसा गया है। सरकार ने आर्थिक आधार पर मीडिया को अपने नियंत्रण में ले लिया गया। मीडिया को लेकर कोई निश्चित प्रदर्शिता भी नहीं रही है। ईड़ी, सीबीआई, जांच एजेंसियों और पुलिस द्वारा समय-समय पर सरकार के निर्देश पर जो कार्रवाई की जाती है उसमें बुलडोजर संस्कृति और एनकाउंटर भी चर्चाओं में हैं। अघोषित आपातकाल के इस दौर में मीडिया तथा सोशल मीडिया पर तरह-तरह के प्रतिबंध लगाए जा रहे हैं। अघोषित आपातकाल के दौरान जो असंवैधानिक कार्यवाही आम नागरिकों के ऊपर होती है, उसके ऊपर सरकार और संबंधित एजेंसी की कोई जिम्मेदारी तय नहीं हो पाती है। अघोषित आपातकाल में नागरिकों के मौलिक अधिकार और उनकी स्वतंत्रता को लेकर कोई पारदर्शिता नहीं होती है, जिसके कारण अघोषित आपातकाल को सबसे खतरनाक माना जाता है।

1975 के आपातकाल को ही असंवैधानिक मानते हुए बड़े पैमाने पर उसका विरोध होता रहा है। हालांकि घोषित आपातकाल के दौरान संविधान के अनुरूप हर 6 माह में संसद के अंदर इसकी समीक्षा होती रही है। एक साल के लिए इसे बढ़ाया गया था और 21 माह के अंदर ही आपातकाल को समाप्त करते हुए चुनाव कराए गए थे। घोषित आपातकाल में पूरी तरह से पारदर्शिता और तत्कालीन सरकार की जवाब देही तय थी। संसद के अंदर खुलकर चर्चा होती थी। अघोषित आपातकाल के दौरान बार-बार विपक्षी दल यह आरोप लगाते हैं कि संवैधानिक संस्थाओं और कार्यपालिका के अधिकारियों पर सरकार का दबाव है। अब यह आरोप न्यायपालिका को लेकर भी लगने लगा है। संविधान में प्रावधान होते हुए भी सरकार उनका पालन नहीं कर रही है, जिसके कारण अब संविधान बचाओ जैसे अभियान विपक्षी दल संचालित कर रहे हैं। भाजपा और कांग्रेस के बीच में घोषित आपातकाल और अघोषित आपातकाल को लेकर जो सियासत चल रही है उसमें नई पीढ़ी को भी अब आपातकाल के बारे में जानकारी मिल रही है। मौलिक अधिकारों को लेकर भी अब चर्चाएं होने लगी हैं। बाबा साहेब आंबेडकर ने जो चिंता जताई थी आज वह वास्तविक रूप में सामने दिख रही है। संविधान में प्रावधान होते हुए भी यदि सरकार और संवैधानिक संस्थाएं उनका पालन सुनिश्चित नहीं करेंगी ऐसी स्थिति में संविधान का कोई औचित्य नहीं रहेगा। तानाशाही और राजशाही का खतरा बना रहेगा। यह चिंता उन्होंने संविधान बनाते समय व्यक्त की थी।

भारत आध्यात्म एवं युवाओं के बल पर प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद में अतुलनीय वृद्धि कर सकता है

" दूसरे,भारत में 80 करोड़ आबादी का युवा (35 वर्ष से कम आयु) होना भी विकास के इंजिन के रूप में कार्य कर सकता है। भारत की विशाल आबादी ने भारत को विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने में अपना योगदान दिया है। भारत की अर्थव्यवस्था में विविधता झलकती है और यह केवल कुछ क्षेत्रों पर निर्भर नहीं है। भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि क्षेत्र का योगदान 16 प्रतिशत है तथा रोजगार के अधिकतम अवसर भी कृषि क्षेत्र से ही निकलते हैं,जिसके चलते प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद विपरीत रूप से प्रभावित होता है। सेवा क्षेत्र का योगदान 60 प्रतिशत से अधिक है परंतु,विनिर्माण क्षेत्र का योगदान बढ़ाने की आवश्यकता है। वाणिज्य मंत्रालय द्वारा प्रदान की गई जानकारी के अनुसार वित्तीय वर्ष 2024–25 में भारत में 81 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश हुआ है अर्थात विदेशी निवेशक भारत में अपनी विनिर्माण इकाईयों की स्थापना करते हुए दिखाई दे रहे हैं। "

जापान की अर्थव्यवस्था को पीछे छोड़ते हुए भारत आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और संभवत आगामी लगभग दो वर्षों के अंदर जर्मनी की अर्थव्यवस्था से आगे निकलकर विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की अपनी अपनी विशेषताएं हैं, जिसके आधार पर यह अर्थव्यवस्थाएं विश्व में उच्च स्थान पर पहुंची हैं एवं इस स्थान पर बनी हुई हैं। प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के मामले में आज भी कई विकसित देश भारत से आगे हैं। इन समस्त देशों के बीच चूंकि भारत की आबादी सबसे अधिक अर्थात 140 करोड़ नागरिकों से अधिक है, इसलिए भारत में प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद बहुत कम है। अमेरिका के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 30.51 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है और प्रति ब्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 89,110 अमेरिकी डॉलर हैं। इसी प्रकार, चीन के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 19.23 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 13,690 अमेरिकी डॉलर है और जर्मनी के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 4.74 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 55,910 अमेरिकी डॉलर है। यह तीनों देश सकल घरेलू उत्पाद के आकार के मामले में आज भारत से आगे हैं। भारत के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 4.19 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है तथा प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद केवल 2,880 अमेरिकी डॉलर है। भारत के पीछे आने वाले देशों में हालांकि सकल घरेलू उत्पाद का आकार कम जरूर है परंतु प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के मामले में यह देश भारत से बहुत आगे हैं। जैसे जापान के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 4.18 लाख करोड़ है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 33,960 अमेरिकी डॉलर है। ब्रिटेन के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 3.84 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 54,950 अमेरिकी डॉलर है। फ्रान्स के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 3.21 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 46,390 अमेरिकी डॉलर है। इटली के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 2.42 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 41,090 अमेरिकी डॉलर है। कनाडा के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 2.23 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 53,560 अमेरिकी डॉलर है। ब्राजील के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 2.13 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 9,960 अमेरिकी डॉलर है।

सकल घरेलू उत्पाद के आकार के मामले में विश्व की सबसे बड़ी 10 अर्थव्यवस्थाओं में भारत शामिल होकर चौथे स्थान पहुंच जरूर गया है परंतु प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के मामले में भारत इन सभी अर्थव्यवस्थाओं से अभी भी बहुत पीछे है। इस सबके पीछे सबसे बड़े कारणों में शामिल है भारत द्वारा वर्ष 1947 में राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्ति पश्चात, आर्थिक विकास की दौड़ में बहुत अधिक देर के बाद शामिल होना। भारत में आर्थिक सुधार कार्यक्रमों की शुरुआत वर्ष 1991 में प्रारम्भ जरूर हुई परंतु इसमें इस क्षेत्र में तेजी से कार्य वर्ष 2014 के बाद ही प्रारम्भ हो सका है। इसके बाद, पिछले 11 वर्षों में परिणाम हमारे सामने हैं और भारत विश्व की 11वीं अर्थव्यवस्था से छलांग लगते हुए आज 4थी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। दूसरे, इन देशों की तुलना में भारत की जनसंख्या का बहुत अधिक होना, जिसके चलते सकल घरेलू उत्पाद का आकार तो लगातार बढ़ रहा है परंतु प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद अभी भी अत्यधिक दबाव में है। अमेरिका में तो आर्थिक क्षेत्र में सुधार कार्यक्रम 1940 में ही प्रारम्भ हो गए थे एवं चीन में वर्ष 1960 से प्रारम्भ हुए। अतः भारत इस मामले में विश्व के विकसित देशों से बहुत अधिक पिछड़ गया है। परंतु, अब भारत में गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या में तेजी से कमी हो रही है तथा साथ ही अतिधनाडय एवं मध्यमवर्गीय परिवारों की संख्या बहुत तेजी से बढ़ रही है, जिससे अब उम्मीद की जानी चाहिए कि आगे आने वाली समय में भारत में भी प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद में तेज गति से वृद्धि होगी।

विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था, अमेरिका में सेवा क्षेत्र इसकी सबसे बढ़ी ताकत है। अमेरिका में केवल 2 प्रतिशत आबादी ही कृषि क्षेत्र पर निर्भर है और अमेरिका की अधिकतम आबादी उच्च तकनीकी का उपयोग करती है जिसके कारण अमेरिका में उत्पादकता अपने उच्चत्तम स्तर पर है। पेट्रोलीयम पदार्थों एवं रक्षा उत्पादों के निर्यात के मामले में अमेरिका आज पूरे विश्व में प्रथम स्थान पर है। वर्ष 2024 में अमेरिका ने 2.08 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर मूल्य के बराबर का सामान अन्य देशों को निर्यात किया है, जो चीन के बाद विश्व के दूसरे स्थान पर है। तकनीकी वर्चस्व, बौद्धिक सम्पदा एवं प्रौद्योगिकी नवाचार ने अमेरिका को विकास के मामले में बहुत आगे पहुंचा दिया है। टेक्निकल नवाचार से जुड़ी विश्व की पांच शीर्ष कम्पनियों में से चार, यथा एप्पल, एनवीडिया, माक्रोसोफ्ट एवं अल्फाबेट, अमेरिका की कम्पनियां हैं। इन कम्पनियों का संयुक्त बाजार मूल्य 12 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से भी अधिक है, जो विश्व के कई देशों के सकल घरेलू उत्पाद से बहुत अधिक है। अतः अमेरिका के नागरिकों ने बहुत तेजी से धन सम्पदा का संग्रहण किया है इसी के चलते प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद अमेरिका में बहुत अधिक है। द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद वर्ष 1944 में अमेरिका के ब्रेटन वुड्ज नामक स्थान पर हुई एतिहासिक बैठक में विश्व के 44 देशों ने वैश्विक वित्तीय व्यवस्था के नए ढांचे पर सहमति जताते हुए अपने देश की मुद्रा को अमेरिकी डॉलर से जोड़ दिया था। इसके बाद से वैश्विक अर्थव्यवस्था में अमेरिकी डॉलर का दबदबा बना हुआ है। आज विश्व का लगभग 80 प्रतिशत अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग लेन देन अमेरिकी डॉलर में होता है। अमेरिका के बाद विश्व की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था चीन को पूरे विश्व का विनिर्माण केंद्र कहा जाता है क्योंकि आज पूरे विश्व के औद्योगिक उत्पादन का 31 प्रतिशत हिस्सा चीन में निर्मित होता है। चीन में पूरे विश्व की लगभग समस्त कम्पनियों ने अपनी विनिर्माण इकाईयां स्थापित की हुई हैं। चीन के सकल घरेलू उत्पाद में विनिर्माण इकाईयों का योगदान 27 प्रतिशत से अधिक हैं। पूरे विश्व में आज उत्पादों के निर्यात के मामले में प्रथम स्थान पर है। विभिन्न उत्पादों का निर्यात चीन की आर्थिक शक्ति का प्रमुख आधार है। सस्ती श्रम लागत के चलते चीन में उत्पादित वस्तुओं की कुल लागत तुलनात्मक रूप से बहुत कम होती है। वर्ष 2024 में चीन का कुल निर्यात 3.57 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक का रहा है।

विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था अर्थात जर्मनी ने पिछले एक वर्ष में 25,000 पेटेंट अर्जित किए हैं। जर्मनी को, ऑटोमोबाइल उद्योग ने, पूरे विश्व में एक नई पहचान दी है। चार पहिया वाहनों के उत्पादन एवं निर्यात के मामले में जर्मनी पूरे विश्व में प्रथम स्थान पर है। जर्मनी में निर्मित चार पहिया वाहनों का 70 प्रतिशत हिस्सा निर्यात होता है। यूरोपीय यूनियन के देशों की सड़कों पर दौड़ने वाली हर तीसरी कार जर्मनी में निर्मित होती है। जर्मनी विश्व का तीसरा सबसे बड़ा निर्यातक देश है, जिसने 2024 में 1.66 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर मूल्य के बराबर राशि के उत्पाद एवं सेवाओं का निर्यात किया था। मुख्य निर्यात वस्तुओं में मोटर वाहनों के अलावा मशीनरी, रसायन और इलेक्ट्रिक उत्पाद शामिल हैं। आज भारत सकल घरेलू उत्पाद के आकार के मामले में विश्व में चौथे पर पहुंच गया है परंतु भारत को प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के मामले में जबरदस्त सुधार करने की आवश्यकता है। भारत पूरे विश्व में आध्यात्म के मामले में सबसे आगे है अतः भारत को धार्मिक पर्यटन को सबसे तेज गति से आगे बढ़ाते हुए युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर निर्मित करने चाहिए जिससे नागरिकों की आय में वृद्धि करना आसान हो।

आपातकाल- लोकतंत्र का काला अध्याय

आंतरिक अशांति का बहाना बनाकर 25 जून 1975 की आधी रात को देश पर थोपे गए 'आपातकाल' को 50 वर्ष पूरे हो रहे हैं। भारत की जनता ने तब तानाशाही के विरुद्ध स्वकतंत्रता की एक और लड़ाई लड़ी थी। इस बार लड़ाई अपने ही दिग्भ्रमित सत्तालोलुप नेताओं से थी, जिसमें देश एक बार फि?र विजेता बनकर उभरा था। पिछले कुछ वर्षों से कुछ विपक्षी नेता अक्सर संविधान की प्रति हाथ में लेकर भाषण देते दिखाई देते रहे हैं। बात-बात में संविधान की दुहाई देने का क्रम चल रहा है। भारत के स्वरस्थि और मजबूत लोकतांत्रिक वातावरण में भी 'लोकतंत्र व संविधान बचाने' के लिए सभाओं के प्रहसन चल रहे हैं। आपातकाल के 50 वर्ष पूरे होने पर यह अवसर है जब मुड़कर इतिहास को फिर से देखने की आवश्यकता है।

आपातकाल का निर्णय किसी युद्ध या आंतरिक विद्रोह के कारण नहीं बल्कि एक प्रधानमंत्री के लोकसभा चुनाव रद्द होने और अपनी सत्ता बचाने की हताशा में लिया गया राष्ट्र विरोधी निर्णय था। कांग्रेस पार्टी ने आपातकाल के इस क्रूरकाल में न केवल संवैधानिक ढांचे को कुचला बल्कि उसके द्वारा प्रेस की स्वतंत्रता, न्यायपालिका की निष्पक्षता और नागरिकों के मौलिक अधिकारों को भी भंग किया गया।

1971 के आम चुनावों में श्रीमती इंदिरा गांधी ने रायबरेली से जीत तो हासिल की लेकिन उनके निकटतम उम्मी दवार राजनारायण ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर चुनाव में भ्रष्टाचार और सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग के आरोप लगाए। इधर देश की अर्थव्यव?था खराब स्थिति में थी। आर्थिक विकास दर केवल 1.2त्न थी। देश का विदेशी मुद्रा भंडार मात्र 1.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर था (आज 640 बिलियन अमेरिकी डॉलर है)। महंगाई चरम पर थी। मुद्रास्फीति की दर 20त्न से भी ज्यादा थी। देश की 50त्न से ज्यादा जनता गरीबी रेखा के नीचे थी और जबरदस्त बेरोजगारी थी। भ्रष्टारचार की हालत ऐसी थी कि लाखों रुपए के घोटाले करने वाले मंत्री एवं सरकार से जुड़े नेताओं की रहस्म्य ढंग से हत्या हो रही थी। बिहार और गुजरात में छात्रों के नेतृत्व में नवनिर्माण आंदोलन चल रहा था। 8 मई 1974 को जॉर्ज फर्नांडि?स के नेतृत्वं में देशव्या पी रेल हड़ताल हो चुकी थी। बिहार, गुजरात में राष्ट्र पति शासन के बाद कांग्रेस चुनाव हार चुकी थी। इस सबसे कांग्रेस की केंद्र सरकार परेशान हो चुकी थी।

12 जून 1975 को न्यायमूर्ति जगमोहन लाल सिन्हा ने अपने निर्णय में इंदिरा गांधी की जीत को अवैध करार दिया और उन्हें 6 साल तक चुनाव लड़ने से प्रतिबंधित कर दिया। इस ऐतिहासिक निर्णय के बाद इंदिरा गांधी प्रधानमंत्री नहीं रह सकती थीं। उनकी कुर्सी को गंभीर राजनीतिक संकट खड़ा हो गया। तेजी से बढ़ती राजनीतिक अस्थिरता से घबराकर इंदिरा गांधी ने आंतरिक अशांति का बहाना बनाकर मंत्रिपरिषद् की अनुसंशा के बगैर ही राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद से अनुच्छेद 352 के तहत देश में आपातकाल लगाने की सिफारिश की, जिसे राष्ट्रपति ने 25 जून 1975 की आधी रात को मंजूरी दे दी।

आज संविधान की प्रतियां हाथ में लहराने का नाटक करने वालों को यह स्मदरण रखना ही होगा कि आपातकाल वास्तथव में भारतीय लोकतांत्रिक व्यहवस्थाण को कुचलने का प्रयास था। यहय संविधान की हत्याा की सोची-समझी रणनीति थी। इंदिरा गांधी ने 'आंतरिक अशांति' की आड़ लेकर संविधान के अनुच्छेद 352 का दुरुपयोग किया। जबकि न तो उस समय बाहरी आक्रमण या युद्ध की स्थिति थी, न विद्रोह ही हुआ था। आपातकाल किसी राष्ट्रीय संकट का परिणाम नहीं था, बल्कि यह एक डरी हुई प्रधानमंत्री की सत्ताा बचाने की जिद थी।

संविधान की शपथ लेकर इंदिरा गांधी देश की प्रधानमंत्री बनी थीं, किन्तु उसी संविधान की आत्मा को कुचलते हुए एक झटके में उन्होंने लोकतंत्र को तानाशाही में बदलकर रख दि?या और पूरी शासन व्य?वस्था को कठपुतली की तरह उपयोग किया। कांग्रेस सरकार ने विधायिका और न्या यपालिका को बंधक बनाकर सत्ता् के आगे घुटने टेकने को विवश कर दिया था। प्रेस की स्वकतंत्रता पर कुठाराघात किया गया। बड़े-बड़े समाचार पत्र संस्थानों की बिजली काट दी गई। समाचार पत्रों के प्रकाशन पर सेंसरशिप लगा दी गई और पत्रकारों को जेल में डाल दिया गया।

21 महीने के आपातकाल का क्रूर समय नागरिकों पर हुए अत्याचारों की दारुण गाथा है। केंद्र के साथ-साथ अधिकतर राज्यों में कांग्रेस की सरकार थी। ऐसे में जहां विरोध में स्वर उठे वहां क्रूरता के साथ दमन किया गया। लोकतंत्र में आस्था रखने वाली हर आवाज को दबाया गया। मीसा जैसे काले कानून में लगभग एक लाख लोगों को बिना किसी सुनवाई के जेलों में डाला गया। जयप्रकाश नारायण, अटलबिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी, राजनाथ सिंह जैसे अनेक वरिष्ठ विपक्षी नेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, पत्रकारों यहां तक कि छात्रों तक को जेल में बंद करा दिया। जेलों में अमानवीय यातनाएं दी गईं। बीमार होने पर दवाएं तक नहीं दी गईं। महिला बंदियों के साथ असम्मानजनक और अमानवीय व्यवहार किया गया। आरएसएस, जनसंघ, एवीबीपी और कई अन्य संगठनों पर प्रतिबंध लगाकर कांग्रेस द्वारा कठोर दमन चक्र चलाया गया। 'इंदिरा इज इंडिया, इंडिया इज इंदिरा' जैसे नारों से आपातकाल के समय में कांग्रेस ने देश को व्यक्ति पूजा और परिवारवाद की प्रयोगशाला बना दिया। किसी भी संवैधानिक पद पर और निर्वाचित जनप्रति?निधि न होने पर भी संजय गांधी देश की नीतियों पर निर्णय ले रहे थे। वह आपातकाल में सत्ता का वास्त?विक केंद्र बन चुके थे। देश के नागरिकों पर आपातकाल थोपने वाली कांग्रेस आज भी इसी परिवारवाद के सीमित सांचे में सिमटकर रह गई है। इंदिरा गांधी की तानाशाही का सबसे भयावह चेहरा यह था कि उन?होंने अपने पुत्र के माध्?यम से सत्ता को वंशवाद की जकड़ में पूरी तरह से कैद कर लिया था। यह सत्ता लोलुपता ही थी कि कांग्रेस ने लोकसभा का कार्यकाल 5 से बढ़ाकर 6 वर्ष कर दिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उस समय साधारण कार्यकर्ता हुआ करते थे और उन्हीं की तरह लाखों स्वयंसेवकों ने आपातकाल विरोधी आंदोलन जारी रखा। रातों-रात रेलों में आपातकाल विरोधी पर्चे बांटे, मीसाबंदियों के परिवारों की देखरेख की, भूमिगत रहते हुए आंदोलन की गति बनाए रखी और कांग्रेस की सच्चायई घर-घर तक पहुंचाई। अंततः जनाक्रोश और नागरिकों के बढ़ते दबाव के कारण जनवरी 1977 में चुनावों की घोषणा हुई और मार्च 1977 में हुए चुनावों में जनता पार्टी को जबरदस्त समर्थन मिला। इंदिरा गांधी स्वयं रायबरेली से चुनाव हार गईं। लोकतंत्र फिर प्रतिष्ठित हुआ। आपातकाल इतिहास की एक राजनीतिक घटना मात्र नहीं हैं, बल्कि उस दूषित मानसिकता का प्रमाण है, जो संविधान और लोकतंत्र को केवल अपनी सत्ता पाने और बचाए रखने के लिए इस्तेमाल करती है। लोकतंत्र के साथ विश्वांसघात करने के बाद भी कांग्रेस ने न तो कभी माफी मांगी और न ही कोई पश्चाताप ही प्रकट किया।

बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने जनता को अधिकार देने के लिए जिस संविधान का निर्माण किया, कांग्रेस ने उसी को हथियार बनाकर जनता के अधिकारों को छीना। स्वतंत्रता के बाद ऐसा पहली बार हुआ जब सरकार ने राष्ट्र के शत्रु नहीं राष्ट्र की जनता को ही बंदी बना लिया। आपातकाल लोकतंत्र का काला अध्याय है। आपातकाल के समय को स्मरण करना इसलिए आवश्यक है, ताकि भविष्य में संविधान और लोकतंत्र को सुरक्षित रखा जा सके, क्योंकि यह प्रत्येक भारतीय का नैतिक दायित्व भी है।

(लेखक भारतीय जनता पार्टी मध्य प्रदेश के प्रदेश संगठन महामंत्री हैं)

न्यूज ब्रीफ

करंट से चाचा की मौत, भतीजे को आई मामूली चोट

इंदौर। इंदौर के नगीन नगर में करंट लगने से एक कारीगर की मौत हो गई। वह अपने भतीजे को लेकर एक स्कूल में एल्यूमीनियम की खिड़की लगाने पहुंचा था। यहां पास से गुजर रहे तार से खिड़की टच हो गई। इस हादसे में भतीजे को मामूली चोट आई है, जबकि चाचा की मौत हो गई। एरोड्रम पुलिस ने बताया कि नगीन नगर स्थित एमबीएस स्कूल में संजय काकरवाल और उनका भतीजा शुभम, निवासी राज नगर, एल्यूमीनियम की खिड़की लगाने गए थे। यहां स्कूल की दूसरी मंजिल पर काम करने के दौरान पास से गुजर रही हाईटेंशन लाइन से एल्यूमीनियम की खिड़की टच हो गई। इस हादसे में संजय काकरवाल नीचे गिर गए। उन्हें पास के अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। भतीजे शुभम ने बताया कि मंगलवार दोपहर दोनों स्कूल में पहुंचे थे। उसके चाचा संजय ने खिड़की पकड़ने की बात की, तब बाहर की तरफ से जा रही लाइन से वह टच हो गई। अचानक करंट लगने से उन्होंने खिड़की छोड़ दी। तब चाचा ने खिड़की गिरने के डर से उसे पकड़ लिया, जिससे उन्हें भी झटका लगा और करंट लग गया। इस दौरान उनकी मौत हो गई। शुभम के मुताबिक, चाचा के परिवार में बड़े भाई, माता-पिता और पत्नी हैं। वह कई सालों से एल्यूमीनियम का काम करते थे। पुलिस ने मामला जांच में लिया है।

अमरनाथ यात्रा लंगर हेतु एक ट्रक खाद्य सामग्री भेजी

इन्दौर। स्थानीय नवलखा चौराहा स्थित मनकामेश्वर कांटाफोड़ शिव मंदिर से अमरनाथ यात्रा मार्ग पर बालटाल पंचरणी लंगर के लिए खाद्य सामग्री का ट्रक रवाना किया गया। मंदिर ट्रस्ट द्वारा अमरनाथ गुफा में स्थापित नंदी स्थापना का एक वर्ष पूर्ण होने पर यात्रा के पहले दिन तीन जुलाई को एक क्विंटल सूखा मेवा प्रसाद के रूप में वितरित भी किया जाएगा। ट्रस्ट की ओर से 200 कंबल भी भेजे हैं। अध्यक्ष विष्णु बिंदल ने बताया कि बाबा अमरनाथ के भक्तों द्वारा 15 दिनों से शहर में लंगर के लिए राशन सामग्री एकत्र करने का अभियान चलाया जा रहा था। जिसे अब भेजा गया है।

26 जून को कलेक्टरर्स कॉन्फ्रेंस

इन्दौर। संभागायुक्त दीपक सिंह 26 जून दोपहर 03.30 बजे गूगल मीट के माध्यम से कलेक्टरर्स कॉन्फ्रेंस करेंगे। कॉन्फ्रेंस में राजस्व एवं विकास कार्यों तथा अन्य विभागों के कार्यों की समीक्षा की जायेगी। इसमें फॉर्मर रजिस्ट्री, स्वामित्व योजना, राजस्व प्रकरणों के अतिरिक्त आरसीएमएस पोर्टल, लोक सेवा गारंटी के प्रकरणों का निराकरण, सी.एम. हेल्पलाईन, वृक्षारोपण की तैयारी, ई-ऑफिस संचालन की तैयारियों के संबंध में चर्चा तथा अतिवर्षा एवं बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिये पूर्व तैयारियों की समीक्षा करेंगे। वहीं आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान, पीएम जल जीवन मिशन तथा पीएम मातृ वंदना योजना पर भी चर्चा होगी।

कलेक्टर ने आमजन से रूबरू होकर सुनी समस्याएं

इन्दौर। कलेक्टर कार्यालय में सम्पन्न हुई जनसुनवाई में कलेक्टर आशीष सिंह ने बड़ी संख्या में नागरिकों से रूबरू होकर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना और उनका संवेदनशीलता के साथ हाथों-हाथ निराकरण किया। ऐसी समस्याएं जो मौके पर निराकृत नहीं हो सकी, उनके निराकरण के लिए समय-सीमा तय की गई। प्रति मंगलवार की तरह इस मंगलवार भी कलेक्टर कार्यालय में जनसुनवाई सम्पन्न हुई। जनसुनवाई में आवास, संपत्ति, पारिवारिक विवाद, चेक बाउंस, निजी भूमि पर अतिक्रमण, बीमार व्यक्ति को आर्थिक सहायता आदि संबंध में आवेदन आयें। जनसुनवाई में प्रकरणों का मौके पर ही निराकरण किया। शेष प्रकरणों को तय समय-सीमा में निराकृत करने हेतु निर्देशित किया गया।

सरकार खरीदेगी 3.51 मीट्रिक टन मूंग, केन्द्र ने दी मंजूरी

खरीद व्यवस्था ठीक हो, ताकि बिचौलियों की सक्रियता कम हो-शिवराज सिंह चौहान

भोपाल

मध्यप्रदेश में मूंग खरीदी शुरू न होने से किसान आंदोलित थे। कांग्रेस भी इस मामले में लगातार सरकार के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाए हुए थी। अब केन्द्र सरकार ने मप्र में 3 लाख 51 हजार मीट्रिक टन मूंग खरीदी की मंजूरी दी है। केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मूंग, उड़द की मूल्य समर्थन योजना के तहत खरीद करने की बात कही है। शिवराज ने एमपी और यूपी के कृषि मंत्रियों के साथ वर्चुअल मीटिंग कर खरीदी के मामले पर चर्चा की। बैठक में मध्य प्रदेश के कृषि मंत्री एदल सिंह कंषाना, उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, केंद्रीय कृषि सचिव देवेश चतुर्वेदी व अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। शिवराज ने खरीद से संबंधित व्यवस्थाओं को लेकर राज्य के कृषि मंत्रियों और नेफेड, एनसीसीएफ व राज्य के संबंधित अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए।

पीएसएस योजना से होगी मूंग-उड़द की खरीद

मध्य प्रदेश के लिए राज्य सरकार से मिले प्रस्ताव पर केन्द्रीय कृषि मंत्रालय और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राज्य सरकार और अन्य हितधारकों के साथ बैठक के बाद मूल्य समर्थन योजना (पीएसएस) के तहत मप्र में ग्रीष्मकालीन मूंग, ग्रीष्मकालीन उड़द खरीद करने की मंजूरी प्रदान की है।

मूंग खरीदी से केन्द्र पर आएगा बड़ा वित्तीय भार

शिवराज सिंह ने बैठक में कहा कि मूंग और उड़द की खरीद के फैसले से केंद्र सरकार को बड़ा वित्तीय भार वहन करना पड़ेगा, लेकिन बावजूद इसके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किसान हित में सरकार किसानों तक लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह बोले- खरीद सही तरीके से हो

शिवराज ने कहा कि यह बहुत जरूरी है कि खरीद

सही तरीके से हो। किसानों से सीधे खरीद से ही बिचौलियों की सक्रियता कम होगी और लाभ सही मायनों में किसान तक पहुंच पाएगा। अधिकारियों को दिशा-निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि आधुनिकतम व कारगर प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल के साथ किसानों के पंजीकरण की उचित व्यवस्थाएं की जाएं। आवश्यकता हो तो खरीद केंद्रों की संख्या में भी इजाफा करें व उचित और पारदर्शी व्यवस्था के साथ खरीद सुनिश्चित करें।

भंडारण को लेकर मिली शिकायतों पर चिंता जताई

शिवराज सिंह चौहान ने भंडारण को लेकर मिल रही अनियमितताओं की शिकायत को लेकर चिंता व्यक्त की और अधिकारियों व कृषि मंत्रियों को इस दिशा में ठोस कदम उठाने के प्रयास करने की बात कही। शिवराज सिंह ने उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री से कहा कि केंद्र सरकार किसानों के हित में हरसंभव काम करेगी।

दिग्विजय सिंह ने लिखा लेटर- मूंग खरीदी सही प्रक्रिया से हो

मंगलवार की सुबह पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने मप्र के सीएम डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर मूंग खरीदी की प्रक्रिया को सही तरीके से लागू करने की मांग की है।

दिग्विजय ने अपने पत्र में लिखा-

मैंने 12 मई को पत्र लिखकर आपको पहले अवगत कराया था कि मप्र में इस साल (2025) में करीब साढ़े 14 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में मूंग की बुवाई की गई है। मप्र में 20-21 लाख टन मूंग उत्पादन की संभावना बताई गई थी। राज्य की तरफ से केंद्र को खरीदी करने के लिए प्रस्ताव भेजने, गिरदावरी और पंजीयन करने और खरीदी की व्यवस्था में सुधार का उल्लेख किया था, इसके बावजूद राज्य सरकार के एपीसी द्वारा मूंग में वीडिसाइड पाए जाने का हवाला देते हुए स्क्रैप पर खरीदी से इनकार किया गया, जो कि न केवल अव्यावहारिक था, बल्कि किसानों के हितों के प्रतिकूल भी था। इसके कारण बाजार में मूंग के दामों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई थी।

दिग्विजय ने आगे लिखा- इस असंवेदनशील निर्णय के खिलाफ 32 से ज्यादा मूंग उत्पादक जिलों के किसान, किसान संगठन एवं कांग्रेस पार्टी द्वारा व्यापक स्तर पर विरोध-प्रदर्शन किया गया, जिसके बाद अंततः राज्य सरकार द्वारा मूंग की MSP पर खरीदी की घोषणा की गई। मैं इस फैसले का स्वागत करते खरीदी प्रक्रिया को लेकर सुझाव दे रहा हूं।

दिग्गी के सरकार को सुझाव

उपार्जन की स्पष्टता- राज्य सरकार द्वारा प्रेसवार्ता में यह कहा गया कि पूर्व घोषित 25 प्रतिशत के स्थान पर अब 40 प्रतिशत उपज की खरीदी की जाएगी। लेकिन, अब तक न तो इस संबंध में किसी आधिकारिक आदेश की प्रति सार्वजनिक की गई है, न ही केंद्र सरकार से अनुमोदित कुल उपार्जन सीमा के बारे में स्पष्टता दी गई है। कृपया स्पष्ट किया जाए कि प्रति एकड़ कितनी उपज की खरीदी की जाएगी।

न्यायोचित आर्थिक सहायता- जिन किसानों को मूंग को बाजार में कम दर पर बेचने को विवश होना पड़ा, उन्हें मंडी के आंकड़ों के आधार पर आर्थिक अंतर भरपाई प्रदान की जाए।

पंजीयन पोर्टल की तकनीकी समस्याएं- पंजीयन पोर्टल बार-बार ठप हो रहा है। जिससे किसान पंजीयन नहीं कर पा रहे हैं। सर्वर को तत्काल दुरुस्त किया जाए और अतिरिक्त आईटी संसाधनों की व्यवस्था की जाए।

गिरदावरी न होने की स्थिति में व्यवस्था- जिन किसानों की गिरदावरी नहीं हुई है या जिनके खसरे पंजीयन पोर्टल पर प्रदर्शित नहीं हो रहे, उनके लिए संबंधित पटवारियों को अधिकृत कर तुरंत सुधार एवं पंजीयन की अनुमति दी जाए।

पूर्ण मात्रा की एकमुश्त खरीदी- किसानों की उपज को निर्धारित सीमा तक एक बार में खरीदा जाए, बार-बार बुलाए जाने से किसानों को परिवहन और समय की दोहरी क्षति होती है।

गुणवत्ता जांच में पारदर्शिता- योग्य, प्रशिक्षित एवं निष्पक्ष सर्वेयरों की नियुक्ति की जाए ताकि उपज की गुणवत्ता जांच पारदर्शी हो और अतीत की तरह किसानों का शोषण न हो।

तुलाई व्यवस्था में सुधार- खरीद केंद्रों पर तुलाई के लिए लंबी प्रतीक्षा पंक्तियां न लगें, इसके लिए समुचित मानव संसाधन एवं मशीनीकरण की व्यवस्था की जाए।

बिक्री केंद्रों पर मूलभूत सुविधाएं- बरसात के मौसम को देखते हुए, खरीदी केंद्रों पर किसानों के बैठने, ठहरने एवं उपज को सुरक्षित रखने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

खरीदी केंद्रों की संख्या में वृद्धि- किसानों की सुविधा के लिए खरीदी केंद्रों की संख्या को यथासंभव बढ़ाया जाए ताकि क्षेत्रीय भीड़-भाड़ कम हो और समयबद्ध खरीदी सुनिश्चित हो सके।

एमपीईबी की बोलेरो पर पथरावः दो बदमाशों ने कर्मचारियों से की मारपीट

इंदौर

इंदौर के द्वारकापुरी इलाके में दो बदमाशों ने विद्युत संधारण कार्य में लगी एमपीईबी की जीप पर पथराव कर कांच तोड़ दिए और मारपीट की। पुलिस ने दोनों आरोपियों एमओजी लाइन निवासी आदित्य मुवेल और प्रजापत नगर निवासी सुनील किरादिया के खिलाफ मारपीट, तोड़फोड़ और अवैध वसूली का प्रकरण दर्ज किया है। सोमवार रात दोनों को गिरफ्तार कर लिया और उन्हीं से कार में हुई तोड़फोड़ के नुकसान की भरपाई कराई। टीआई सुशील पटेल ने बताया कि सी-सेक्टर ऋषि पैलेस निवासी सुरेश पुत्र भंवर सिंह चौहान ने आदित्य पुत्र भगढ़ सिंह मुवेल और सुनील पुत्र धनसिंह किरादिया के खिलाफ शिकायत की थी। सुरेश ने बताया कि बिजली संबंधी शिकायत पर वे गुरुशंकर नगर गए थे। लाल बाउंड्री गेट के पास बोलेरो नंबर MP09-ZR-8090 खड़ी कर सुधार कार्य किया। इसके बाद जोन ऑफिस लौटने ही वाले थे, तभी सुनील और आदित्य बोलेरो के पास आए और शंकर नाम के व्यक्ति का पता पूछने लगे। सुरेश ने कहा कि वह किसी शंकर को नहीं जानता, तो उसकी जेब में हाथ डाल दिया। जिसका विरोध करने पर सुनील और आदित्य ने मारपीट शुरू कर दी। अन्य कर्मचारी उमेश और ड्राइवर बांके भी साथ थे। उन्होंने बचाने आए तो उन्हें भी पीटा। आरोपियों ने ईंट एवं पत्थर उठाकर गाड़ी के कांच पर दे मारे। जिससे कांट टूट गया। मौके से जाते हुए उन्होंने जान से मारने की धमकी भी दी। टीआई ने बताया कि रात 1 बजे घटना की सूचना पुलिस को मिली, टीम को मौके पर भेजा, लेकिन तब तक आरोपी फरार हो गए थे।

सहपाठी कर रहा था परेशान, पुलिस ने दर्ज किया मामला

इंस्ट्राग्राम पर फर्जी आईडी बनाकर किए कमेंट्स, कॉलेज में छात्रा से की मारपीट

इंदौर

बाणगंगा पुलिस ने एक निजी कॉलेज में पढ़ने वाली छात्रा की शिकायत पर सहपाठी छात्र हितव जैन के खिलाफ छेड़छाड़, धमकी देने और अश्लील हरकत के आरोप में मामला दर्ज किया है। आरोपी छात्र पर आरोप है कि वह लंबे समय से छात्रा को परेशान कर रहा था और धमकियां भी दे रहा था। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। जल्द ही छात्र की गिरफ्तारी की जाएगी। पुलिस के अनुसार, सांवेर रोड स्थित एक निजी कॉलेज में पढ़ने वाली छात्रा ने शिकायत में बताया कि वह और हितव जैन एक ही कक्षा में पढ़ते हैं। इस कारण शुरुआत में हितव से बातचीत होने लगी। बाद में दोनों के बीच दोस्ती हो गई, लेकिन पिछले कुछ महीनों से हितव का व्यवहार बदल गया। वह छात्रा को किसी अन्य लड़के से बात करते देख नाराज हो जाता, गाली-गलौज करता और कई बार मारपीट की कोशिश भी की।

रास्ता रोककर धमकी देता था हितव

जनवरी 2025 में छात्रा ने उससे बात करना बंद कर दिया और उसका नंबर ब्लॉक कर दिया। मार्च में परीक्षा से पहले हितव ने फिर से उसे परेशान करना शुरू कर दिया। वह रास्ता रोककर धमकियां देने लगा। जब छात्रा ने कॉलेज प्रशासन से शिकायत की तो हितव ने माफी मांग ली, लेकिन फिर भी उसकी हरकतें नहीं रुकीं।

फर्जी आईडी बनाकर किए कमेंट्स

छात्रा के अनुसार, हितव ने इंस्टाग्राम पर अलग-अलग फर्जी आईडी बनाई और कमेंट्स एवं मैसेज करने लगा। 5 मई को क्लास में लेक्चर चल रहा था, तभी हितव आया और उसने छात्रा को बाहर बुलाकर उसका हाथ पकड़ लिया। इस दौरान उसने गाली-गलौज करते हुए कहा कि वह उसका नंबर अनब्लॉक करे। साथ ही धमकी दी कि अगर उसने किसी और से बात की तो वह उसकी हत्या कर देगा। छात्रा ने इस घटना की जानकारी एचओडी और अपने पिता को दी, जिसके बाद सोमवार को बाणगंगा थाने पहुंच मामला दर्ज कराया गया।

लिव इन में रह रही युवती ने साथ छोड़ाः डिलेवरी बॉय ने जहर खाकर दोस्त को किया फोन, अस्पताल में मौत

इंदौर

राजेन्द्र नगर क्षेत्र के भीमनगर में रहने वाले 24 वर्षीय सुनील धुनधाड़े ने सोमवार को जहर खा लिया। तबीयत बिगड़ने पर उसने दोस्त विकास को फोन किया, जिसने उसे एमवाय अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान सुनील की मौत हो गई। अस्पताल ले जाते समय सुनील ने दोस्त को दिव्या से बात होने के बारे में बताया, जो लिव इन में रह रही थी और दो माह पहले विवाद के चलते छोड़कर चली गई थी। संयोगितागंज पुलिस ने शव पोस्ट मार्टम के लिए भिजवा दिया है। वहीं मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि सुनील अपने भाई के ऑफिस में पार्सल डिलेवरी का काम करता था। उसने अस्पताल जाते हुए दोस्त विकास को महिला दिव्या के बारे में बताया था। वहीं विकास ने

बताया कि सुनील की नजदीकी तलाकशुदा महिला दिव्या से बढ़ी और वे लिव इन में रहने लगे। सुनील ने गृहस्थी का पूरा सामान खरीदा और परिवार से अलग महिला के साथ रहने लगा था। दो माह पहले सुनील और दिव्या के बीच कहासुनी हुई और दिव्या उसे छोड़कर चली गई। तब से सुनील तनाव में रहने लगा। सोमवार को भी सुनील ने दिव्या से फोन पर बात की और मैसेज किया था।

पारिवारिक विवाद में व्यापारी ने खाया जहर

सिमरोल के दातोदा में रहने वाले हाट बाजार व्यापारी 25 वर्षीय नारायण पुत्र मनसुख लाल कसेरा ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली। बताया जाता है कि परिवार में कहासुनी के चलते उसने यह कदम उठाया। उसका भाई गोलू उसे उपचार के लिए एमवाय लेकर पहुंचा। जहां उसकी मौत हो गई। पुलिस मामले में जांच कर रही है। परिवार ने बताया कि सोमवार शाम नारायण ने जहर खाया था। उसे नजदीक में स्थित दो निजी अस्पताल लेकर गए। जहां से डॉक्टरों ने उसे एमवाय अस्पताल भेज दिया। यहां उसकी मौत हो गई। दोस्तों के मुताबिक परिवार में किसी बात को लेकर आपसी कहासुनी हुई थी। इसके बाद नारायण की मां ने उसकी पत्नी को मायके भेज दिया। नारायण की शादी को करीब 4 साल हो गए। वह हाट बाजार में व्यापार करता था।

भारत गौरव यात्रा में इंदौर के यात्री हुए परेशानः गलत हेलीपैड पर छोड़ा; होटल में लिफ्ट नहीं, तीसरी मंजिल तक हांफते हुए पहुंचे सीनियर सिटीजन्स

इंदौर

इंडियन रेलवे केटरिंग एण्ड टूरिस्ट कॉर्पोरेशन (IRCTC) की भारत गौरव यात्रा में इंदौर के यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। उन्हें केदारनाथ हेलिकॉप्टर सेवा के नाम पर गलत हेलीपैड पर छोड़ा गया और बगैर लिफ्ट की होटल में ठहराया गया। जिससे खासकर सीनियर सिटीजन काफी परेशान हुए। उन्हें सामान लेकर हांफते हुए ऊपर चढ़ना पड़ा। इसकी शिकायत कार्पोरेशन से की गई है। आईआरसीटीसी ने 7 से 15 जून तक भारत गौरव यात्रा (केदारनाथ और बद्रीनाथ टूर) का आयोजन किया है। इंदौर निवासी सौरभ मिश्रा, उनके माता-पिता और नजदीकी रिश्तेदार इस यात्रा में केदारनाथ और बद्रीनाथ गए हैं। उन्होंने इस यात्रा को इसलिए चुना क्योंकि इसमें केदारनाथ के लिए हेलिकॉप्टर सेवा शामिल थी, जो सीनियर सिटीजन को अच्छी लगी। सौरभ मिश्रा बताते हैं कि रानी कमलापति स्टेशन से 7 जून को शुरू हुई ट्रेन यात्रा आरामदायक रही और उसमें भोजन या स्वच्छता को लेकर कोई शिकायत नहीं रही। उसके बाद का अनुभव अत्यंत पीड़ादायक रहा। यात्री ने होटल व्यवस्था में लापरवाही

बरतने और IRCTC के टूर मैनेजर अभय परिहार और भानु प्रकाश पर असंवेदनशील व्यवहार का आरोप लगाया। परिवार का कहना है कि ऋषिकेश में 8 जून को उन्हें अनंत इन होटल दिया गया। इसमें पार्किंग की व्यवस्था नहीं थी। इससे सीनियर सिटीजन को 300-500 मीटर तक सामान ले जाना पड़ा।

गैरिज में तैयार हुआ भोजन

आरोप है कि होटल लॉज जैसा था। इसमें गंदे कमरे, मैले बिस्तर, खराब एसी था। जो भोजन दिया गया वह एक गैरिज में तैयार किया था। होटल में पर्याप्त स्टाफ नहीं था और स्थानीय पुलिस बसों को हटाने के लिए दबाव बना रही थी। इससे काफी परेशानी झेलनी पड़ी।

भोजन डेढ़ किमी दूर ऊंचाई पर

रुद्रप्रयाग में होटल सूरि में हमें तीसरी मंजिल का कमरा दिया, जबकि पहले ही बताया गया था कि माता-पिता को घुटनों की समस्या और चलने में कठिनाई है और होटल में लिफ्ट नहीं थी। यहां भोजन की व्यवस्था होटल ज्वालपा इन (1.5 किमी दूर, ऊंचाई पर चढ़ाई) में की गई थी, जो वरिष्ठ नागरिकों के लिए मुश्किलों भरा रहा। पीड़ित यात्रियों का आरोप है कि 10 जून को बद्रीनाथ में वीआईपी दर्शन की सुविधा के बारे में हमें कोई जानकारी नहीं दी गई। कुछ यात्रियों ने 2500 रुपए देकर वीआईपी प्रवेश लिया, जबकि हमें भ्रमित किया गया और सामान्य कतार में लगा दिया। मंदिर बंद होने के कारण दर्शन में देरी हुई। इसके साथ ही मैनेजर अभय परिहार ने दर्व्यवहार किया।

हेलीपैड चालू ही नहीं था, 3 किमी पैदल चलना पड़ा

11 जून को केदारनाथ की यात्रा पर जाना था। रात 2 बजे रुद्रप्रयाग से रवाना किया गया। सभी को गलत हेलीपैड (केस्ट्रेल सिरसी) पर छोड़ दिया। यहां काफी देर तक कोई सहायता नहीं मिली। बाद में बताया कि वह हेलीपैड चालू ही नहीं था। समन्वय की कमी के कारण हमें तीन अलग-अलग हेलीपैड पर घुमाया। आखिरी में 3 किमी की चढ़ाई पैदल करनी पड़ी, क्योंकि कोई टैक्सी या बस नहीं थी। यात्रियों को ढाई हजार खर्च कर प्राइवेट टैक्सी लेनी पड़ी। देरी और मौसम के कारण हेलिकॉप्टर टिकट रद्द हो गया और केदारनाथ दर्शन नहीं कर पाए। दोपहर में सेवाएं फिर शुरू होने पर भी टिकट फिर से जारी नहीं किए गए।

अनुशासनात्मक कार्यवाही की मांग

इन यात्रियों ने इंदौर लौटने के बाद यात्रा के दौरान हुई मानसिक पीड़ा, आर्थिक नुकसान और अपमान की शिकायत IRCTC से की। उन्होंने लापरवाही और असंवेदनशील व्यवहार के लिए मैनेजर अभय परिहार और भानु प्रकाश के विरुद्ध कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग की है। साथ ही अव्यवस्था के कारण खुद के खर्च हुए 4 हजार रुपए और सीनियर सिटीजन के लिए सुरक्षित और सम्मानजनक तीर्थ यात्रा न कर पाने के कारण टूर पैकेज का 50 प्रतिशत मुआवजा देने की मांग की है। मौसम खराब होने के कारण केदारनाथ में सभी को परेशानी हुई थी।

इंदौर-उज्जैन मेट्रो के लिए 20 हेक्टेयर में बनेगा डिपोः

मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन कर रहा सरकारी जमीन की तलाश

इंदौर

इंदौर से उज्जैन तक के सफर को आसान बनाने के लिए इंदौर-उज्जैन मेट्रो प्रोजेक्ट का काम तेज हो गया है। मप्र मेट्रो रेल कार्पोरेशन डिपो बनाने के लिए 20 हेक्टेयर (49.7 एकड़) भूमि तलाश रहा है। इंदौर और उज्जैन के आसपास इतनी सरकारी भूमि मिलने में दिक्कत है, इसलिए सांवेर के पास रेवती में जमीन मांगी गई है। कार्पोरेशन निजी भूमि भी तलाश रहा है पर प्राथमिकता सरकारी भूमि है। कार्पोरेशन को निजी की तुलना में सरकारी भूमि लेना आसान होगा। सरकार यहां दूसरे विभाग की भूमि कार्पोरेशन को आवंटित कर सकती है और संबंधित विभाग को दूसरे स्थान पर भूमि आवंटित कर सकती है। जबकि निजी भूमि लेने के लिए लंबी प्रक्रिया है। सबसे पहले तो इतनी भूमि कई किसानों की जमीन को मिलाकर होगी, जिनसे सहमति लेने में देरी होगी। फिर मुआवजा प्रक्रिया से भी गुजरना पड़ेगा। जिससे प्रोजेक्ट में देरी हो

सकती है। कार्पोरेशन के अधिकारियों का कहना है कि डिपो के लिए भूमि की तलाश जारी है, जो रेवती के पास मांगी गई है।

एलिवेटेड और अंडरग्राउंड रहेगी मेट्रो

कार्पोरेशन सूत्रों के अनुसार इंदौर-उज्जैन रोड पर मेट्रो को एलिवेटेड रखा जाएगा। इसके लिए सड़क के बीच स्थित डिवाइडर पर मेट्रो के पिलर खड़े किए जाएंगे। वहीं नानाखेड़ा से उज्जैन रेलवे स्टेशन तक मेट्रो अंडर ग्राउंड रहेगी। हालांकि कितने किमी का कितना हिस्सा एलिवेटेड रहेगा और कितना अंडरग्राउंड रहेगा, यह डीपीआर तैयार होने के बाद ही पता चलेगा।

दिल्ली मेट्रो के अधिकारी बना रहे डीपीआर

इंदौर-उज्जैन मेट्रो लिए डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) बनाने का काम दिल्ली मेट्रो के अधिकारी कर रहे हैं। यह रिपोर्ट जुलाई-अगस्त तक बनकर तैयार हो जाएगी। रिपोर्ट में प्रोजेक्ट कॉस्ट, फंड व्यवस्था, रूट अलाइनमेंट, डिपो निर्माण, स्टेशन, अंडर ग्राउंड रूट सहित अन्य व्यवस्थाओं को लेकर विस्तार से काम किया जा रहा है। इस पर करीब 10 हजार करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान है।

135 किमी की रफ्तार से दौड़ेगी मेट्रो

इंदौर व उज्जैन के बीच हाइब्रिड मोड में मेट्रो का संचालन किया जाएगा। यह 135 किलोमीटर प्रतिघंटा की गति से चलेगी। वर्तमान में दिल्ली एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन में इस तरह हाइब्रिड मोड में मेट्रो का संचालन किया जा रहा है। पूर्व में सिंहस्थ के पहले इंदौर से उज्जैन के बीच मेट्रो चलाने की योजना बनाई जा रही थी, लेकिन 10 हजार करोड़ रुपए का बजट जुटाना राज्य शासन के लिए आसान नहीं है।

आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ पर प्रेस वार्ता संपन्न

सक्ती

भारतीय जनतापार्टी जिला सक्ती द्वारा प्रेस वार्ता आयोजित की गई मुख्य वक्ता श्री राजा पांडे जी रहे राजा पांडे जी ने कहा कि 25 जून 1975 की आधी रात को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने आंतरिक अशांति का बहाना बनाकर भारत पर आपातकाल थोप दिया। यह निर्णय किसी युद्ध या विद्रोह के कारण नहीं, बल्कि अपने चुनाव को रद्द किए जाने और सत्ता बचाने की हताशा में लिया गया था।आज 50 वर्ष बाद भी कांग्रेस उसी मानसिकता के साथ चल रही है, आज भी सिर्फ तरीकों का बदलाव हुआ है, नीयत आज भी वैसी ही तानाशाही वाली है। मार्च 1971 में लोकसभा चुनाव में भारी बहुमत से जीतने के बावजूद इंदिरा गांधी की वैधानिकता को चुनौती मिली। उनके विपक्षी उम्मीदवार राज नारायण ने इलाहाबाद हाई कोर्ट में चुनाव को भ्रष्ट आचरण और सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग के आधार पर चुनौती दी। देश की अर्थव्यवस्था मंदी के दौर से गुजर रही थी, जिससे जनता में असंतोष बढ़ता जा रहा था। देश पहले से ही आर्थिक बदहाली, महंगाई और खाद्यान्न संकट से जूझ रहा था। बिहार और गुजरात में छात्रों के नेतृत्व में नव निर्माण आंदोलन खड़ा हो चुका था। 8 मई 1974 को जॉर्ज फर्नांडिस के नेतृत्व में ऐतिहासिक रेल हड़ताल ने पूरे देश को जकड़ लिया। इस आंदोलन को रोकने के लिए 1974 में

गुजरात में इंदिरा गांधी ने राष्ट्रपति शासन लगा दिया। यही राष्ट्रपति शासन 1975 में लगने वाले आपातकाल की एक शुरुआत था।

इसके साथ ही बिहार में कांग्रेस सरकार के खिलाफ असंतोष बढ़ने लगा और 1975 में हुए गुजरात विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को करारी हार का सामना करना पड़ा। 12 जून 1975 को कोर्ट ने इंदिरा गांधी को चुनाव ने दोषी ठहराया और उन्हें 6 वर्षों तक किसी भी निर्वाचित पद पर रहने से अयोग्य करार दिया। इसके बाद राजनीतिक अस्थिरता तेजी से बढ़ी 1975 में आपातकाल की घोषणा कोई राष्ट्रीय संकट का नतीजा नहीं थी, बल्कि यह एक डरी हुई प्रधानमंत्री की सत्ता बचाने की रणनीति थी, जिसे न्यायपालिका से मिली चुनौती से बौखला कर थोपा गया।इंदिरा गांधी ने %आंतरिक अशांति% की आड़ लेकर अनुच्छेद 352 का दुरुपयोग किथा, जबकि न उस समय कोई युद्ध की स्थिति थी, न विद्रोह और न ही कोई बाहरी आक्रमण हुआ, यह सिर्फ इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा इंदिरा की चुनावी सदस्यता रद्द करने के निर्णय को निष्क्रिय करने और अपनी कुर्सी को बचाने की जिद में कांग्रेस सरकार ने कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका सहित लोकतंत्र के तीनों स्तंभों की बंधक बनाकर सत्ता के आगे घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया था। प्रेस की स्वतंत्रता पर ऐसा हमला हुआ कि बड़े-बड़े अखबारों की बिजली काट दी गई, सेंसरशिप लगाई गई और पत्रकारों को जेल में डाल दिया गया। आज भी कांग्रेस शासित राज्यों में कानून व्यवस्था का हाल यह है कि वहां विरोध का दमन, धार्मिक तुष्टीकरण और सत्ता का अहंकार खुलेआम दिखता है। यह सब आपातकालीन सोच की ही उपज है।इंदिरा इज इंडिया एंड इंडिया इज इंदिरा% जैसे नारे कांग्रेस की उस मानसिकता को दशाते थे जिसके तहत इंदिरा गांधी ने देश को व्यक्ति-पूजा और परिवारवाद की प्रयोगशाला बना दिया था। राजा पांडे जी ने कहा कि आपातकाल के दौरान एक परिवार को संविधान से ऊपर रखने वाली कांग्रेस आज भी %राहुल-प्रियंका% के इर्द-गिर्द सिमटी हुई है और सत्ता की चाबी अब भी सिर्फ खानदानी जेब में रखी जाती है। विपक्षी गठबंधन की बैठकें आज भी कांग्रेस अध्यक्ष के घर होती हैं और यह बताने के लिए काफी है कि %तंत्र% आज भी परिवार के चरणों में समर्पित है। लोकतंत्र पर हुए आघात पर एक बड़ी चोट संजय गांधी का नीतियों पर निर्णय लेना भी था। एक निर्वाचित और किसी भी संवैधानिक पद पर न रहा व्यक्ति देश की नीतियों पर निर्णय लेने लगा, जो आपातकाल में कांग्रेस की अघोषित सत्ता का असली केंद्र बन चुका था।इंदिरा गांधी ने मीसा जैसे काले कानूनों के जरिए एक लाख से अधिक नागरिकों को बिना किसी मुकदमे के जेलों में ठूंस दिया, जिनमें श्री जयप्रकाश नारायण, श्री अटल बिहारी वाजपेयी, श्री लाल कृष्ण आडवाणी, श्री मुरली मनोहर जोशी और श्री राजनाथ सिंह सहित तमाम वरिष्ठ विपक्षी नेता, पत्रकार तो शामिल थे ही, लेकिन कांग्रेस शासन ने छात्रों तक को जेल में सड़ने पर मजबूर कर दिया था।आपाताकाल के इस काले दौर में कांग्रेस ने न्यायपालिका पर कभी न भरने वाले घाव किए। इंदिरा गांधी ने जस्टिस एच.आर. खन्ना जैसे ईमानदार जज को सीनियर होने के बावजूद मुख्य न्यायाधीश नहीं बनाया, क्योंकि उन्होंने सरकार के खिलाफ फैसला सुनाया था।इंदिरा गांधी ने अपनी सत्ता को महफूज रखने के लिए संविधान में 39वां और 42वां जैसा क्रूर और अलोकतांत्रिक संशोधन किया जिसके तहत प्रधानमंत्री और अन्य शीर्ष पदों को न्यायिक समीक्षा से परे कर दिया, इंदिरा गांधी की सरकार ने 38वें संशोधन के तहत आपातकाल की घोषणा को न्यायपालिका की जांच से बाहर कर दिया, इन मनमाने संशोधनों के तहत इंदिरा गांधी ने सीधे-सीधे तानाशाही के लिए रास्ता खोल दिया था। एडीएम जबलपुर बनाम शिवकांत शुक्ला मामले में सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई के दौरान कांग्रेस सरकार ने स्पष्ट रूप से कहा था कि आपातकाल के दौरान यदि किसी नागरिक को गोली मार दी जाए, तब भी उसे अदालत में जाने का अधिकार नहीं है इस केस में जस्टिस एच. आर. खन्ना अकेले जज थे जिन्होंने सरकार के खिलाफ निर्णय दिया और इसी कारण इंदिरा गांधी ने उन्हें सजा स्वरूप मुख्य न्यायाधीश नहीं बनने दिया था।गरीबों के लिए सामाजिक न्याय की लड़ाई लड़ने का नाटक रच रहे राहुल गांधी यह कैसे भूल जाते हैं कि उनकी दादी इंदिरा ने दिल्ली की तुर्कमान गेट पर अपने घरों को बचाने के लिए गुहार लगाने वाले गरीबों पर गोलिया चलवाई थी।आपातकाल की जांच के लिए गठित शाह आयोग ने 6 अगस्त 1978 को अपनी फाइनल रिपोर्ट में साफ लिखा था।

चौकी कनकबीरा के नये भवन निर्माण हेतु किया गया भूमिपूजन

सक्ती

पुलिस चौकी कनकवीरा का नवीन चौकी भवन निर्माण हेतु आज दिनांक 24.6.2025 को पुलिस अधीक्षक सारंगढ़ श्री आँजनेय वार्ष्णेय के द्वारा विधि विधान से भूमि पूजन किया गया जिसमें अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती निमिषा पांडे एसडीओपी सारंगढ़ श्रीमती स्नेहिल साहू डीएसपी मुख्यालय अविनाश मिश्रा, रक्षित निरीक्षक जितेंद्र चंद्रा,थाना प्रभारी सारंगढ़ निरीक्षक कामिल हक , चौकी प्रभारी सहायक उप निरीक्षक टीकाराम खटकर एवं स्टाफ तथा ग्राम पंचायत कनकबीरा के सरपंच, गणमान्य नागरिक रामकुमार थूरिया, खीरसागर पटेल, जितेंद्र गुप्ता, ठेकेदार दयानन्द बौद्ध उपस्थित रहे

सड़क में परिवहन करने पर केजव्हीलयुक्त ट्रैक्टर पर हुई कार्यवाही

सक्ती

सारंगढ़ बिलाईगढ़ कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी डॉ संजय कन्नौजे के निर्देश पर सरिया तहसीलदार कोमल साहू ने सड़क में केज व्हील युक्त पहिया का उपयोग करने पर कार्यवाही किया है। ट्रैक्टर मालिक राकेश पिता बाबूलाल के ट्रैक्टर को सरिया तहसील के ग्राम मानिकपुर बड़े के सड़क में डबल केज व्हील युक्त पहिया का उपयोग किया गया, जिसके विरुद्ध राजस्व और पुलिस विभाग के अधिकारी कर्मचारी ने यह कार्यवाही की। पिछले साल इसी मार्ग की सड़क बहुत खराब था, जिसे पिछले छह माह में बनाया गया है। ऐसे केज व्हील पहिया वाहन से सड़क जल्दी खराब हो जाता है। ऐसे दोषी वाहन चालकों के विरुद्ध कार्यवाही कलेक्टर डॉ कन्नौजे की निगरानी में निरंतर की जाएगी।

ऐसा प्रबंधन करें कि सड़कों पर न दिखे मवेशी: कलेक्टर खाद-बीज उठाने में किसानों को न हो कोई परेशानी

अवैध तरीके से सरकारी जमीन हथियाने वालों के विरूद्ध करें एफआईआर

कलेक्टर ने टीएल बैठक में की फ्लैगशीप योजनाओं की समीक्षा

बिलासपुर, 24 जून 2025/ कलेक्टर संजय अग्रवाल ने कहा है कि बारिश शुरू होते ही सड़कों पर मवेशियों के बैठने से दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। स्थानीय निकाय सहित इससे जुड़े सभी विभाग आपसी तालमेल से ऐसे प्रबंधन करें कि सड़कों पर मवेशियां नहीं दिखें। उन्होंने साप्ताहिक टीएल बैठक में इस आशय के निर्देश अधिकारियों को दिए। कलेक्टर ने कहा कि खेती किसानी का काम शुरू होने के साथ ही खाद, बीज एवं उर्वरक की मांग में वृद्धि हुई है। लिहाजा किसानों को इनकी आपूर्ति में सोसायटी अथवा निजी स्तर पर क्रय करने में कोई दिक्कत नहीं होने चाहिए। कृषि विभाग के साथ ही एसडीएम भी अपने स्तर पर इसकी नियमित मानीटरिंग करते रहें। जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल, एडीएम शिवकुमार बनर्जी, सहायक कलेक्टर अरविंथ कुमारन डी सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने बैठक में कहा कि अवैध तरीके से शासकीय जमीनों की खरीदी एवं नामांतरण करने वालों के विरूद्ध एफआईआर दर्ज किया जाए। संबंधित एसडीएम अपने स्तर पर इसकी जांच करें और तथ्यों के आधार पर कठोर कार्रवाई करें। उन्होंने रजिस्ट्री और नामांतरण की नयी व्यवस्था के तहत आने वाली कठिनाईयों को शीघ्र दूर करने के निर्देश दिए। श्री अग्रवाल ने कहा कि लोगों की सुविधा के लिए नई व्यवस्था लागू की गई है। प्राथमिकता के साथ इनमें आने वाली दिक्कतें दूर किया जाए। उन्होंने कहा कि तीज त्योहार का मौसम शुरू होने वाले हैं। डीजे एवं अन्य किसी प्रकार के कोलाहल एवं ध्वनि प्रदूषण स्वीकार नहीं किए जाएंगे। संचालक एवं आयोजन समितियों की समय-समय पर बैठक लेकर उन्हें समझाइश दिया जाये। कलेक्टर ने माईनिंग एवं पुलिस विभाग को अवैध खनिज के विरूद्ध कार्रवाई लगातार जारी रखने के निर्देश भी दिए।

कलेक्टर ने कहा कि आगामी 14 जुलाई से विधानसभा का पावस सत्र शुरू होने जा रहा है। लिहाजा अधिकारी जवाब तैयार करने के लिए अपने कार्यालय में किसी को नामांकित कर इसकी सूचना जिला प्रशासन को दें। विधानसभा का जवाब सटीक तरीके से तैयार कर समय-सीमा में भिजवाना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत किये जा रहे वृक्षारोपण की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि छिटपुट के साथ आगामी 5 जुलाई को सामूहिक रूप से वृक्षारोपण किया जायेगा। जनप्रतिनिधियों एवं आम जनता की भागीदारी इसमें सुनिश्चित किया जाये। उन्होंने बड़े आकार के पौधे लगाने के निर्देश दिए ताकि उनके बचने की संभावना ज्यादा रहे। एक-एक विभागवार वृक्षारोपण की तैयारी की समीक्षा की। उन्होंने विशेष रूप से उद्योग एवं खदान क्षेत्र में ज्यादा संख्या में पौधे लगाने पर जोर दिया। उद्योगों के काम-काज का मूल्यांकन जल संरक्षण के लिए किये जा रहे प्रयास और वृक्षारोपण से किया जायेगा। उन्होंने संबंधित विभागों से एक-एक उद्योग एवं खदान मालिकों की सूची एवं पौधरोपण की सूची भी मांगी है। उन्होंने शासन की फ्लैगशीप योजनाओं में सेचुरेशन लेवल हासिल करने के निर्देश दिए। आयुष्मान कार्ड की कम संख्या पर स्वास्थ्य विभाग के प्रति गहरी नाराजगी दिखाई। स्वास्थ्य अधिकारियों को दौरा कर प्रगति लाने के सख्त निर्देश दिए। लगभग एक तिहारी कार्ड बनाना अभी बचा हुआ है। कलेक्टर ने बैठक में खाद-बीज की आपूर्ति की समीक्षा की। कमी वाले सोसायटिओं में पहले सप्लाई के निर्देश दिए। उन्होंने उप संचालक को प्रतिदिन खाद-बीज के वितरण की रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान

बहेरामूड़ा और केकराड़ में आयोजित शिविर में जनजातीय परिवारों को मिला शासन की योजनाओं का लाभ

बिलासपुर

अनुसूचित जनजातियों को बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने के उद्देश्य से धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत जिले में 15 जून से 30 जून 2025 तक विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में विकासखण्ड कोटा के बहेरामूड़ा और तखतपुर के ग्राम केकराड़ में शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विशेष पिछड़ी जनजातीय परिवारों को शासन की कल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित किया गया। ग्राम पंचायत बहेरामूड़ा अंतर्गत ग्राम उपका, मिड्डनवागांव, लूफा, शक्तिबहरा, करहीकछार, केकराडीह, बेलवाटोकरा के लिए संयुक्त रूप से शिविर आयोजित किया गया। शिविर का शुभारंभ मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत कोटा युवराज सिन्हा द्वारा किया गया। शिविर में ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी दी गई। शिविर में मौके पर ही 2 आधार कार्ड, 8 राशन कार्ड एवं 11 आयुष्मान कार्ड बनाए गए। हितग्राहियों को

विभिन्न विभागों से संबंधित अन्य योजनाओं से भी लाभान्वित किया गया।इस अवसर पर श्री चन्द्रभान, श्रीमती उमादेवी, श्रीमती कृता, ग्राम पंचायतों के सरपंच, पंच, सचिव, कोटवार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। इसी तरह तखतपुर के ग्राम केकराड़ में भी अभियान के तहत शिविर का आयोजन किया गया। शिविर की अध्यक्षता ग्राम पंचायत के सरपंच श्री मांगेलाल नागेश्री ने की। कार्यक्रम में समस्त जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे। अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत तखतपुर श्री जसवंत सिंह जांगड़े एवं सहायक अधिकारी श्री डी.के. भारद्वाज शिविर में मौजूद रहे। शिविर में स्वास्थ्य विभाग द्वारा 30 ग्रामीणों का बी.पी. एवं शुगर की जांच की गई तथा निःशुल्क दवाएं वितरित की गईं। अन्य विभागों द्वारा भी योजनाओं की जानकारी देकर हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया।

देशभर में सहकारिता मंत्रालय स्थापना सप्ताह 1 से 6 जुलाई तक मनाया जाएगा

सक्ती

भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय द्वारा 1 जुलाई से 6 जुलाई 2025 तक सहकारिता मंत्रालय स्थापना सप्ताह का आयोजन देशव्यापी स्तर पर बड़े पैमाने पर किया जाएगा। यह आयोजन केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी के नेतृत्व में सहकारी आंदोलन को जनांदोलन में परिवर्तित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास होगा। इस सप्ताह के दौरान विविध कार्यक्रमों की योजना बनाई गई है जो सहकारिता की भावना, उसके योगदान और भविष्य की दिशा को रेखांकित करेंगे। छत्तीसगढ़ में सहकारिता सप्ताह की तैयारियाँ जोरों पर हैं। घनश्याम तिवारी, प्रदेश संयोजक, पैक्स प्रकोष्ठ, सहकार भारती छत्तीसगढ़ की ओर से प्रदेशभर में सहकारिता सप्ताह के सफल आयोजन के लिए कार्ययोजना बनाई जा रही है और सभी जिलों में सक्रिय सहभागिता हेतु संपर्क किया जा रहा है। इस आयोजन को जनआंदोलन बनाने के लिए जिलेवार समन्वयकों की नियुक्ति की जा रही है। सहकार भारती की ओर से सहकारिता सप्ताह की तैयारियों में प्रदेश अध्यक्ष राधेश्याम चंद्रवंशी, प्रदेश कोषाध्यक्ष रामप्रकाश केशरवानी, प्रदेश संयोजक मछुआ प्रकोष्ठ नरेश मल्लाह, गणेश राम साहू, महादेव नेताम, जितेंद्र साहू, रामकुमार श्रीवास, बुद्धेश्वर केशरवानी, ललित देवांगन, महेश सोनी, मनिंद्र शुक्ला, महेश तिवारी, रुद्रप्रकाश साहू, सुरेंद्र सेहरा, जितेंद्र, प्रेमप्रकाश तिवारी, सुनील अवस्थी जैसे अनेक समर्पित कार्यकर्ता पूरी निष्ठा से लगे हुए हैं।

1 जुलाई 2025: हरियाली से शुभारंभ

सप्ताह की शुरुआत देशव्यापी सामूहिक वृक्षारोपण अभियान से होगी। सहकारी समितियाँ, राज्य/संघ राज्य क्षेत्र, सहकारिता मंत्रालय और राष्ट्रीय सहकारी संघों के सदस्य इस अभियान में भाग लेंगे। साथ ही देशभर में प्राथमिक सहकारी समितियों द्वारा मॉडल ऑडिटिंग अभ्यास, मॉडल तरल्हा (वार्षिक आम सभाएँ) और मॉडल बोर्ड बैठकों का आयोजन किया जाएगा। दिल्ली में NABARD के सहयोग से PACS एवं Emerging Technologies पर कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा जिसमें देशभर के 300+ प्रतिभागी हिस्सा लेंगे।

2 जुलाई 2025: ऋण मेला और सहकारी कार्यशालाएँ

देश के विभिन्न जिलों में DCCB/UCB/StCBs और प्राथमिक सहकारी समितियों द्वारा ऋण मेला एवं सदस्यता अभियान चलाया जाएगा। साथ ही, राज्य स्तर पर सहकारिता मंत्रालय की पहलों पर केंद्रित कार्यशालाएँ भी आयोजित की जाएँगी।

3 जुलाई 2025: सहकारी विरासत एवं उत्पादों की प्रदर्शनी

जिला और राज्य स्तर पर सहकारी इतिहास एवं सहकारी उत्पादों की प्रदर्शनी का आयोजन प्रस्तावित है। यह प्रदर्शनी 2-3 दिनों तक चलेगी जिसमें सहकारिता से जुड़े ऐतिहासिक दस्तावेज, उत्पाद, नवाचार एवं सफलता की कहानियों को आम जनता के सामने प्रस्तुत किया जाएगा।

4 जुलाई 2025: साहित्य और संकल्प का संगम

नई दिल्ली में सहकारिता मंत्रालय (राजभाषा प्रभाग) के तत्वावधान में कवि सम्मेलन आयोजित किया जाएगा, जिसमें प्रसिद्ध कवि अनिल अग्रवंशी (हास्य कवि), शैलेन्द्र मधुर (गीतकार, प्रयागराज) और उपेंद्र पांडे (देशभक्त कवि, दिल्ली) काव्यपाठ करेंगे। इसी दिन सहकारिता मंत्रालय की उपलब्धियों के उत्सवस्वरूप देशभर में सहकारी वॉकथॉन 2025 का आयोजन किया जाएगा। यह वॉकथॉन 3 से 5 किलोमीटर की दूरी का होगा, जिसमें लगभग 4000-5000 प्रतिभागी भाग लेंगे। साथ ही सहकारिता की ओर कदम विषय पर शिखर सम्मेलन आयोजित होगा जिसमें सहकारी संरचना को सशक्त करने के दृष्टिकोण पर चर्चा होगी।

5 जुलाई 2025: अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस

5 जुलाई को अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस के अवसर पर राज्य स्तर पर सहकारी युवा संवाद का आयोजन होगा। इसी दिन गुजरात के आनंद में त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय की स्थापना हेतु भूमि पूजन एवं उद्घाटन कार्यक्रम प्रस्तावित है, जिसमें केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी की गरिमामयी उपस्थिति में यह ऐतिहासिक कार्य संपन्न होगा। NCCT द्वारा सहकारी शिक्षा एवं प्रशिक्षण पर एक दिवसीय युवा जागरूकता कार्यक्रम देश के समन्वित कॉलेजों एवं विश्वविद्यालयों में आयोजित किया जाएगा।

6 जुलाई 2025: 'स्वच्छता में सहयोग' और समापन समारोह

सहकारिता सप्ताह का समापन 6 जुलाई को स्वच्छता में सहयोग अभियान के साथ होगा। देशभर की राजधानियों, राजभवनों, सचिवालयों एवं राज्य मुख्यालयों में स्वच्छता से जुड़े विविध कार्यक्रम होंगे। इस अभियान में सहकारी सदस्य, मंत्रालय, राज्य/संघ राज्य क्षेत्र, राष्ट्रीय सहकारी संघ भाग लेंगे। गुजरात के आनंद में राष्ट्रीय स्तर का मुख्य समारोह आयोजित किया जाएगा जिसमें माननीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। यह समापन समारोह सहकारिता क्षेत्र की उपलब्धियों को राष्ट्र के समक्ष प्रस्तुत करेगा।

त्रि रत्न बौद्ध महासंघ मालखरौदा द्वारा भड़ोरा गांव में षष्ठी एवं जन्म उत्सव कार्यक्रम सम्पन्न कराया पत्रकार भूपेंद्र लहरे ने अपने पुत्र के नाम पर लगाया आम का पौधा

पुत्र के नाम पर रोपित आम के पौधे का भी पुत्र की तरह संरक्षण व संवर्धन का लिया संकल्प

सक्ती

सक्ती /सक्ति जिले के मालखरौदा अंतर्गत ग्राम भडोरा में दैनिक सुघर गांव अखबार के सह संपादक व भूमि एक्सप्रेस न्यूज, मालखरौदा टाइम्स प्रधान संपादक भूपेंद्र लहरे के घर उसके पुत्र भीष्म लहरे के जन्म दिवस के अवसर में,इस कार्यक्रम में

लगाने तथा उसे संरक्षण प्रदान करने का जिम्मा उठाने की

इस संबंध में कार्यक्रम के आयोजक भूपेन्द्र लहरे व प्रतिभा

छत्तीसगढ़ क्षेत्र के लिए संपर्क करें पेपर, विज्ञापन, समाचार ,एजेंसी हेतु संपर्क करें आपके अपने क्षेत्र के लिए

धर्मेंद्र वस्त्राकर
स्थानीय संपादक कार्यालय बिलासपुर

न्यूज ब्रीफ

पड़रवारा की शासकीय भूमि पर ललित मित्तल ने किया था कब्जा, अवैध कब्जे को हटाने पहुंचा प्रशासनिक अमला, अवैध निर्माण पर चली जेसीबी

एसडीएम कटनी प्रदीप कुमार मिश्रा ने मुड़वारा तहसील के हल्का नंबर 44 ग्राम पड़रवारा की शासकीय भूमि पर ललित मित्तल के द्वारा किए गए अतिक्रमण को हटाने के लिए आज संयुक्त टीम के जरिए कार्रवाई करवाई गई। टीम ने कार्रवाई करते हुए अवैध निर्माण पर जेसीबी चलाते हुए अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही को अंजाम दिया। अवैध निर्माण को हटाने के लिए एसडीएम कटनी प्रदीप मिश्रा द्वारा टीम गठित की गई थी जिसमें तहसीलदार कटनी नगर बीके मिश्रा, नायब तहसीलदार आकशदीप नामदेव, प्रभारी राजस्व निरीक्षक सुभाष गर्ग, हल्का पटवारी तुलाराम बर्मा और हल्का पटवारी पड़रवारा अमित कनकने को शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए थे। इसके अलावा इस टीम में नगर निगम के अधिकारी और कर्मचारी को भी रखा गया था। एसडीएम कटनी श्री मिश्रा ने बताया कि ग्राम पड़रवारा की खसरा नंबर 46 की 0.20 हेक्टेयर भूमि शासकीय राजमार्ग से लगी हुई है। जिस पर अनाधिकृत रूप से ललित कुमार मित्तल वल्द सी आर मित्तल निवासी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी कटनी द्वारा अवैध निर्माण कार्य किया जा रहा था। तहसीलदार कटनी नगर बीके मिश्रा की रिपोर्ट पर कार्यवाही करते हुए अवैध अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही आज की गई।

करंट से लोडिंग वाहन के डिलीवरी ब्वाय की मौत

भोपाल। अशोका गार्डन थाना इलाके में बिजली के ट्रांसफार्मर से करंट लगने के कारण लोडिंग वाहन के डिलीवरी ब्वाय की मौत हो गई। बताया गया है की उसने ट्रांसफार्मर के काफी नजदीक खड़े किए गए वाहन का जैसे ही गेट खोला वैसे ही उसे करंट लग गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के बाद परिवार वालो को सौपते हुए आगे की जांच शुरू कर दी है। थाना पुलिस ने बताया की अन्ना नगर में रहने वाला 43 वर्षीय गणेश सोनेवर ऑनलाइन शापिंग कंपनी के लोडिंग वाहन पर डिलीवरी ब्वाय का काम करता था। सोमवार को वाहन सामान की डिलीवरी देने के लिए इलाके में स्थित कलारी के पास पहुंचा था। वहां चालक ने वाहन को सड़क किनारे लगे ट्रांसफार्मर से सटाकर खड़ा कर दिया। गणेश ने वाहन से उतरने के लिए जैसे ही गेट खोला तभी दरवाजा ट्रांसफार्मर में लगे बिजली के तार से टकरा गया। गेट के ट्रांसफार्मर से टकराते ही गणेश को करंट का जोरदार झटका लगा और वो वहीं गिरकर बेसुध हो गया। उसे इलाज के लिए अस्पताल पहुचांया गया लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। अस्पताल से सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस हादसे के कारणों को लेकर आगे की जांच कर रही है।

बहन के साथ खेलते समय छत से गिरकर मासूम की मौत

भोपाल। पुराने शहर के छोला मंदिर थाना इलाके में बीती शाम दो मंजिला मकान की छत से गिरकर 18 महीने के मासूम की मौत हो गई। हादसे के समय मासूम अपनी बहन के साथ खेल रहा था, तभी छत पर लगी रैलिंग में खाली जगह से मासूम फिसलकर छत से नीचे गिर गया। थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार हामिद खान छोला क्षेत्र में स्थित ब्लूमून कॉलोनी में अपने परिवार के साथ रहते हैं। परिवार पत्नी के अलावा 18 माह बेटा हनीफ और तीन साल की बेटी है। बीते दिन देर शाम करीब सात बजे बेटा हनीफ छत पर बहन के साथ खेल रहा था। परिवार वालों ने पुलिस को बताया की छत पर बाउंड्री वाली रेलिंग में एक हिस्सा खुला था, खेलते समय हनीफ इसी खाली जगह से नीचे आंगन में गिर गया। गंभीर हालत में परिजन उसे फौरन ही इलाज के लिये अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल से मिली सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामला दर्ज कर शव को पीएम के लिए भेज दिया। पुलिस का कहना है कि शुरुआती जांच में सामने आया है, कि छत पर रेलिंग अधूरी थी, वहीं से बच्चा फिसल गया। फिलहाल पुलिस आगे की कार्यवाही कर रही है।

डीजीपी ने बिगड़ती ट्रैफिक व्यवस्था पर नाराजगी जताई

भोपाल। राजधानी के भोपाल पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित समीक्षा बैठक में प्रदेश पुलिस के मुखिया कैलाश मकवाना ने भोपाल की बिगड़ती ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर की। मेट्रो के चलते आए दिन शहर की सड़कों पर लगने वाले जाम को लेकर डीजीपी ने अफसरों को फटकार लगाई। मंगलवार सुबह करीब दस बजे डीजीपी पुलिस कंट्रोल रूम पहुंचे। इस बैठक भोपाल पुलिस कमिश्नर हरिनारायण चारी के साथ ही सभी पुलिस अधिकारी मौजूद थे। बैठक में उन्होंने ट्रैफिक व्यवस्था दुरूस्त करने के निर्देश दिए। इतना ही नहीं डीजीपी मकवाना ने पुलिस अफसरों को अपना बीट सिस्टम मजदूत करने की सलाह दी। जिससे अपराधिक गतिविधियों को कंट्रोल किया जा सके।

जिले मे आधार कार्ड सुधार के नाम पर अवैध वसूली का खेल 'यस वीडियो विजन' संचालक पर गंभीर आरोप

फतवा समाचार प्रेम सोनी की विशेष रिपोर्ट

सिंगरौली जिले में आधार कार्ड में नाम, जन्मतिथि और पते जैसी सूचनाओं के संशोधन को लेकर मामला सामने आया है। कलेक्ट्रेट के सामने यस वीडियो विजन नामक निजी सेवा केंद्र मे अवैध रूप से भारी-भरकम राशि वसूलने के गंभीर आरोप लगे हैं। सूत्रों के अनुसार, इस केंद्र पर आधार कार्ड में मामूली सुधार के एवज में शासन द्वारा निर्धारित 50 की जगह 100 से ?2000 तक की मनमानी रकम वसूल की जा रही है। प्रशासन द्वारा आधार कार्ड को पहचान और सरकारी योजनाओं के लाभ के लिए अनिवार्य किया गया है। लेकिन जिले में यह आवश्यक दस्तावेज़, गरीबों के लिए मुसीबत का कारण बनता जा रहा है। विशेष रूप से शहरी एवं ग्रामीण मजदूर, जो रोजगार, राशन या अन्य योजनाओं के लिए अपने आधार में सुधार करवाना चाहते हैं, उन्हें निजी केंद्रों की मनमानी का शिकार होना पड़ रहा है।

ज्ञात हो कि नाम, जन्मतिथि, पते आदि के संशोधन के लिए UIDAI (भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण) द्वारा अधिकतम ?50 से 100 तक का शुल्क निर्धारित है। लेकिन यस वीडियो विजन सहित कई निजी सेवा केंद्रों पर इस नियम की धज्जियाँ उड़ाई जा रही हैं।

बिना जानकारी व नियमन के चल रहे केंद्र..?

जिले भर में निजी आधार सेवा केंद्रों पर न तो कोई स्पष्ट दिशा-निर्देश हैं, न ही सेवा शुल्कों की सूची प्रदर्शित की गई है। इससे संचालक बिना किसी डर के मनमानी रकम वसूल रहे हैं। फुल अपडेट, एड्रेस, मोबाइल नंबर लिंक, नाम और जाति सुधार जैसे कार्यों के नाम पर हजारों रुपए ऐंठे जा रहे हैं।

क्लोन फिंगरप्रिंट और फर्जी आईडी का उपयोग..?

मामले में एक और गंभीर आरोप सामने आया है कि यस वीडियो विजन संचालक द्वारा क्लोन फिंगरप्रिंट का उपयोग कर अन्य लोगों की पहचान का दुरुपयोग कर फर्जी आधार अपडेटिंग की जा रही है। इससे आधार डेटा की गोपनीयता, पहचान सुरक्षा और संप्रभुता पर सीधा खतरा उत्पन्न हो गया है। जिसे यह भी संदेह जताया जा रहा है कि एक ही ऑपरेटर आईडी से कई स्थानों पर अपडेटिंग का कार्य किया जा रहा है, जो नियमों के विरुद्ध है और साइबर अपराध की श्रेणी में आता है।

इन केंद्रों के खिलाफ शिकायत करने का कोई प्रभावी माध्यम नहीं है। न तो कोई हेल्पलाइन है और न ही निगरानी तंत्र। कई पीड़ितों ने मौखिक शिकायतें की हैं, लेकिन अब तक किसी भी स्तर पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। इससे आम जनता में गहरा आक्रोश और प्रशासन के प्रति अविश्वास उत्पन्न हो गया है।

विश्वसनीय सूत्रों का कहना है कि आधार अपडेट को सत्यापित करने के लिए कई केंद्रों पर फर्जी हस्ताक्षरों और सील का उपयोग किया जा रहा है। यदि इस दिशा में ई-गवर्नेंस विभाग द्वारा निष्पक्ष जांच कराई जाए, तो जिले में चल रहे कई अवैध केंद्रों का पर्दाफाश होना तय है।

संबंधित विभाग तत्काल संज्ञान लें...?

सभी निजी केंद्रों की जांच कर अवैध वसूली पर रोक लगाई जाए..? निर्धारित शुल्कों की सूची सभी केंद्रों पर चस्पा की जाए..? दोषियों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज कर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए..? क्लोन फिंगरप्रिंट और आईडी दुरुपयोग पर साइबर टीम द्वारा विस्तृत जांच कराई जाए...? यदि इस प्रकरण पर शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई तो यह न केवल शासन की साख पर सवाल उठाएगा, बल्कि हजारों नागरिकों की पहचान और डाटा भी संकट में पड़ सकता है। सोशल मीडिया पर पोस्ट हुआ वायरल ।

यातायात कानून व्यवस्था बनाने हेतु स्कूल के वाहन चालको की बैठक हुई संपन्न

दुर्गेश बर्मन/डिंडौरी/फतवा

थाना परिसर यातायात डिण्डौरी में स्कूल प्रबंधन एवं स्कूली बस संचालकों की मीटिंग आयोजित की गयी । जिसमें केन्द्रीय विद्यालय डिण्डौरी, शास. उत्कृष्ट विद्यालय डिण्डौरी, मदर टेरेसा स्कूल डिण्डौरी, सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल डिण्डौरी, राजूषा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय डिण्डौरी, डिण्डौरी पब्लिक स्कूल, शासकीय चन्द्रविजय महाविद्यालय डिण्डौरी के प्रबंधक एवं बस संचालक उपस्थित रहे । मीटिंग के दौरान श्रीमान अनु. अधिकारी (पुलिस) पुरूषोत्तम मरावी, थाना प्रभारी कोतवाली दुर्गा प्रसाद नगपुरे, सूबेदार अभिनव राय द्वारा स्कूली बच्चो के सुरक्षित परिवहन के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिये । स्कूल प्रबंधन को समझाईश दी गयी कि स्कूली बसों में ऐसे ड्रायवर रखे जावें जिनके पास हैवी ड्रायविंग लायसेंस हो, एवं कम से कम 05 वर्षो का अनुभव हो, स्कूली बस ड्रायवरों एवं परिचालकों का स्वास्थय परीक्षण एवं चरित्र सत्यापन 08 दिवस के भीतर करा लिया जावें, स्कूली बसों में स्पीड गर्वनर लगा हो एवं स्पीड लिमिट 40 कि.मी. प्रति घंटा सेट हो, स्कूली बसों में दो दरवाजे ,इमरजेंसी विंडो , अग्नि शामक यंत्र , फस्ट एड बाक्स आवश्यक रूप से रखे जावें एवं बसों के टायर हैड, लाईट, वाईपर, इन्डीकेटर, को दुरूस्त रखा जावें, स्कूली वाहनों में क्षमता से अधिक बच्चो का परिवहन न किया जावें । स्कूल प्रबंधन को एक रजिस्टर संधारित करने की भी समझाईश दी गयी, जिसमें स्कूल में प्रवेश करने वाले वाहनों के नंबर, चालक का नाम पता मोबाईल नंबर एवं उनके आने-जाने का समय संधारित किया जावें ।

कुर्मी समाज मंगल भवन मे विधायक निधि से निर्मित टीन सेड का लोकार्पण संपन्न

अनवर खान ब्यूरो चीफ फतवा

मंडला - विगत दिवस कुर्मी समाज मंगल भवन में विधायक निधि से निर्मित टीन सेड का लोकार्पण माननीया श्रीमती संपतिया जी उइके कैबिनेट मंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग मध्य प्रदेश एवं पूर्व राज्य मंत्री एवं विधायक माननीय श्री देवसिंह सैयाम जी के कर कमलों से संपन्न हुआ उक्त कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष श्री प्रफुल्ल मिश्रा जी एवं पूर्व नगर अध्यक्ष व सांसद प्रतिनिधि जय दत्त झा, समाजसेवी राजा शुक्ला की गरिमामयी उपस्थिति रही कार्यक्रम में प्रतिभावान छात्र-छात्राओं, सेवानिवृत कर्मचारियों, वरिष्ठ जनों एवं मातृ शक्तियों का सम्मान किया गया कार्यक्रम में समाज के द्वारा 500 महिलाओं का सुहागले पूजन कार्यक्रम भी आयोजित किया गया था। उद्बोधन की श्रृंखला में सर्वप्रथम कुर्मी समाज के जिला अध्यक्ष एडवोकेट सी.बी पटेल द्वारा मंगल भवन के विषय में विस्तार से प्रकाश डाला गया वही मंडला विधानसभा की विधायक एवं कैबिनेट मंत्री श्रीमती संपतिया जी ने शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाएं जिसमें प्रमुख रूप से प्रधानमंत्री आवास, हर घर नल जल योजना, स्वच्छ एवं स्वावलंबी भारत एवं आयुष्मान कार्ड के बारे में बताते हुए कहा कि आयुष्मान कार्ड धारक को इलाज के लिए ? पाँच लाख की राशि शासन द्वारा तत्काल मुहैया कराई जाती है यह गरीबों के लिए वरदान साबित हो रही है लोग पहले पैसे की अभाव में असमय काल के गाल में समा जाते थे किंतु प्रधानमंत्री की आयुष्मान कार्ड योजना से अब लाखों जिंदगियां सुरक्षित हो रही है ।आगे आपने अपने उद्बोधन में कहा कि कुर्मियों का हाथ सदैव बीजेपी के साथ रहा है। आगे अपने वक्तव्य में आपने समाज को एक सीख दिया कि देने के लिए दान, लेने के लिए ज्ञान, और त्यागने के लिए अभियान सर्वश्रेष्ठ होता है। आपके द्वारा सभी मातृ शक्तियों के ऊपर पुष्प वर्षा कर उनका सम्मान किया गया। कुर्मी समाज मंगल भवन मे किचन निर्माण, हाल एवं सभी कमरों में टाइल्स लगाने हेतु मंच से 10 लाख रुपए की राशि की घोषणा की इतना ही नहीं आपने अपनी उदारता एवं दरियादिली का परिचय देते हुए बच्चों के भविष्य को संवारने के लिए मंगल भवन में कोचिंग एवं कैरियर गाइडेंस प्रारंभ करने हेतु पाँच लाख की राशि देने की भी घोषणा की तथा कुर्मी समाज के द्वारा जितने भी प्रतिभावान छात्र-छात्राएं जो उत्कृष्ट अंको से 10वीं 12वीं की परीक्षा उत्तीर्ण किये है ऐसे सभी बच्चे जिनका आज यहां पर सम्मान किया गया हैं उन सभी के नामों की सूची मय खाता नंबर एवं आईएफएससी कोड सहित उपलब्ध कराने की बात कही जिससे उन सभी बच्चों के खाते में माननीया मैडम के द्वारा पाँच-पाँच हजार की राशि सीधे उनके खाते में डालने की बात कही गई।जय दत्त झा जी ने अपने उद्बोधन में कुर्मियों को सरदार पटेल जी का वंशज बताते हु? सरदार पटेल के जीवन पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि देश की आजादी पर कुर्मियों का बड़ा योगदान रहा कुर्मी लोग बड़े ही साहसी, कर्मठ, स्वाभिमानी एवं स्वावलंबी होते हैं। भाजपा जिला अध्यक्ष भाई प्रफुल्ल मिश्रा जी ने कुर्मियों का इतिहास बताते हुये सरदार वल्लभभाई पटेल ने आजादी के पश्चात देशी रियासतों का भारत में विलीनीकरण करने में सरदार वल्लभभाई पटेल की भूमिका के बारे में विस्तार से प्रकाश डालते हुए बताया कि कश्मीर के मुद्दे पर जब उनकी तत्कालीन प्रधानमंत्री से बात नहीं बनी तो उन्होंने जवाहरलाल नेहरू को अपना इस्तीफा सौंप दिया था तब से उन्हें %लौह पुरुष÷ के नाम से जाना जाता है जो खून उनकी रगों में दौड़ रहा था वही खून आज आप लोगों के रगों में भी दौड़ रहा है। आपने बताया कि भाजपा हमेशा कुर्मियों के साथ खड़ी थी, खड़ी है, एवं खड़ी रहेगी। सम्मानीय पूर्व विधायक श्री देवसिंह सैयाम जी ने समाज को संबोधित करते हुए समाज की नींव के पत्थर माने जाने वाले कुर्मी समाज के प्रथम अध्यक्ष भाई सीतशरण जी को और श्रीमती उईके ने दादा नरेश पटेल को गुरु शब्द से सम्मान देते हुए याद किया।बी जे पी महिला मोर्चा की प्रदेश मंत्री और समाज की संरक्षक सुश्री शशि पटेल ने अपने विचार रखे हुए कहा कि समाज की समस्त मातृ -शक्तियों के सर्वांगीण विकास के लिए वे सदैव तत्पर रहेंगीं ।गांव- गांव जाकर एक सशक्त समाज का संगठन तैयार करने का उनका प्रयास होगा । कुर्मी समाज के जिला सचिव राजकुमार सिंगौर ने अपने उद्बोधन में विशिष्ट प्रतियोगी परीक्षा में उत्तीर्ण समाज की बेटी रितिका पटेल टिकरवारा जिन्होंने हाल ही में नीट की परीक्षा में 546 अंक प्राप्त कर अपना परचम लहराया एवं शैवेंद्र पटेल अंजनिया ने उत्तर प्रदेश यूपीएससी परीक्षा में होम्योपैथिक प्रोफेसर के लिए निकले दो पदों मे क्वालीफाई किया जिनको नियुक्ति पत्र यशस्वी मुख्यमंत्री योगी जी ने कानपुर मे अपने कर कमलों से प्रदान किये के बारे में जानकारी दी। कुर्मी समाज महिला जिला अध्यक्ष श्रीमती संजू लता सिंगोर ने सुहागले पूजन कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों से आई हुई महिलाओं का मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों से परिचय कराया तथा आभार प्रदर्शन कोषाध्यक्ष प्रियदर्शन पटेल के द्वारा किया गया, मंच का विधिवत संचालन समाज के उपाध्यक्ष अखिलेश चंद्रोल के द्वारा किया गया उन्होंने अपनी भाषा शैली से बड़े ही नम्र एवं अलग अंदाज में मंच संचालन कर समां बांधा द्य कार्यक्रम में प्रमुख रूप से समाज के वयोवृद्ध दशरथ पटेल, जमना सिंगौर आदि सहित जिला कार्यकारिणी, युवा कार्यकारिणी के राहुल सिंगौर,संतोष चंद्रोल व अन्य एवं महिला कार्यकारिणी के समस्त सदस्य उपस्थित रहे

बीईओ पदस्थापना में अनियमितता पर कलेक्टर का संज्ञान, आदेश निरस्त

प्राचार्य एवं व्याख्याता संघ ने जताई आपत्ती

मंडला

मध्य प्रदेश में मंडला जिला मुख्य रूप से शिक्षा विभाग मे भ्रष्टाचार का हब बनता जा रहा है यहां कर्मचारी से लेकर अधिकारी तक मनमानी पर उतारू है, जिले में संविदा कर्मचारी सी ई ओ एवं शिक्षाकर्मी बी ई ओ बनाया जा रहा हैं, जनप्रतिनिधि की उदासीनता के चलते एवं उच्च अधिकारी की मूक सहमति के चलते मनमानी हो रही है बी ई ओ तक व्यवस्था कर यहां वहां अपनों को अटैच कर रहे हैं कोई बोलने वाला नहीं है । जिले में हाल ही में हुई विकासखण्ड शिक्षा अधिकारियों (बीईओ) की पदस्थापना में अनियमितताओं को लेकर शासकीय स्कूल प्राचार्य एवं व्याख्याता संघ ने तीव्र आपत्ति जताई थी। संघ ने वरिष्ठता की अनदेखी और शासन नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए कलेक्टर सोमेश मिश्रा एवं सहायक आयुक्त, जनजातीय कार्य विभाग को ज्ञापन सौंपा था।

ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि नैनपुर, नारायणगंज, मोहगांव व निवास जैसे विकासखण्डों में

कनिष्ठ शासकीय सेवकों को बीईओ का दायित्व सौंपा गया है। जबकि जिले में कई वरिष्ठ और योग्य प्राचार्य व व्याख्याता कार्यरत हैं। संघ ने सामान्य प्रशासन विभाग और आयुक्त, जनजातीय कार्य विभाग द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों का हवाला देते हुए मांग की थी, कि बीईओ की पदस्थापना केवल वरिष्ठता के आधार पर की जाए, वह भी तब, जब उच्चतर माध्यमिक विद्यालय स्तर के प्राचार्य उपलब्ध न हों या उनके द्वारा असहमति दी गई हो।

कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने मामले की गंभीरता को समझते हुए तत्काल संज्ञान लिया और सहायक आयुक्त, जनजातीय कार्य विभाग को निर्देश जारी कर सभी अनियमित पदस्थापनाओं को निरस्त कर दिया। यह आदेश दिनांक 23/06/2025 को जारी किया गया। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि कार्यालयीन आदेश क्रमांक/सहा. आयु/शि.स्था./स्थाना./6014 दिनांक 17. 06.2025 के तहत विकासखण्ड शिक्षा अधिकारियों को जो अतिरिक्त वित्तीय एवं प्रशासनिक प्रभार सौंपा गया था, वह आयुक्त आदिवासी विकास म.प्र. भोपाल के पत्र क्रमांक/शिक्षा स्था-1/884/2020/10954 दिनांक 26.06.2020 के अंतर्गत जारी निर्देशों के विरुद्ध था। अतः उक्त आदेश को तत्काल प्रभाव से निरस्त किया जाता है। कलेक्टर के इस निर्णय से जिले के शिक्षकों में हर्ष की लहर है। प्राचार्य एवं व्याख्याता संघ ने कलेक्टर के निष्पक्ष और नियमसम्मत निर्णय के लिए आभार व्यक्त किया है। जिले के अन्य अधिकारी-कर्मचारियों ने भी इस फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि यह आदेश उन लापरवाह अधिकारियों-कर्मचारियों के लिए स्पष्ट संदेश है कि शासन के नियमों के विरुद्ध कोई कार्य स्वीकार्य नहीं होगा। कलेक्टर का यह कदम जिले में प्रशासनिक पारदर्शिता और नियमों के पालन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। चर्चा तो यह भी है कि इस प्रकार के नियम विरुद्ध आदेश जुगाड़- सेटिंग और भ्रष्टाचार के चलते जारी होते हैं। सत्ता पक्ष में बैठे जनप्रतिनिधियों को निष्पक्षता के साथ जिले की शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने में ध्यान देना चाहिए। अभी-अभी सत्र प्रारंभ हुआ है और खेल प्रारंभ हो गया। दो दो जगह के प्रभार की नीति में लगाम लगना चाहिए,ताकि विद्यालयीन पढ़ाई प्रभावित न हो।

बनी नगरवासियों के लिए सिरदर्द शराब ठेकेदारों की मनमानी आबकारी आयुक्त के आदेश भी हो रहे अनसुने

रिपोर्टःदुर्गेश बर्मन

डिंडौरी (फतवा)जिला मुख्यालय में बड़ी ही समस्याओं का दौर चल रहा है कारण की मुख्यालय में शराब दुकान ना होने से ठेकेदार की मिली भगत से एक नहीं अनेक दुकानें हो रही संचालित अब पान ठेला किराना दुकान बूट हाउस होटल ओर ढाबों में मोहल्ले में। कहना चाहिए कि चाहू ओर शराब कारोबार जोर शोर से चल रहा है राज्य परिवहन स्टैंड में तो सुबह से ही शराबियों का जमाबड़ा देखा जा सकता है शहर और आस-पास के इलाकों में शराब ठेकेदारों की मनमानी और प्रतिबंधित क्षेत्रों में खुलेआम शराब बिक्री से आम लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। राहगीरों, खासकर महिलाओं और छात्रों, को असहज स्थिति से गुजरना पड़ रहा है। स्थानीय अधिवक्ता सम्यक जैन ने इस गंभीर मुद्दे को आबकारी आयुक्त के संज्ञान में लाया था। इस पर आयुक्त ने प्राथमिक कार्यवाही करते हुए जिला आबकारी विभाग से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।

अधिवक्ता सम्यक जैन ने अपने पत्र में कई अहम बिंदु उठाए-

प्रतिबंधित क्षेत्रों में शराब बिक्री-

मध्य प्रदेश में नर्मदा नदी से 5 किलोमीटर के दायरे, शैक्षणिक संस्थानों, धार्मिक स्थलों और संवेदनशील क्षेत्रों के पास शराब बिक्री पर प्रतिबंध है। इसके बावजूद कई ठेके इन नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं। कलेक्टर कार्यालय, पुलिस मुख्यालय और नर्मदा घाट के आसपास खाली बोतलें और डिस्पोजल गिलास इन उल्लंघनों के प्रमाण हैं।

प्रशासन की निष्क्रियता-

शराब माफिया और संबंधित अधिकारियों के बीच मिलीभगत के आरोप लगते रहे हैं। कार्रवाई से पहले ही शराब दुकानों से स्टॉक गायब हो जाता है, जिससे यह साफ होता है कि ठेकेदारों को पहले से सूचना दे दी जाती है। इसके अलावा कई दुकानों पर [illegible]से अधिक मूल्य पर शराब बेचने की शिकायतें हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

सामाजिक असुविधा और सुरक्षा का संकट-

शैक्षणिक संस्थानों और धार्मिक स्थलों के पास शराब की दुकानों से सामाजिक वातावरण प्रभावित हो रहा है। मार्गदर्शी कॉलेज के पास स्थित दुकान से छात्राओं को असहजता का सामना करना पड़ रहा है, जिससे छात्राओं और उनके परिजनों में आक्रोश है।

अवैध बिक्री और कालाबाजारी-

शराब दुकानों के बंद होने के बाद भी कई इलाकों में शराब दोगुने दामों पर बेची जा रही है। ग्रामीण क्षेत्रों और मोहल्लों में किराना दुकानों व गुमटियों पर अवैध शराब बिक्री आम हो गई है।

सांठगांठ और राजनीतिक संरक्षण-

कई मामलों में ठेकेदारों को राजनीतिक और प्रशासनिक संरक्षण प्राप्त होने के कारण आबकारी विभाग निष्क्रिय बना रहता है। अधिकारियों की मिलीभगत और संसाधनों की कमी के चलते नियमों का पालन नहीं हो पा रहा है।

तस्करी के लिए दोपहिया वाहनों का इस्तेमाल-

शराब की तस्करी के लिए स्कूटी और मोटरसाइकिल का उपयोग तेजी से बढ़ा है। इन वाहनों की मदद से तस्कर ग्रामीण इलाकों और गलियों में आसानी से पहुंचते हैं। जिला मुख्यालय में शराबबंदी लागू होने के बावजूद, रात के समय तस्कर विशेष रूप से मॉडिफाई किए गए डिब्बों में शराब छिपाकर ले जा रहे हैं। पुलिस द्वारा छापेमारी और जांच अभियान चलाए जा रहे हैं, फिर भी तस्करी पर लगाम नहीं लग पा रही है। शराब ठेकेदारों की मनमानी, प्रशासन की निष्क्रियता और नियमों की खुलेआम अवहेलना से न केवल कानून व्यवस्था प्रभावित हो रही है, बल्कि आम नागरिकों की सुरक्षा और सामाजिक वातावरण भी खतरे में पड़ रहा है। अब देखना यह है कि क्या आबकारी विभाग और प्रशासन इस दिशा में कोई सख्त कदम उठाते हैं या यह मुद्दा भी कागजों तक ही सीमित रह जाएगा।

एक साल बेमिसाल: डॉ लता वानखेड़े ने पिछले साल 24 जून को ली थी सांसद पद की शपथ

आज ही के दिन संसद में शपथ लेकर कहा था- मैं जनता की सेवा करूंगी

सागर

लोकतंत्र की सबसे छोटी इकाई पंच से अपने राजनीतिक जीवन का सफर तय करने वाली श्रीमती डॉ लता वानखेड़े ने पिछले साल 24 जून को भारत के मंदिर यानी लोकसभा में सांसद पद की शपथ ली थी। एक महिला ने कामयाबी का परचम लहराते हुए यह मिथक तोड़ दिया है की नारी अब अबला नहीं; सबला है। प्रधानमंत्री मोदी की सोच और मनसा के अनुरूप कार्य करने वाली नारी शक्ति के सशक्त हस्ताक्षर और महिला सशक्तिकरण का जीवंत उदाहरण है डॉ लता वानखेड़े। 24 जून 2025 को श्रीमती वानखेड़े के महज 12 महीने के कार्यकाल पर एक नजर दौड़ाई जाए तो सागर लोकसभा क्षेत्र के खाते में कई उपलब्धियां है। इनमें से भी यदि सबसे बड़ी तीन उपलब्धि की बात की जाए तो नरयावली डिपो का सतना ट्रांसफर होने से रोकना। सागर से नागपुर के अलावा अन्य स्थानों के लिए ट्रेनों के सागर में स्टॉपेज और बीना में रिंग रोड की स्वीकृति सबसे बड़ी सफलता है। जनता से सतत संवाद और विकास की ललक रखने वाली श्रीमती वानखेडे का सत्ता और संगठन में भी बेहतर तालमेल है। महिला आयोग की अध्यक्ष रहते हुए

डॉ लता वानखेडे, सांसद

इन्होंने महिलाओं के दर्द को करीब से जाना है इसलिए महिला सशक्तिकरण पर भी उल्लेखनीय कार्य श्रीमती वानखेड़े के खाते में है। सागर जिले की सबसे बड़ी पंचायत रही मकरोनिया से तीन बार सरपंच के अलावा पंचायती राज महासंघ की प्रदेश अध्यक्ष; मध्यप्रदेश स्काउट गाइड की प्रदेश उपाध्यक्ष सहित देश का विदेश में प्रतिनिधित्व करने का भी गौरव इन्हें मिला है। श्रीमती वानखेडे की वाणी में सरस्वती विराजमान है। अपनापन ऐसा की गैरों को भी अपना बनाने का खास माददा रखती है। भारतीय जनता पार्टी की एक सच्ची सिपाही और उसी के बैनर तले काम करने वाली श्रीमती वानखेड़े ने राजनीति को हमेशा समाजसेवा का माध्यम माना है। राजनीति के सफर में इनका कोई भी विरोधी नहीं है। सागर की जनता इन्हें प्यार से ÷दीदी÷ कहकर बुलाती है। हाल ही में इन्हें हिंसा और आतंकवाद के खिलाफ काम करने वाली अंतरराष्ट्रीय स्तर की समिति इंटरनेशनल पार्लियामेंट्री यूनियन (IPU) का सदस्य बनाकर उज्बेकिस्तान में भारत की ओर से प्रतिनिधित्व करने के लिए भेजा गया; जो बुंदेलखंड नहीं; प्रदेश के लिए एक गौरव की बात है।

24 जून साल 2025 को श्रीमती वानखेडे का 1 वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने पर उनसे जानना चाहा लोकसभा क्षेत्र के प्रति आपका संकल्प और विजन किया है श्रीमती वानखेडे का जवाब है जनता ने वोट रूपी आशीर्वाद देकर मुझे करीब 5 लाख मतों से विजय बनाकर संसद भवन में भेजा है। मेरी जिम्मेदारी है और मैं संकल्प लेती हूं की सागर लोकसभा क्षेत्र के विकास के लिए में तब तक लड़ती रहूंगी जब तक विजन पूरा नहीं हो जाता। जनता की उम्मीद पर सोलह आने खरे उतरना मेरी जवाबदारी है। दूरदर्शी परिणाम की सोच रखने वाले देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी और प्रदेश के मुखिया डॉक्टर मोहन यादव के नेतृत्व में जो योजनाएं जनहित के लिए चलाई जा रही है उन्हें समाज के अंतिम छोर के व्यक्ति के हाथों तक पहुंचाना मेरी पहली प्राथमिकता है ।

श्रीमती वानखेड़े का सपना है विकास के मामले में सागर विकास का महासागर बने यही मेरा संकल्प है। जनता के लिए मेरा संदेश है सरकार की योजनाओं का लाभ लेकर आप आगे बढ़े और मेरे लायक जो भी सेवा हो बेहचक ÷सांसद संवाद केंद्र में आकर सांझा कर सकते हैं। श्रीमती वानखेड़े ने कहा जनता और जनप्रतिनिधि सरकार के बीच एक सेतु है। जितनी जिम्मेदारी जनप्रतिनिधि की है उतनी ही जनता की इसलिए समाज; प्रदेश और देश के सुनहरे भविष्य के लिए आपका योगदान भी जरूरी है। श्रीमती वानखेड़े ने सागर लोकसभा क्षेत्र की जनता को धन्यवाद दिया और आभार जताया कि आपके ही स्नेह; प्यार और संबल की लाठी के सहारे ही आज हम इस मुकाम पर हैं। आपने लोकतंत्र के महायज्ञ में वोट रूपी आशीर्वाद देकर मुझे जो जिम्मेदारी सौंपी है। आज उसके 12 महीने पूरे हुए और मैं भरोसा दिलाती हूं आने वाले 4 साल में आपकी उम्मीदों पर हरदम खरी उतरूंगी।

मौसम में नमी दिनभर छाए रहते बादल किंतु तेज बारिश के इंतजार में अब भी किसान आसमान की ओर देख रहे

बुरहानपुर

बोवनी शुरू होने के बाद किसान बारिश का इंतजार कर रहे है। मौसम में नमी बनी होने से बीज पर विपरीत असर नहीं पड़ा किंतु किसान फसल को लेकर चिंतित नजर आ रहा है। किसान वीरेंद्र चौकसे का कहना है कुछ क्षेत्रों में बूंदाबांदी हुई है घने बादल छाए हुए है किन्तु किसान तेज बारिश के इंतजार में आसमान की और देख रहा

है। वही आम जन जीवन ने राहत की सांस ली इसे गर्मी के साथ उमस से राहत मिली है। जिन किसानों ने खेत तैयार करके रखे है किन्तु बोवनी नहीं की उनके चेहरे पर शिकन नहीं है किन्तु बादल बरसने का इंतजार हो रहा है। जिन खेतों में बोवनी हो गई है मानसून के साथ तेज बारिश के इंतजार के साथ चिंता की लकीरें नजर आ रही है। ग्राम पंचायत डोईफोडिया क्षेत्र के आसपास तेज बारिश होने की खबर के बीच क्षेत्रों में मौसम की नमी कितने समय बनी रहती है आने वाला समय बताएगा।

एमएसएसी फिजिक्स के विद्यार्थियों ने विश्व विद्यालय की प्रवीण्य सूची में स्थान बनाकर सफलता का परचम लहराया

बुरहानपुर

सेवासदन महाविद्यालय के विज्ञान संकाय के एम.एस.सी. (फिजिक्स) चतुर्थ सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम सर्वोत्कृष्ट रहा। जिसमें देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर की प्रावीण्य सूची में छात्र जितेन्द्र महाजन ने 73.81 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विश्वविद्यालय में सांतवा एवं महाविद्यालय में प्रथम स्थान अर्जित कर कीर्तिमान रचा। साथ ही महाविद्यालय में द्वितीय स्थान कु. वैष्णवी पाटील ने 71.24 प्रतिशत अंक एवं कु. ममता गुजरे ने 70.88 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान हासिल कर महाविद्यालय एवं बुरहानपुर जिले का नाम गौरवान्वित किया। सेवासदन शिक्षा समिति की अध्यक्ष

1. जितेन्द्र महाजन 2. वैष्णवी पाटिल 3. ममता गुजरे

तारिका वीरेन्द्रसिंहजी ठाकुर ने विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित करते हुये कहा कि कि हमारे विद्वान गुरूजनों का यथोचित मार्गदर्शन, विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत व महाविद्यालय में उपलब्ध उत्कृष्ट शैक्षणिक सेवाओं का ही परिणाम है कि महाविद्यालय के विद्यार्थी प्रायः देवी अहिल्या विश्वविद्यालय की प्रावीण्य सूची में अपना स्थान बनाकर महाविद्यालय एवं माता-पिता का नाम गौरवान्वित कर कीर्तिमान रचते रहे है और इस क्रम को निरंतर बनाये रखे है। समिति सचिव हसमुखलाल जरीवाला, मैनेजर मनीष पटेल, प्राचार्य डॉ. एस.एम. शकील, विज्ञान संकाय विभागाध्यक्ष डॉ. अरविन्द दुबे, डॉ. अनिल चैधरी, डॉ. ज्योति कापडिया, प्रो. भरत रावल, प्रो. संदीप लोखंडे, विजय महाजन सहित समस्त महाविद्यालयीन स्टॉफ ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

हत्या के अपराधी गिरफ्तार माधवनगर पुलिस को मिली बडी सफलता

कटनी।

पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के मार्गदर्शन में और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. संतोष डेहरिया एवं नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती नेहा पच्चीसिया के निर्देशन एवं थाना प्रभारी निरीक्षक अभिषेक चौबे के नेतृत्व में थाना माधवनगर पुलिस व्दारा थाना के अपराध क्रमांक 668/25 धारा-296, 115(2), 109(1), 103 (1),3(5) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध होने से मामले के माधवनगर उपनगरीय क्षेत्र के मारपीट बसूली आदि आतंक का पर्याय बने आरोपीगण (1) आकाश पोपटानी पिता प्रकाशचंद पोपटानी उम्र-33 वर्ष निवासी-कैरिन लाईन माधवनगर (2) दीपक मोटवानी पिता सुरेश कुमार मोटवानी उम्र-30 वर्ष निवासी-राबर्ट लाईन थाना माधवनगर (3) महेश कुमार आडवानी पिता गुलाबराय आडवानी उम्र-30 वर्ष निवासी- राबर्ट लाईन थाना माधवनगर को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

इनकी रही भूमिका

निरी.अभिषेक चौबे,उनि.दीपू कुशवाहा,दिनेश कोरेसिया, प्रआर.434 अविनाश मिश्रा, 151 अजीत बागरी, 197 नीलेश,आर.752 राघवेन्द्र सिंह,72 राजेन्द्र उईके,609 उमाकान्त,247 लोकेन्द्र रहे ।

महापौर ने लालबाग बुरहानपुर रोड पर तेज गति से चलने वाले वाहन चालको पर नियंत्रण हेतु पुलिस अधीक्षक को सौंपा ज्ञापन

बुरहानपुर

निगम महापौर माधुरी अतुल पटेल पुर्व महापौर अतुल पटेल ने पुलिस अधीक्षक देवेंद्र पाटीदार को ज्ञापन सौंपा ज्ञापन में महापौर माधुरी अतुल पटेल ने बताया कि लालबाग-बुरहानपुर मार्ग पर तेज गति वाहन चालको पर नियत्रंण के संबंध में जानकारी दी एक अर्से से देखा जा रहा है लालबाग-बुरहानपुर मार्ग पर रात्री में युवा तेज रफ्तार से दो पहिया वाहनो पर सवार हो स्टैंडबाजी करते हुए निकलते है। स्टैंडबाज इन वाहन चालको के कारण कई बार दुर्घटना घट चुकी है कई बार दुर्घटना की संभावना बनी किंतु भाग्य टल गई है। तेज रफ्तार वाहन चालको को लेकर लालबाग विकास समिति सहित अनेक संस्थाओ एवं वाकिंग पाए निकलने वाले लोगों द्वारा भी समय-समय पर इस और ध्यान आकर्षित किया गया ।तेज रफ्तार वाहन चलाने की इस मनोवृति को रोकने के लिए जिला प्रशासन पुलिस, नगर निगम एवं अन्य सर्व संबंधितो

व्दारा संयुक्त रूप से प्रयास किये जाये। निश्चित रूप से तेज रफ्तार के वाहनो के चलने से रात्री में इस मार्ग पर स्वास्थ्य की दृष्टि से भ्रमण करने तथा अपना व्यवसाय व्यापार का कार्य निपटाकर घर वापस जाने वाले तथा रेल्वे स्टेशन आने-जाने वाले नागरिको को गंभीर दुर्घटना का भय बना रहता है।

यह जानलेवा स्टंट रात्रि के समय पर तेज रफ़्तार वाहन के स्टैंड को सड़क पर रगड़कर चिंगारी निकालना फैशन में बन गया है। वाहन चालको की गैर-ज़िम्मेदाराना हरकतें न केवल स्वयं की नहीं बल्कि सड़क पर मौजूद अन्य वाहन चालकों के लिए भी जानलेवा साबित हो सकती थीं। यह घटना सड़क सुरक्षा के प्रति लापरवाही और नियमों के उल्लंघन को दर्शाती है।

पूर्व महापौर अतुल पटेल ने बताया कि खतरनाक ड्राइविंग, लाल बत्ती कूदने, नाबालिगों द्वारा गाड़ी चलाना, हेलमेट के बिना गाड़ी चलाना, बाइक पर स्टंट करने जैसी घटनाओं को रोकने के लिए विशेष यातायात प्रबंध जाए। वाहनों की दौड़ पर रोक लगाने के लिए संयुक्त रूप से मिलकर इस प्रवृति पर पूर्णरूप से रोक लगाने के लिये अभियान चलाने के साथ ट्रैफिक उल्लंघन करने वालों पर चालानी कार्रवाई करने के बात रखी।

विद्युत पोल टेलीफोन के पुराने खंबो को हटाने व स्थानांतरित करने हेतु जिला कलेक्टर को महापौर ने ज्ञापन दिया

बुरहानपुर

नगर निगम महापौर माधुरी अतुल पटेल विधायक प्रतिनिधि पूर्व महापौर अतुल पटेल ने आज कलेक्टर और जिला दंडाधिकारी हर्ष सिंह को जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अन्तर्गत इंदौर इच्छापुर हाईवे ह॥ 753 रु पर निर्माणाधीन सडक के दोनो ओर विभिन्न स्थानो पर विद्युत पोल एवं टेलिफोन के पुराने बंद पडे पोल बाधक स्थिति में है, जो यातायात की सुगमता और सुरक्षा की दृष्टि से हटाया जाना आवश्यक है। इस संबंध में माननीय जिला प्रभारी मंत्री जी व्दारा भी विभागो विद्युत पोल एवं टेलिफोन के पुराने बंद पडे पोल को स्थानांतरित किये जाने हेतु निर्देशित किया गया था।

जिला कलेक्टर महोदय से अनुरोध है कि माननीय जिला प्रभारी मंत्री जी व्दारा दिये गये

निर्देशो के अनुक्रम में संबंधित विभागो को निर्देशित कर अविलंब उक्त पोलो को हटाने एवं स्थानांतरित किये जाने की कार्यवाही की जाये, ताकि निर्धारित समय-सीमा में सडक उन्नयन का कार्य सुचारू रूप से पूर्ण किया जा सके ओर कहा कि शहर की यह व्यस्ततम रोड है जहां से रोजाना एक लाख से ज्यादा लोगों का आना-जाना होता है और यातायात का दबाव बना रहता है। महापौर ने जनहित में दोनों ओर के पोल हटाकर शिफ्ट करने के लिए पत्र लिखा। नगर निगम द्वारा शहर के विकास को लेकर शिकारपुरा थाने से लेकर गणपति नाके तक टू लेन रोड का निर्माण कर डिवाइडर बनाया जा रहा है जिसमें विद्युत पोल और टेलीफोन पोल बाधक बन रहे हैं जिससे रोड चोड़ीकरण में दिक्कत आ रही है इसलिए निगम महापौर माधुरी अतुल पटेल पुर्व महापौर अतुल पटेल ने आज जिला कलेक्टर हर्ष सिंह को अधिकारियों ने ज्ञापन दिया गौरतलब है कि शहर के मुख्य बाजारों में अनेक स्थानों पर बिजली के पोल बीच सड़क पर खड़े हैं जिससे आने-जाने वालों को परेशानी होती है। इस अवसर पर निगम महापौर माधुरी अतुल पटेल पुर्व महापौर अतुल पटेल पूर्व पार्षद के डी पटेल आदि उपस्थित थे

बेलई सरपंच नासिर खान के जन सेवा कार्यों की गांव वालों ने की सराहना

गढ़ाकोटा।

गढ़ाकोटा क्षेत्र अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत बेलई में बह रही है विकास की गंगा ।जहां एक मुस्लिम सरपंच नासिर भाईजान ने जात पात ना देखते हुए ग्राम पंचायत बेलई में रच दिया इतिहास ।जहां सरकार द्वारा चलाई जा रही सभी योजनाओं का ग्राम वासियों को लाभ दिलाते हुए अनोखे निर्माण कार्य भी कर दिए जिसे देखकर ग्राम वासी में जमकर खुशी की लहर देखी जा रही है ।जहां ग्राम पंचायत बेलई में 30 सालों में नहीं हुआ वह निर्माण कार्य सरपंच ने 3 सालों में कर दिया। जहां गांव में सीसी रोड ,नाली निर्माण, पंचायत भवन, लाइट डेकोरेशन एवं गांव में चार हिंदू मंदिरों का निर्माण कार्य सहित निर्माण कार्य कर दिया ।बाकी अनेक और निर्माण कार्यों का काम तेज गति के साथ चल रहा है वही ग्राम वासी पवन कुमार एवं एक बुजुर्ग ने जानकारी देते हुए बताया कि अभी तक हमारी ग्राम पंचायत में मेरे देखते हुए 30 सालों में इतना विकास किसी ने नहीं कराया जो हमारे सरपंच नासिर भाईजान ने 3 सालों में कर दिया जबकि हमारे गांव में एक भी मुस्लिम परिवार नहीं है। इसके बाद भी

जात-पात ना देखते हुए विकास कार्यों की गंगा बहा दी। वही जब इस संबंध में बेलई सरपंच एवं गढ़ाकोटा शहर मुस्लिम कमेटी के अध्यक्ष नासिर भाईजान से विकास कार्यों को लेकर चर्चा की गई तो उन्होंने बताया की इन सारे विकास कार्यों के पीछे पूर्व मंत्री व क्षेत्रीय विधायक गोपाल भार्गव एवं भाजपा नेता अभिषेक भार्गव के द्वारा यह सारे निर्माण कार्य संभव हो सके है। जो मुझे उनका यह सहयोग मिला है आज उनके आशीर्वाद से ग्राम पंचायत बेलई में चमन बरस रहा है । बेलई पंचायत के सरपंच नासिर खान के पंचायत में जन सेवा कार्यों की गांव वाले जमकर सराहना कर रहे हैं । सरपंच द्वारा गांव में चाहुमुखी विकास कार्य करवाए हैं ।एवं गांव में बने प्राचीन मंदिरों का जीर्णोद्धार कार्य भी करवाए है।

बेलई गांव में सौहार्द भाईचारे की अनोखी मिसाल पेश की है।ग्रामीण बलराम कुर्मी,दामोदर खगार, रामप्रसाद पटेल ने बताया कि धार्मिक सद्भाव और शांति की मिसाल पेश करते हुए मुस्लिम सरपंच नासिर खान जनसेवा कार्य की हर जगह तारीफ हो रही है। सरपंच नासिर खान ने बताया कि ग्रामीणों के यहां सुख दुख में सहभागी रहते हैं। और गांव के स्कूल परिसर अच्छा सीसी का निर्माण हो रहा है। पक्की सड़क , नाली, स्वच्छता, पौधे रोपण, पेयजल, शासन की योजनाओं का लाभ ग्रामीणों को दिलाया जा रहा है। है ।और गांव में एक सेल्फी प्वाइंट का निर्माण किया होने जा रहा है।

नरेन्द्र मोदी विचार मंच की बैठक हुई संपन्न

मंडीदीप

22 जून को नरेन्द्र मोदी विचार मंच(युवा मोर्चा) के तहत स्थापना दिवस का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ जिसमें बैठक का उद्घाटन दीप प्रज्वलन भारत माता के चित्र के समक्ष हुआ! इसके बाता बैठक मै आयोजन मुख्य वक्ता के अनुसार हुआ बक्ताओ ने ग्रामीण स्तर पर छोटी-छोटी योजनाओं से अवगत कराया इसमें समस्त जिला से कार्यकारिणी उपस्थित रही । मुख्य रूप से प्रांतीय कार्यकारिणी से मुकेश राय जिला अध्यक्ष रामबिलाश उईके संगठन महामंत्री भागचंद उईके ज़िला उपाध्यक्ष दिनेश कुमार ठाकुर जिला मंत्री राजाराम ज़िला मंत्री

भवानी कुशवाहा ज़िला सचिव सुरेश इक्के जिला कोषाध्यक्ष लक्ष्मी कांत राय व जिला कार्यकारिणी से भी लोग उपस्थित व करतौली पंचायत से बालकिशन उईके जी पूर्व सरपंच वर्तमान सरपंच भी अधिक संख्या में ग्राम के लोग अधिक संख्या में भागीदारी निभाई इस बैठक के अनेक प्रकार के चिंतन में संगठन के प्रति निकालकर आयी हैं! जिला अध्यक्ष ने चिंतन किया कि जिला की कार्यकारिणी तैयार करके हर एक तहसील मै आज से हर एक विधानसभा में मंडल अध्यक्ष नियुक्त करे वहा पर 20 लोगो की टीम तैयार करके ग्रामीण तक केसे पहुंचना है। आभार जिला उपाध्यक्ष प्यार सिंह ने किया है!

द्वारका शारदापीठाधीश्वर अनन्तश्रीविभूषित जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी श्री सदानन्द सरस्वती महाराज का चातुर्मास्य परमहंसी गंगा आश्रम में होगा

नरसिंहपुर।

द्वारका शारदापीठाधीश्वर अनन्तश्रीविभूषित जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी श्री सदानन्द सरस्वती जी महाराज का चातुर्मास्य व्रत अनुष्ठान वि.सं. 2082 आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा से भाद्रपद शुक्ल पूर्णिमा 10 जुलाई से 7 सितम्बर तक परमहंसी गंगा आश्रम में होगा। इसे लेकर नरसिंहपुर जिले के वासियों में भारी उत्साह है। श्रीद्वारकाधीश एवं भगवान चन्द्रमौलीश्वर, माँ जगदम्बा की अहैतुकी कृपा से पश्चिमाम्नाय द्वारका शारदा पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी श्री सदानन्द सरस्वती महाराज श्री का चातुर्मास्य व्रत अनुष्ठान पीठद्वयाधीश्वर ब्रह्मलीन शंकराचार्य स्वामी श्री स्वरूपानन्द सरस्वती जी महाराजश्री की पावन तपस्थली परमहंसी गंगा आश्रम, झोंतेश्वर में दिनांक 10 जुलाई से 7 सितम्बर 2025 तदनुसार आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा से भाद्रपद शुक्ल पूर्णिमा पर्यन्त संपन्न होने जा रहा है।

शंकराचार्य जी के चातुर्मास में अपना योगदान देने और सहभागी बनने के लिए विभिन्न संगठनों, सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक तुलसी मानस भवन में संपन्न हुई। जिसमें सभी ने अपना योगदान देने की बात की। इस अवसर पर ब्रह्मचारी स्वामी अचलानंद महाराज ने बताया कि पूज्य शंकराचार्य महाराजश्री का दिव्य दर्शन, सत्संग एवं पावन सानिध्य प्राप्त कर कल्याणकारी पुण्यफल के भागी बनें। जो मनुष्य संग्यासियों का चातुर्मास्य व्रत अनुष्ठान आयोजित करता है एवं उसमें तन-मन-धन से सम्मिलित होता है वह राजसूय एवं अश्वमेध यज्ञ का फल सहज ही प्राप्त कर लेता है। आपने जानकारी दी कि दिव्य सत्सग प्रति शनिवार एवं रविवार सायं 5 से 7, प्रवचन स्थल ¬गङ्गा कुण्ड, परमहंसी गंगा आश्रम में होगा। प्रतिदिन प्रातः 7 से 9 बजे तक भगवान श्री चंद्रमोलेश्वर जी का रुद्राभिषेक, प्रातः 10 से 11.30 बजे तक श्रीमद्भगवद्गीता शाङ्करभाष्य स्वाध्याय, स्थल¬ समाधि मन्दिर, समाधिस्थल संग्रहालय, 10 जुलाई गुरु व्यास पूजा चातुर्मास प्रारंभ, 9 अगस्त संस्कृत दिवस श्रावणी उपाकर्म , 11 अगस्त सोमवार स्वामिश्री सदानन्द सरस्वतीजी महाराजश्री का पावन जन्मोत्सव , 16 अगस्त श्री कृष्ण जन्मोत्सव, 26 अगस्त शंकराचार्य ब्रह्मलीन स्वामी स्वरूपानंद सरस्वतीजी महाराजश्री का पावन प्राकट्योत्सव, 6 सितम्बर अनंत चतुर्थी उत्सव, 7 सितम्बर चातुर्मास व्रत समाप्ति आदि विशिष्ट आयोजन रहेंगे।

शेयर बाजार हल्की बढ़त के साथ बंद, तनाव बढ़ने से गंवाई सुबह की 1000 अंकों की बढ़त

मुम्बई ■ एजेंसी

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को हल्की बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही इजरायल और ईरान के बीच सीजफायर की खबर से बाजार में तेजी आई और ये 1000 अंक ऊपर पहुंच गया पर कुछ देर बाद ही सीजफायर टूटने और तनाव बढ़ने से बाजार धारणा प्रभावित हुई, जिससे निवेशकों ने निकासी शुरू कर दी और बाजार नीचे आने लगा। इससे कारोबार के अंत में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स सत्र के शुरुआती समय की 1100 अंकों की बढ़त खोकर केवल 158.32 अंक की बढ़त के साथ ही 82,055.11 के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी भी केवल 72.45 अंक की हल्की तेजी के साथ 25,044.35 के स्तर पर रहा। सेंसेक्स में अदानी पोर्ट्स, टाटा स्टील, कोटक महिंद्रा बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फिनसर्व और टाइटन के शेयर सबसे ज्यादा ऊपर आये जबकि पावर ग्रिड, ट्रेंट, एनटीपीसी, मारुति, एचसीएल टेक और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयर गिरे।

कारोबार के दौरान निफ्टी पीएसयू बैंक इंडेक्स में 1.4 फीसदी की तेजी दर्ज की गई, जबकि निफ्टी मेटल में 1.2 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। इलके अलावा, निफ्टी बैंक, ऑटो, प्राइवेट बैंक और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स में भी तेजी देखी गई। इनमें से प्रत्येक में 0.7 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। वहीं दूसरी ओर गिरावट वाले शेयरों में निफ्टी मीडिया में 1 फीसदी की कमी आई। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने 1.50 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे। वहीं गत दिवस सोमवार को शेयर बाजार में 1,874.38 करोड़ रुपये की तेजी आई जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 5,591.77 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। बाजार में संघर्ष विराम की घोषणा और कच्चे तेल की कीमतों में तेज गिरावट के कारण आई शुरुआती बढ़त कुछ समय में ही हवा हो गयी क्योंकि सीजफायर टूटने की खबरों से निवेशकों में घबराहट आई और उन्होंने अपनी रकम निकालना शुरू कर दिया।

एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई 225 सूचकांक, शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग काफी ऊपर बंद हुए। वहीं यूरोपीय बाजार मध्य सत्र के कारोबार में बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। सोमवार को अमेरिकी बाजार सकारात्मक क्षेत्र में बंद हुए। उधर, वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 3.20 फीसदी गिरकर 69.13 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। वहीं सुबह अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के इजरायल-ईरान युद्ध विराम की घोषणा के बाद बाजार तेजी के साथ खुले। सेंसेक्स 600 से ज्यादा अंक चढ़कर 82,534.61 पर खुला। खुलते ही इसमें तेजी बढ़ गई। यह 922.27 अंक की बढ़त लेकर 82,819.06 पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह निफ्टी भी मजबूत शुरुआत के साथ 25,179.90 पर खुला। यह 263.45 अंक की बढ़त के साथ 25,235.35 पर कारोबार कर रहा था। वहीं मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच विदेशी निवेशकों की बिकवाली के दबाव में बेंचमार्क निफ्टी और सेंसेक्स सूचकांक में गत दिवस गिरावट रही थी। सीजफायर की घोषणा के बाद एशिया के शेयर बाजारों में 2.5 फीसदी तक की बढ़त देखी गई। दक्षिण कोरिया के कोस्पी में 2.5 फीसदी की तेजी आई। जबकि ताइवान में 2 फीसदी की तेजी आई। जापान के निक्केई में 1 फीसदीसे अधिक की तेजी आई। हैंग सेंग और स्ट्रेट्स टाइम्स में लगभग 0.7 फीसदी की तेजी आई। सीजफायर की खबरों से पहले अमेरिका के शेयर बाजार में गत दिवस मजबूती रही। डॉव जोन्स, नैस्डैक और एसएंडपी 500 में करीब 1 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई।

रुपया बढ़त के साथ बंद

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार के भारतीय रुपया सात पैसी की बढ़त के साथ ही 86.05 रुपये पर बंद हुआ। रुपये में ये बढ़त तेल की कीमतों में गिरावट से आई हैं। इससे पहले सुबह डॉलर के मुकाबले रुपया 64 पैसे मज़बूत होकर 86.11 पर पहुंचा, जो सोमवार को 86.75 पर बंद हुआ था। यह 13 मई के बाद रुपया की सबसे बड़ी शुरुआती तेज़ी रही है। हालांकि जून महीने में अब तक रुपया कुल 0.61 फीसदी गिर चुका है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान और इजराइल के बीच पूर्ण सीज़फायर की घोषणा के बाद कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई।

भारत से 10 अरब डॉलर के उत्पाद मंगाने आपूर्तिकर्ताओं के साथ काम जारीः वॉलमार्ट सीईओ

नई दिल्ली ■ एजेंसी

वॉलमार्ट के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (वैश्विक) डग मैकमिलन ने मंगलवार को कहा कि उनकी कंपनी अपने वैश्विक परिचालन के लिए भारत से 10 अरब डॉलर का सामान मंगाने के लक्ष्य को पूरा करने के लिए भारत में आपूर्तिकर्ताओं के साथ काम कर रही है। उन्होंने कहा कि वॉलमार्ट ने पिछले कुछ वर्षों में भारत से अपनी खरीद बढ़ा दी है और वह इस प्रगति से उत्साहित है। पिछले कुछ वर्षों में आप देख सकते हैं कि स्थिति कैसे बदल रही है और यह वास्तव में व्यापक और अधिक दिलचस्प होती जा रही है। बेंटनविले मुख्यालय वाली खुदरा दिग्गज कंपनी ने 2027 तक भारत से 10 अरब अमेरिका डालर के उत्पाद मंगाने का लक्ष्य रखा है जिसका उद्देश्य परिधान, खाद्य, खिलौने और अन्य श्रेणियों में निर्यात को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि शुरुआत में हम यहां से सीमित श्रेणियों के उत्पाद ले रहे थे, लेकिन अब हम इसका विस्तार करने के लिए उत्सुक हैं। सीईओ ने कहा कि इसमें काफी वृद्धि हुई है और अब हमारा लक्ष्य इसे प्रति वर्ष 10 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाना है, जो वास्तव में एक बड़ा आंकड़ा है और आपूर्तिकर्ता समुदाय के साथ मिलकर हम इसे प्राप्त करने के लिए काम कर रहे हैं। डग मैकमिलन दो दिवसीय भारत यात्रा पर हैं। यहां उन्होंने वॉलमार्ट की भारत में विकास गाथा का उल्लेख किया जिसमें निर्यात, डिजिटल नवाचार, समावेशी आपूर्ति श्रृंखलाओं का निर्माण व समुदायों को सशक्त बनाना शामिल है। इसके अलावा, उन्होंने कुछ विक्रेताओं से भी बातचीत की जिन्हें आपूर्तिकर्ता विकास कार्यक्रम वॉलमार्ट वृद्धि के तहत प्रशिक्षित किया गया है।

रतन टाटा ने जिन शेयरों का वसीयत में नहीं किया जिक्र वह अब ट्रस्टों में बंटेंगे

लिस्टेड और अनलिस्टेड शेयरों के मामले को बॉम्बे हाईकोर्ट ने सुलझाया

मुंबई ■ एजेंसी

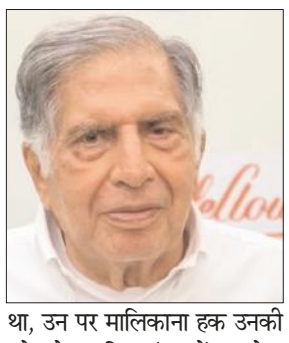

मशहूर उद्योगपति रतन टाटा की वसीयत के मुताबिक ही संपत्तियों और चीजों का बंटवारा हुआ था, लेकिन जिन शेयरों के बारे में वह अपनी वसीयत में लिखकर नहीं गए, उनका क्या होगा? इसको लेकर जब यह मामला बॉम्बे हाईकोर्ट पहुंचा तो कोर्ट ने सभी पक्षों को सुनने के बाद आदेश दिया है कि रतन टाटा के लिस्टेड और अनलिस्टेड दोनों तरह के शेयरों पर अब मालिकाना हक रतन टाटा एंडाउमेंट फाउंडेशन और रतन टाटा एंडाउमेंट ट्रस्ट का होगा। जस्टिस मनीष पिटाले की बेंच ने यह फैसला सुनाया। जस्टिस मनीष पिटाले ने कहा कि रतन टाटा ने अपनी वसीयत में जिन चीजों का जिक्र नहीं किया था, उन पर मालिकाना हक उनकी ओर से स्थापित संस्थानों का होना चाहिए। बेंच ने कहा कि रतन टाटा एंडाउमेंट फाउंडेशन और रतन टाटा एंडाउमेंट ट्रस्ट की स्थापना रतन टाटा ने ही की थी। कोर्ट ने कहा कि लिस्टेड और अनलिस्टेड शेयर्स, जिनके बारे में रतन टाटा ने वसीयत में उल्लेख नहीं किया उनको उनके ही दोनों ट्रस्टों में समान रूप से बांटा जाता है। इस मामले में याचिका दायर की गई थी और कोर्ट से मांग की गई थी कि रतन टाटा के शेयरों के मालिकाना हक पर फैसला लिया जाए। दरअसल बेंच में मुख्य सवाल यह उभरा कि रतन टाटा ने इन शेयरों के बारे में अपनी ओरिजिनल वसीयत में कुछ नहीं कहा था, लेकिन 22 दिसंबर, 2023 को संशोधन किया गया था। उसमें इसे शामिल किया गया। इसके बाद संशोधित वसीयत में कहा गया कि रतन टाटा की अन्य सभी संपत्तियां दो हिस्सों में बांटकर रतन टाटा की ही दो ट्रस्टों को दे दी जाएं। इनमें ही लिस्टेड और अनलिस्टेड शेयरों को भी शामिल कर लिया गया। बता दें रतन टाटा का 9 अक्तूबर, 2024 को निधन हो गया था। उनका कोई पारिवारिक वारिस नहीं था और वे अविवाहित थे। रतन टाटा का नाम देश के औद्योगिक जगत में सम्मान से लिया जाता है।

अदाणी इलेक्ट्रिसिटी मुंबई ने फिर खरीदे 4.95 करोड़ डॉलर के बॉन्ड

अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस ने कहा कि उसकी इकाई अदाणी इलेक्ट्रिसिटी मुंबई लिमिटेड (एईएमएल) ने अपने ऋण दायित्व कम करने गिरवी रखे हुए 4.95 करोड़ डॉलर के ऋण बॉन्ड फिर खरीद लिए हैं। एईएमएल ने कहा कि आंतरिक नकदी प्रवाह के जरिये वित्तपोषित 4.95 करोड़ डॉलर का नवीनतम लेनदेन फरवरी, 2020 में जारी कंपनी के 100 करोड़ डॉलर के बॉन्ड को संदर्भित करता है जो 2030 में देय थे।

यूपीआई से फेल ट्रांजेक्शन पर मिलेगा तुरंत रिफंड

15 जुलाई से लागू होगा नया नियम

मुंबई ■ एजेंसी

यूपीआई 15 जुलाई से नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) नया चार्जबैक नियम लागू करने जा रहा है, जिसके तहत अगर किसी लेनदेन में पैसा खाते से कट गया लेकिन भुगतान नहीं हुआ, तो ग्राहक को तुरंत रिफंड मिल जाएगा। अब इसके लिए लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। अगर यूपीआई ट्रांजेक्शन फेल होता है लेकिन खाते से पैसा कट जाता है, तो यूजर को तुरंत पैसा वापस मिल जाएगा। वहीं यूजर बैंक से पैसा वापस मांग सकेगा, जिससे गलत ट्रांसफर के मामलों में तेजी से समाधान मिलेगा। अब बैंक एनपीसीआई की पूर्व अनुमति के बिना भी कुछ अस्वीकृत चार्जबैक को फिर से उठाने के लिए स्वतंत्र होंगे। एनपीसीआई की नई व्यवस्था के तहत पुराने मामलों की भी दोबारा जांच की जा सकेगी। जिन ग्राहकों के चार्जबैक दावे पहले खारिज हो चुके हैं, उन्हें भी समाधान की उम्मीद मिलेगी।

ऑपरेशन सिंदूर को याद कर गौतम अदाणी ने कहा, भारत अपने दुश्मनों को उसी भाषा में जबाव देना जानता है

अहमदाबाद ■ एजेंसी

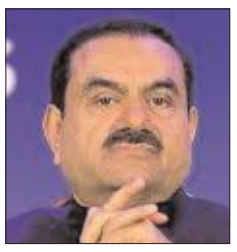

अदाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अदाणी ने ऑपरेशन सिंदूर को सफलतापूर्वक अंजाम देने के लिए भारतीय सशस्त्र बलों की सराहना कर कहा कि उनके साहस ने हमें याद दिलाया कि शांति कभी मुफ्त नहीं मिलती, बल्कि अर्जित की जाती है। अदाणी एंटरप्राइजेज की सालाना आम बैठक (एजीएम) को संबोधित कर चेयरमैन ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, हमारे बहादुर पुरुष और महिला सैनिक वर्दी में खड़े थे। उन्होंने कहा, ऑपरेशन सिंदूर ने दिखाया कि भारत शांति की कीमत जानता है। लेकिन अगर कोई हमें आंख दिखाता है, तब हम उसको उसी भाषा में जवाब देना जानते हैं। गौतम अदाणी ने कहा, मैं आज यहां एक अध्यक्ष के रूप में नहीं, बल्कि एक नागरिक के रूप में खड़ा हूं। मैं हमारी सीमाओं, हमारे परिवारों और हमारी गरिमा की रक्षा करने वालों के मौन बलिदानों के प्रति सम्मान व्यक्त करता हूं। उन्होंने कहा कि अदाणी डिफेंस के ड्रोन भी ऑपरेशन सिंदूर का हिस्सा थे। गौतम अदाणी ने कहा, जहां तक अदाणी डिफेंस की बात है, तब ऑपरेशन सिंदूर ने आह्वान किया और हमने पूरा किया। हमारे ड्रोन ने आसमान में आंख की तरह काम किया और हमले के दौरान तलवार भी बने।

अदाणी समूह के चेयरमैन ने 12 जून को अहमदाबाद में एयर इंडिया के बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमान दुर्घटना के पीड़ितों को भी श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा, हम एयर इंडिया के विमान की दुखद घटना में मारे गए लोगों के लिए दुख में अपना सिर झुकाते हैं। कई सपने एक पल में हमेशा के लिए खामोश हो गए।

दिलीप दोशी को याद कर भावुक हुए सचिन

मुम्बई ■ एजेंसी

महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर, रवि शास्त्री, अनिल कुंबले सहित खेल जगत की कई हस्तियों ने पूर्व क्रिकेटर दिलीप दोशी के निधन पर शोक जताया है। सचिन ने दोशी के परिवार के प्रति संवेदना जताने के साथ ही उनसे हुई पहली मुलाकात को याद कर एक भावुक पोस्ट भी लिखी है। सचिन ने सोशल मीडिया में लिखा, मैं पहली बार दिलीप भाई से 1990 में ब्रिटेन में मिला था और उन्होंने उस टूर में मुझे नेट में गेंदबाजी की। वह मुझे बहुत पसंद करते थे और मैं भी उनका बहुत सम्मान करता था। दिलीप भाई गर्मजोशी वाले शख्स थे, वह बहुत याद आएंगे। मैं उनके साथ क्रिकेट से जुड़ी बातचीत की कमी महसूस की है। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दे। ओम शांति।

बीसीसीआई ने भी इस दिग्गज पूर्व क्रिकेटर के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा, बीसीसीआई पूर्व स्पिनर दोषी के निधन से दुखी है।

गोयनका ने ऋषभ और राहुल की प्रशंसा की

मुम्बई ■ एजेंसी

आईपीएल के इस सत्र में असफल रहे लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत ने इंग्लैंड दौरे में शानदार प्रदर्शन करते हुए पहले ही टेस्ट में दो शतक लगा दिये। ऐसे में सुपर जायंट्स के मालिक संजीव गोयनका भी ऋषभ की प्रशंसा से अपने को रोक नहीं पाये। गोयनका ने ऋषभ के साथ शतक लगाने वाले केएल राहुल की भी सराहना की है। उन्होंने सोशल मीडिया में लिखा, बहुत अच्छे दो शतक। ऋषभ के लिए लगातार दो शतक। आक्रामक, साहसी, शानदार। इतिहास में टेस्ट की दोनों पारियों में शतक बनाने वाले केवल दूसरे विकेटकीपर। राहुल को भी उनके शतक के लिए बधाई। ऋषभ आईपीएल में केवल दो पारियों में ही अर्धशतक और शतक लगा पाये थे बाकि सभी मैचों में वह बेहद कम रन बना पाये। राहुल पिछले सत्र में सुपर जायंट्स के कप्तान रहे थे और तब टीम को करारी हार का सामना करना पड़ा था। इंग्लैंड के खिलाफ दूसरी पारी में राहुल और ऋषभ की जोड़ी ने मिलकर शतक लगाये थे। इन दोनों के बीच 195 रनों की साझेदारी हुई, जिससे भारतीय टीम 350 के ऊपर रन बनाने में सफल हरी। ऋषभ ने पिछली गलतियों से सबक लेकर इस मैच में आक्रामक रुख के साथ-साथ रक्षात्मक रुख भी अपनाया। वहीं राहुल ने अपनी मजबूत तकनीक से शतक लगाने में सफलता हासिल की। राहुल ने इसी के साथ ही इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया (सेना) देशों में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा है।

भारतीय टीम के निचले क्रम का प्रदर्शन चिन्ताजनक, अंतिम 5 विकेट के लिए साझेदारी औसत घटकर 18.93 पहुंचा

लीड्स ■ एजेंसी

यहां इंग्लैंड के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट में भारतीय टीम का निचला क्रम असफल रहा। भारतीय टीम ने पहली पारी में अंतिम छह विकेट केवल 24 रनों के अंदर ही खो दिये। वहीं दूसरी पारी में टीम ने अंतिम 6 विकेट 31 रन में ही खो दिए। इस प्रकार से निचले क्रम का ढहना टीम के लिए नुकसानदेह हो सकता है। साल 2024 के बाद से ही निचला क्रम असफल रहा है। पिछले एक साल में अंतिम पांच विकेट के लिए साझेदारी का औसत घटकर 18.93 रह गया है। भारतीय टीम का निचला क्रम रनों के मामले में केवल अफगानिस्तान और जिम्बाब्वे से ही ऊपर है, वहीं अन्य टीमों का औसत अंतिम पांच विकेट की साझेदारी के हिसाब से देखा जाये तो अधिक है। यहां तक कि वेस्टइंडीज, पाकिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका और आयरलैंड जैसी टीमों के निचले क्रम का औसत भारतीय टीम से अच्छा है। वहीं अगर 2020 के बाद के आंकड़ों को देखें कि तेज गेंदबाजों ने जिन्होंने 20 से ज्यादा विकेट लिए हैं और उनका औसत 10 से ज्यादा का है तो उनमें भारत के केवल 2 ही खिलाड़ी हैं, जबकि इंग्लैंड के सात, न्यूजीलैंड और वेस्टइंडीज के 5-5 खिलाड़ी शामिल हैं। ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के 4-4 खिलाड़ी 20 से ज्यादा विकेट लेकर 10 से ज्यादा का औसत रखे हुए हैं पर भारत के 2 गेंदबाज ऐसा कर पाए हैं। पहले टेस्ट की पहली पारी में भारतीय टीम का स्कोर 447/4 था पर टीम ने अंतिम छह विकेट तेजी से गंवाये।

पानी में हल्दी डालकर सिर्फ रील नहीं बनानी, उसके आगे भी कुछ करना है, इससे होगा जबरदस्त फायदा

सोशल मीडिया पर हजारों नुस्खे और घरेलू उपाय आपको मिल जाएंगे। कोई रंग साफ करने के नुस्खे बता रहे हैं तो कोई बालों का काला बनाने के उपाय सिखा रहा है। इन दिनों पानी में हल्दी घोलकर पीने के काफी रील्स वायरल हो रहे हैं। पानी में हल्दी मिलाने तक तो ठीक है लेकिन रील्स को वायरल करने के चक्कर में लोग न जाने और क्या-क्या मिक्स कर रहे हैं। आपको बता दें पानी में हल्दी डालकर पीना स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद माना जाता है। आयुर्वेद में हल्दी वाला पानी सेहत के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। सुबह खाली पेट हल्दी वाला पानी पीने से शरीर में आई सूजन कम होती है। मोटापा घटाने में भी हल्दी वाला पानी असरदार साबित होता है। आइये जानते हैं पानी में हल्दी घोल कर पीने के क्या फायदे हैं?

कैसे बनाएं हल्दी वाला पानी?

सबसे पहले तो ये जान लीजिए कि पानी में आपको कितनी हल्दी और कैसे मिक्स करनी है। इसके लिए 1 गिलास पानी लें अब इसमें 1 छोटा टुकड़ा कच्ची हल्दी को कसकर मिला दें। रातभर पानी को रखें और सुबह इस पानी को छानकर पी लें। आप चाहें तो कच्ची हल्दी की जगह आधा छोटी चम्मच हल्दी पाउडर भी मिला सकते हैं। सुबह इस पानी को गुनगुना करें और छानकर खाली पेट पी लें।

पानी में हल्दी डालकर पीने के फायदे

हल्दी में एंटीइंफ्लेमेटरी गुण होते हैं जिससे सूजन कम होती है। रुमेटाइड आर्थराइटिस और ऑस्टियोआर्थराइटिस के रोगियों के लिए हल्दी वाला पानी फायदेमंद होते हैं। सुबह खाली पेट हल्दी वाला पानी पीने से मोटापा कम होता है। ज्यादा असरदार बनाने के लिए आप इस पानी में 1 टुकड़ा अदरक भी मिला सकते हैं। इससे मेटाबॉलिज्म में सुधार आएगा। हल्दी में मौजूद करकुमिन कंपाउंड गॉलब्लेडर से पित्त को निकालने में मदद करते हैं जिससे पाचन में मदद मिलती है। हल्दी वाला पानी पीने से लिवर डिटॉक्सीफाई होता है और खराब पदार्थ बाहर निकलते हैं। इससे गैस और सूजन की समस्या कम होती है। हल्दी में एरोमैटिक टरमेरोन तत्व होते हैं जो क्षतिग्रस्त दिमाग की स्टेम कोशिकाओं की मरम्मत करता है। इससे अल्जाइमर और स्ट्रोक जैसे कई न्यूरोडीजेनेरेटिव विकारों का खतरा कम होता है।

डाइट कर रहे हैं फॉलो तो रेस्टोरेंट में खाना ऑर्डर करते समय ये गलतियां भूलकर भी न करें, ऐसे करें हेल्दी और टेस्टी खाने का चुनाव

जब, लोग जब अपना वजन कम करने के बारे में सोचते हैं तो सबसे पहले अपनी डाइट पर लगाम लगाते हैं और बाहर का खाना बंद कर देते हैं। लेकिन वजन कम करने के लिए ज़रूरी नहीं है कि आप खुद के साथ एकदम सख्त हो जाएं। सिर्फ़ इसलिए रेस्टोरेंट में डिनर या लंच नहीं करना क्योंकि आप वेट लॉस जर्नी पर हैं, हेल्दी और अच्छा विचार नहीं है। हम आपको बता दें, वेट लॉस जर्नी के दौरान रेस्टोरेंट में खाना छोड़ना ज़रूरी नहीं है। आप बाहर का खाना खाकर भी अपना वजन आसानी से कम कर सकते हैं। हाल ही में मेलिसा नामक वज़न घटाने वाली फिटनेस कोच ने नौ किलो वज़न घटाया और रेस्टोरेंट के खाने का स्वाद भी चखा है। ऐसे में मेलिसा ने अपने अनुभव से बताया, कि रेस्टोरेंट जाकर खाने से जुड़ी किन गलतियों को करने से बचना चाहिए और हेल्दी विकल्प कैसे चुनें?

रेस्टोरेंट में हेल्दी विकल्प कैसे चुनें?

भूखे पेट रेस्टोरेंट जाना

अगर आप बहुत ज़्यादा भूखे होंगे, तो ज़रूरत से ज़्यादा खाने या अनहेल्दी विकल्प चुनने की संभावना बढ़ जाती है। रेस्टोरेंट जाने से पहले एक छोटा, प्रोटीन-युक्त स्नैक लें।

मेनू को पहले से न देखना

कई रेस्टोरेंट के मेनू ऑनलाइन उपलब्ध होते हैं। पहले से ही विकल्पों को देखकर, आप स्वस्थ चुनाव कर सकते हैं और आवेग में आकर गलत ऑर्डर देने से बच सकते हैं।

पोर्शन साइज़ पर ध्यान न देन

रेस्टोरेंट में अक्सर पोर्शन साइज़ बहुत बड़े होते हैं। अपने खाने को शेयर करने या आधा घर ले जाने की योजना बनाएं।

हेल्दी विकल्पों को छोड़ना

मेनू में अक्सर ग्रिल्ड, बेक्ड या स्टीम्ड जैसे हेल्दी विकल्प होते हैं। फ्राइड या क्रीमी डिशेज के बजाय इन्हें चुनें।

ब्रेड/पापड़ पर टूट पड़ना

रेस्टोरेंट में अक्सर खाने से पहले ब्रेड या पापड़ परोसे जाते हैं। इनमें खाली कैलोरी होती है और ये आपकी भूख को कम नहीं करते, बल्कि ज़्यादा खाने को बढ़ावा देते हैं। इन्हें लेने से बचें या बहुत कम मात्रा में खाएं।

मीठे पेय पीना

सॉफ्ट ड्रिंक्स, कॉकटेल और मीठे पेय में बहुत ज़्यादा कैलोरी होती है। पानी, नींबू पानी (बिना चीनी) या सोडा पानी का चुनाव करें।

डेज़र्ट को ना न कहना

अगर आपको डेज़र्ट खाने की बहुत इच्छा है, तो एक छोटे पोर्शन को शेयर करें या फल जैसा हल्का विकल्प चुनें।

न्यूज ब्रीफ

वर्षाकाल में जल भराव वाले क्षेत्रों तथा नदी,नालो एवं जल स्त्रोतो से दूर रहने की कलेक्टर ने की अपील

शहडोल। वर्षाकाल प्रारंभ हो गया है। जिले में विभिन्न क्षेत्रो में बारिश भी दर्ज की जा रही है। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने जिलावासियों से अपील की है कि वर्षाकाल में जल भराव वाले क्षेत्रो की जानकारी रखें तथा जल भराव होने पर सतर्कता बरते तथा दूर रहें। आपने अपील की है कि नदी, नालो एवं जल स्त्रोतो में जल का स्तर बढ़ रहा है। जान माल की सुरक्षा हेतु जरूरी है कि लोग एहतियात बरते, जल स्त्रोतो के आसपास जाने से बचे, खासतौर पर बच्चों को जल स्त्रोतो के पास नही जाने दें। पुल पुलियों में खतरे के निशान से ऊपर पानी आने पर न तो स्वयं और न ही वाहनों को पार कराएं। बाढ़ आपदा की स्थिति होने पर संबंधित थानो, तहसील कार्यालय, जनपद कार्यालय तथा एसडीएम कार्यालय को सूचित करें। ऐसे क्षेत्रों की लगातार निगरानी करते रहें।

30 जून से 01 अक्टूबर तक जिल में संचालित रेत खदानों में रेत उत्खनन पर रहेगा प्रतिबंध

शहडोल 25 जून 2025- कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने मानसून सीजन में 30 जून से 01 अक्टूबर तक जिल में संचालित रेत खदानों में रेत उत्खनन पर रोक लगाने संबंधी आदेश जारी किया है। जारी आदेश में शहडोल जिले में स्थित नदियों से 30 जून 2025 से 01 अक्टूबर 2025 तक रेत खनन पर पूर्णत: प्रतिबंध रहेगा।

बीते 24 घंटे में जिले में 7.6 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज

अनूपपुर। अधीक्षक भू-अभिलेख अनूपपुर द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार जिले में बीते 24 घंटे में 7.6 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। इस दौरान वर्षामापी केन्द्र अनूपपुर में 1.4, कोतमा में 14, बिजुरी में 15.6, जैतहरी में 4, वेंकटनगर में 5.8,पुष्पराजगढ़ में 9.4 , अमरकंटक में 7 तथा बेनीबारी में 3.2 मिली मीटर वर्षा दर्ज की गई।

जिला खनिज प्रतिष्ठान न्यास मंडल की बैठक 28 जून को

अनूपपुर जिला खनिज प्रतिष्ठान न्यास मंडल की बैठक 28 जून 2025 को शासन के दिशा निर्देशों के अनुरूप प्रातः 11:00 से कलेक्ट्रेट सभागार में कलेक्टर महोदय की अध्यक्षता में आयोजित की गई है।उक्ताशय की जानकारी जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा जिला खनिज प्रतिष्ठान न्यास मंडल के सदस्य सचिव श्री तन्मय वशिष्ठ शर्मा ने दी है उन्होंने बताया कि बैठक में वार्षिक कार्य योजना, वार्षिक प्रतिवेदन के अनुमोदन तथा अध्यक्ष महोदय की अनुमति से अन्य विषयक चर्चा की जाएगी उन्होंने सर्व संबंधितो से बैठक में उपस्थित की अपील

भगवत कथा के दूसरे दिन सुंदर झांकी और भजन: पिता द्वारा पति का किया गया अपमान सती बर्दाश्त नहीं कर पाई और यज्ञ कुंड में समा गईः पं. सच्चिदानंद शर्मा

राजगढ़

मंदिर श्री जमात में श्रीमद् भागवत कथा के अन्तर्गत पं. सच्चिदानंद शर्मा ने दूसरे दिवस की कथा के वृतांत में मदालसा बाई, गौरा कुमार, विदुर जी की कथा का वर्णन किया। उन्होंने कहा कि जब भक्ति प्रबल एवं सच्ची होती है तब ईश्वर दौड़े चले आते है भगवान विदुर जी के घर उनके समर्पण भाव के कारण चले आते हैं। उन्होंने बताया कि सती ने प्रजापति दक्ष की इच्छा के विरुद्ध भगवान शिव से विवाह किया था तब दक्ष इस विवाह से संतुष्ट नहीं थे, क्योंकि सती ने ऐसे व्यक्ति से विवाह किया था। दक्ष ने एक विराट यज्ञ का आयोजन किया लेकिन उन्होंने अपने दामाद और पुत्री को यज्ञ में निमंत्रण नहीं भेजा। फिर भी सती अपने पिता के यज्ञ में पहुंच गई। लेकिन दक्ष ने शिव के विषय में सती के सामने ही अपमानजनक बातें कही। सती यह सब वह बर्दाश्त नहीं कर पाई।

सती को दर्द इस बात का भी था कि वह अपने पति के मना करने के बावजूद इस यज्ञ में आ गयी थी। पति के प्रति खुद के द्वारा किए गया ऐसा व्यवहार और पिता द्वारा पति का किया गया अपमान सती बर्दाश्त नहीं कर पाई और यज्ञ कुंड में समा गई। यह खबर सुनते ही शिव ने वीरभद्र को भेजा, जिसने दक्ष का सिर काट दिया। इसके बाद दुखी होकर सती के शरीर को अपने सिर पर धारण कर शिव ने तांडव नृत्य किया। पृथ्वी समेत तीनों लोकों को व्याकुल देख कर भगवान विष्णु ने अपने सुदर्शन चक्र द्वारा सती के शरीर के टुकड़े करने शुरू कर दिए

और जहां भी ये अंग गिरे वहां 51 शक्ति पीठ की स्थापना हुई। हिमवान की स्त्री मैना थी। जगज्जननी भवानी माता सती ने उनकी कन्या के रूप में जन्म लिया। वे सयानी हुई, तब नारद ने गिरिजा द्वारा शिव की उपासना का उपदेश दिया। अतः गिरिजा शिव की उपासना में लग गयीं, कन्द-मूल-फल छोड़कर वे बेल के पत्ते खाने लगीं और फिर उहोंने उसको भी छोड़ दिया। तब उनके प्रेम की परीक्षा के लिए शिव ने बटु का वेष धारण किया और वे गिरिजा के पास गये। किंतु गिरिजा अपने विचारों में अविचल रहीं। यह देखकर स्वयं शिव साक्षात प्रकट हुए और उहोंने गिरिजा को कृतार्थ किया। इसके अनंतर शिव ने सप्तर्षियों को हिमवान के घर विवाह की तिथि आदि निश्चित करने के लिए भेजा और हिमवान से लगन कर सप्तर्षि शिव के पास गये।

भगवान शंकर के साथ भूत-प्रेतादि की वह बारात देखकर नगर में कोलाहल मच गया। मैना ने जब सुना तो वह बड़ी दुःखी हुई और हिमवान के समझाने बुझाने पर किसी प्रकार शांत हुई। यह लीला कर लेने के बाद शिव अपने सुन्दर और भव्य रूप में परिवर्तित हो गये और गिरिजा के साथ धूम-धाम से उनका विवाह हुआ।

पं.सच्चिदानंद जी शर्मा ने सुंदर झांकी और भजन चले ब्याह रचाने भोले के साथ बारात का वर्णन किया। कथा का आयोजन परम पूज्य ब्रह्मलीन गुरुदेव की प्रथम तिथि के अवसर पर उनके वरद हस्त शिष्य महंत दीपेंद्र दास जी के मार्गदर्शन में कथा का आनंद भक्त प्राप्त कर रहे हैं कथा के यजमान आरती राकेश गुप्ता प्रिया शिवम गुप्ता भोपाल रुपाली रविंद्र गुप्ता टीनू पूरन कुशवाहा विनोद नामदेव एवं

विद्युत की आंख मिचौली उपभोक्ताओं को दे रही दोहरा दर्द

एक माह से खराब पड़ा ट्रांसफार्मर, अधिकारी देखकर बने अंजान

चंदेरा

भीषण गर्मी में विद्युत की आंख मिचौली और ऐसे में कनिष्ठ अभियंता का न होना आम जन को दोहरी पीड़ा दे रहा है। वहीं केंद्र एवं राज्य स्तर पर अटल बिधुत योजना और मुख्यमंत्री ग्राम बिजली सबल योजनाओ से हर घर को रोशन करने के दावे निर्थक दिखाई दे रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत कटौती ने आमजन एवं किसानो की हालत पतली कर रखी है। कई गांवों में ट्रांसफार्मर जले हुए हैं, लेकिन समय पर विभाग उनको न तो बदल पा रहा है और ना ही सुधार कार्य करा पा रहा है। ऐसे में ग्रामीणों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसा ही एक मामला ग्राम खरों में सामने आया है। जहां करीब एक माह से जले पड़े ट्रांसफार्मर को बदलने की जहमत संबंधित अधिकारियों द्वारा नहीं उठाई गई।जिससे ग्रामीण अंधेरे में जीवन बसर करने को मजबूर हैं। जिस बारे मे जानकारी देते हुए बृजेंद्र साहू, जितेंद्र साहू, मिथलेश जोगी सहित कई लोगों ने

बताया कि ट्रांसफार्मर खराब होने के बाद लगातार ग्रामीण क्षेत्रीय मुख्यालय के अधिकारियों को समस्या बता रहे हैं, लेकिन सुधार के लिए कोई पहल नहीं की जा रही। जिससे ग्रामीणों की दिन प्रतिदिन समस्या बढ़ती जा रही है। ऐसे में न सिर्फ फसलों की सिंचाई प्रभावित हो रही है बल्कि दैनिक जीवन के कार्य भी प्रभावित हैं। ट्रांसफार्मर जलने के कारण ग्राम वासियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। ट्रान्सफार्मर जलने के कारण गांव की नल जल योजना ठप्प पड़ी हुई है। ग्रामवासियों को बिजली की दिक्कत के कारण पानी की किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीण सुबह चार बजे से हैन्डपंप से पानी भरने के लिए लाइन लगा लेते हैं। नंबर आने पर पानी भरने को मिलता है। कभी-कभी एक बाल्टी पानी के लिए महिलाओं के बीच विवाद होने लगता है। गांव में गिनती के हैन्ड पंप लगे हुए है बारिश के कारण उनमें गंदा पानी आ रहा है ग्राम में जल सप्लाई न होने से ग्रामीण हैन्ड पंप का ही पानी पीते हैं। वहीं ह्रदेश सेन ने बताया कि गांव में लगी आटा चक्की भी नहीं चल पा रही। दूसरे गांव जाकर ग्रामीण गेंहू पिसवा रहे हैं। वर्तमान में बारिश और मच्छरों का प्रकोप छोटे बच्चों और बुजर्गों पर सबसे अधिक प्रभाव डाल रहे हैं। विद्युत उपकरण काम नहीं कर रहे हैं। विद्युत विभाग से लगातार शिकायत करने के बाद विभाग के द्वारा समस्या निराकरण पर ध्यान नहीं दिया जा रहा। जले पड़े ट्रांसफार्मर के कारण हम सभी लोग अंधेरे में जीवन जीने को मजबूर हैं। वहीं एक अनचाहा डर बना रहता है। रविवार रात को ग्राम के वंशीधर के यहां सांप निकला था भगवान का शुक्र रहा की उसने परिवार में किसी को हानि नहीं पहुचाई लेकिन अंधेरे के कारण वह वहां से गायब हो गया। जिससे परिवार समेत ग्रामीण आशंकित हैं। रुपेश विश्वकर्मा, सतीश साहू, प्रदीप सोनी, संजय सोनी, पंकज निरंजन, सतीश खरे, कालका प्रसाद सेन, रामदास अडजरिया, बृजेंद्र निरंजन, रत्नेश तिवारी, सुरेश साहू, हल्कू पटेल आदि ग्रामीणों ने जल्द से जल्द विभागीय अधिकारियों से नए ट्रांसफार्मर लगाने की गुहार लगाई है।

इनका कहना है

क्षेत्र में लगातार ट्रांसफार्मर जलने के कारण पर्याप्त ट्रांसफार्मर उपलब्ध नहीं हो पा रहे हैं, जिस कारण समस्या बनी हुई है। नया ट्रान्सफार्मर उपलब्ध होते ही व्यवस्था बनाई जाएगी, ताकि ग्रामीणों को राहत मिल सके।

प्रशांत खरे सहायक अभियंता जतारा

एकलव्य विद्यालय व तुलसी महाविद्यालय में आयोजित हुआ संविधान हत्या दिवस पर कार्यक्रम

व्याख्यान, डिबेट, निबंध प्रतियोगिता व लघु फिल्म का हुआ प्रदर्शन

अनूपपुर

25 जून 2025 को राष्ट्र में आपातकाल लागू होने की 50वीं वर्षगांठ पर संविधान हत्या दिवस राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम के तहत अनूपपुर जिले में भी विविध गतिविधियों और कार्यक्रम आयोजित किए गए जिसमें व्याख्यान, डिबेट्स, निबंध प्रतियोगिताएं तथा संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार द्वारा निर्मित लघु फिल्म का प्रदर्शन तथा प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।
कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली तथा जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री तन्मय वशिष्ठ शर्मा के मार्गदर्शन में शासन के दिशा निर्देशों के अनुरूप चरणबद्ध कार्यक्रम आयोजित किए गए।

एकलव्य विद्यालय तथा तुलसी महाविद्यालय में आयोजित हुआ कार्यक्रम

जिला मुख्यालय स्थित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय तथा प्रधानमंत्री एक्सीलेंस तुलसी महाविद्यालय अनूपपुर में संविधान हत्या दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए कार्यक्रम में आपातकाल की स्थितियो की याद करते हुए लोकतंत्र और संविधान के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर संविधान की रक्षा की शपथ दिलाई गई कार्यक्रम में आपातकाल के दौरान नागरिक स्वतंत्रता पर प्रकाश डाला गया लोकतंत्र का महत्व विषय पर निबंध और भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई।

लघु फिल्म का हुआ प्रदर्शन

भारत सरकार संस्कृति मंत्रालय द्वारा 25 जून संविधान हत्या दिवस के लिए विशेष रूप से तैयार लघु फिल्म का प्रदर्शन भी कार्यक्रम स्थल पर प्रदर्शित किया गया जिसका उपस्थित जनों ने अवलोकन व श्रवण किया।
जिले के सभी स्कूलों, महाविद्यालय, आईटीआई, पॉलिटेक्निक कॉलेज में आयोजित हुआ कार्यक्रम जिले के सभी स्कूलों, छात्रावास, आश्रम, अशासकीय विद्यालयों, महाविद्यालय, आईटीआई, पॉलिटेक्निक कॉलेज, सहित अन्य स्तर पर भी राष्ट्र में आपातकाल लागू होने की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किए गए जिसमें बड़ी संख्या में नागरिकों, युवाओं, विद्यार्थियों ने भागीदारी की इस अवसर पर प्रबुद्ध गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधि आदि भी उपस्थित रहे

निरीक्षक सुन्द्रेश सिंह मेरावी ने स्थानांतरित कर्मचारियों को मोमेंटो एवं श्रीफल भेंट कर किया सम्मानित

थाना प्रभारी चचाई द्वारा 9 पुलिसकर्मियों को विदाई सम्मान

अनूपपुर।

थाना चचाई में पदस्थ थाना प्रभारी निरीक्षक सुन्द्रेश सिंह मेरावी द्वारा स्थानांतरण पर जा रहे पुलिस विभाग के 9 कर्मचारियों को एक सादगीपूर्ण लेकिन गरिमामय कार्यक्रम में मोमेंटो एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर श्री मेरावी ने संबोधित करते हुए कहा कि ÷पुलिस विभाग में स्थानांतरण एक स्वाभाविक प्रक्रिया है, लेकिन जिन कर्मठ, अनुशासित और कर्तव्यनिष्ठ कर्मचारियों ने यहां अपनी सेवाएं दी हैं, उन्हें सम्मानित करना हमारा दायित्व है।÷ उन्होंने आगे कहा कि ÷आप सभी का योगदान थाना चचाई के संचालन में महत्वपूर्ण रहा है।÷ स्थानांतरित कर्मचारियों को न सिर्फ विदाई दी गई, बल्कि उनके द्वारा किए गए कार्यों को सराहा भी गया। इस दौरान थाना परिसर में भावुक और सौहार्दपूर्ण वातावरण बना रहा। कार्यक्रम में थाना स्टाफ के साथ-साथ स्थानीय गणमान्य नागरिक भी उपस्थित रहे। सभी ने स्थानांतरित कर्मचारियों को भावभीनी शुभकामनाएँ दीं।

उप मुख्यमंत्री ने जिला चिकित्सालय को राष्ट्रीय गुणवत्ता प्रमाणन पत्र प्रदान कर किया सम्मानित

अनूपपुर

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल एवं लोक स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल तथा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन मध्यप्रदेश की संचालक डॉ. सलोनी सिडाना ने सोमवार को नरोन्हा प्रशासनिक अकादमी भोपाल के स्वर्ण जयंती सभागार में आयोजित कार्यक्रम में जिला चिकित्सालय अनूपपुर को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान किये जाने पर राष्ट्रीय गुणवत्ता प्रमाणन पत्र से सम्मानित किया। जिला चिकित्सालय के सिविल सर्जन सह अस्पताल अधीक्षक डॉ. एस.आर. परस्ते एवं अस्पताल प्रबंधक डॉ. जनमेजय शाक्य ने यह पुरुस्कार प्राप्त किया। यह सम्मान नेशनल हेल्थ सिस्टम्स रिसोर्स सेन्टर स्वास्थ्य मंत्रालय भारत सरकार के एनक्यूएएस, लक्ष्य व मुस्कान कार्यक्रम अंतर्गत सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधा के लिए जिला चिकित्सालय को दिया गया है। जिला चिकित्सालय अनूपपुर को मिले इस पुरुस्कार के लिए कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली ने कहा है कि एनक्यूएएस, लक्ष्य तथा मुस्कान कार्यक्रम के तहत जिला चिकित्सालय को राष्ट्रीय गुणवत्ता प्रमाणन पत्र मिलना गौरव की बात है। इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए उन्होंने स्वास्थ्य विभाग की पूरी टीम को बधाई दी है।

शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय में विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष में कार्यक्रम का हुआ आयोजन

राजगढ़

शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय में बुधवार को विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष में मध्य प्रदेश विज्ञान प्रौद्योगिकी परिषद् भोपाल के द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम बड़े ही हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया। विश्व पर्यावरण दिवस 2025 की थीम प्लास्टिक को खत्म करना है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता चयनित अधिकारी भारतीय वन सेवा 2024 अतुल जैन, वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केंद्र डॉ. लाल सिंह एवं प्राचार्य राजू जैतवार ने सर्वप्रथम दीप प्रज्जवलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया। तत्पश्चात महाविद्यालय के संस्था प्राचार्य द्वारा मुख्य वक्ता ऑनलाइन जुड़े श्री जैन एवं डॉ. सिंह का स्वागत किया गया। कार्यक्रम का प्रभावी संचालन नेहा पाण्डेय द्वारा किया गया। जिन्होंने पूरे आयोजन को सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराया। प्राचार्य ने छात्रों को संबोधित करते हुए पर्यावरणीय समस्याओं की गंभीरता और युवाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला।

टाइगर रिजर्वों के कोर एवं बफर क्षेत्रों में वन्य जीवों की सुरक्षा एवं जन हानि रोकने संबंधी बैठक सम्पन्न

सर्पदंश से ग्रसित व्यक्ति को यथाशीघ्र नजदीकी ले जाएं स्वास्थ्य केंद्र

शहडोल 25 जून 2025- टाइगर रिजर्वों के कोर एवं बफर क्षेत्रों में वन्य जीवों की सुरक्षा एवं जन हानि रोकने संबंधी बैठक कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार में आयोजित की गई। बैठक में उत्तर वन मंडलाधिकारी तरूणा वर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि लोगो को वन्य जीवों से बचाव हेतु जागरूकता अभियान चलाए तथा वन्य जीवो के मूवमेंट होने पर ग्रामीणों को जानकारी दी जाए, उन्हें वन्य जीवों के आसपास नही जाने की समझाइश दी जाए। सामान्य तौर पर वन्य जीव टाइगर रिजर्वों के कोर एवं बफर क्षेत्रों में भ्रमण करते है। इस दौरान लोग भयभीत होकर वन्य जीवों के आस पास एकत्र हो जाते है जिससे वन्य जीव आक्रमक हो जाते है। इन परिस्थितियों में दूर से उनके

मूवमेंट पर नजर रखने तथा इसकी जानकारी वन विभाग के मैदानी अमले को दी जानी चाहिए। इसी तरह वन क्षेत्रो के कोर एवं बफर एरिया में बहुत से कुऐ ऐसे होते है जिनमें मुडेर अथवा फैसिंग नही होती है, रात के अंधेरे में वन्य जीव इन कुओ में गिर जाते है कई बार उनकी जान भी चली जाती है इसके लिए आवश्यक है कि ऐसे कुओ का चिन्हाकन कर मनरेगा मद से इन कुओ में मुडेर बनाने या फैसिंग करने की कार्यवाही की जानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि वर्षाकाल आते ही सर्पदंश की घटनाएं बढ जाती है। जन सामान्य को सलाह दी जानी चाहिए कि वे वर्षा ऋतु में विशेष सतर्कता बरतें। झाड़ियों, पुआल के ढेर, लकड़ी के गट्ठर आदि स्थानों में काम करने से पहले वहां डंडे या लाठी से हल्का प्रहार करें। अंधेरे में टॉर्च का उपयोग करें और बच्चों को बिना देखरेख खुले स्थानों पर न भेजें। घर के आसपास साफ-सफाई रखें, झाड़ियाँ काटें और कूड़ा-कचरा हटाएं। घरों की दीवारों में मौजूद दरारें बंद करें और खुले में सोने से परहेज़ करें। यदि किसी को सर्प ने डस लिया हो तो घबराएं नहीं, शरीर को शांत रखें और तुरंत नज़दीकी स्वास्थ्य केंद्र या अस्पताल पहुँचें। घाव को चाकू से काटना, चूसना या उस पर कोई रसायन लगाना अत्यंत हानिकारक है। झाड़-फूंक, टोना-टोटका या तांत्रिक क्रियाओं में समय न गंवाएं। यह समय जीवन रक्षक हो सकता है, इसलिए हर क्षण अमूल्य है।

उन्होंने कहा कि सर्पदंश ग्रसित व्यक्ति को यथाशीघ्र नजदीकी अस्पताल ले जाएं। यदि संभव हो तो सांप का रंग, लंबाई या कोई चित्र याद रखें लेकिन उसे मारने या पकड़ने का प्रयास न करें, क्योंकि इससे और खतरा हो सकता है। कई बार सांप विषैला नहीं भी होता, पर उपचार में देर जानलेवा साबित हो सकती है। सभी नागरिकों से अपील है कि वे सर्पदंश से संबंधित इस आपदा को गंभीरता से लें। शासन एवं जिला प्रशासन द्वारा किए गए प्रबंध तभी प्रभावी होंगे जब नागरिक स्वयं भी सावधानी बरतेंगे, समय पर उपचार लेंगे और जागरूकता फैलाने में सहयोग करेंगे। संयुक्त प्रयासों से ही सर्पदंश से होने वाली जनहानि को नियंत्रित किया जा सकता है। बैठक में अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री मुद्रिका सिंह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत श्री विजय सिंह, श्री वेदमणि मिश्रा सहित वन विभाग के मैदानी अधिकारी उपस्थित रहें।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक डल्लू सोनी द्वारा सांई प्रिंटिस म. ने 19 जहांगीराबाद भोपाल म.प्र. मुद्रित एवं मजिस्ट्रेट बंगला वार्ड नं 09, जिला अनूपपुर मध्यप्रदेश से प्रकाशित। संपादक डल्लू सोनी, समाचार चयन के लिए पीआरवी एक्ट के तहत जिम्मेदार/न्यायालनी क्षेत्र अधिकार अनूपपुर होगा। मो. 9893798715